A Daily News Magazine
इंदौर
सोमवार, 03 फरवरी, 2025

सुबह सवेरे

इंदौर एवं भोपाल से एक साथ प्रकाशित
वर्ष 10 अंक 124, नगर संस्करण, पृष्ठ 8, मूल्य रू. 2
(डाक पंजीयन संख्याः MP/IDC/1529/2016-2018)

subahsaverenews@gmail.com
facebook.com/subahsaverenews
www.subahsavere.news
twitter.com/subahsaverenews

पहली बात

सोने की चिड़ियाः भारत की मुफलिसी में अंग्रेजों की लूट

उमेश त्रिवेदी
प्रधान संपादक

लोकसभा में प्रस्तुत 2024-25 के ताजा बजट और आर्थिक-समीक्षा के अनुसार दुनिया की पांचवी सबसे बड़ी अर्थ-व्यवस्था का मालिक भारत दो हजार साल पहले विश्व के फलक पर 'सोने की चिड़िया' के रूप में जाना जाता था। प्राचीन भारत की आर्थिकी विश्व को गतिशीलता प्रदान करती थी। खुशहाल भारत की तंगहाल मुल्क में तब्दीली की तिजारत का सियासी मॉडल हैरान करने वाला है। 'सोने की चिडिया' के सामर्थ्य और सम्पन्नता के सुनहरे पंखों को कुतरे जाने की त्रासद कहानियां और ऐतिहासिक दस्तावेज हैरतअंगेज हैं। खुशहाल भारत में अंग्रेज आक्रांताओं की भयावह और लोमहर्षक लूटपाट के दस्तावेजों का नया संस्करण अंतर्राष्ट्रीय संस्था 'ऑक्सफेम' की नई सालाना रिपोर्ट के रूप में सामने आया है।

ऑक्सफेम की रिपोर्ट बीते माह जनवरी के तीसरे सप्ताह में जारी हुई है। यह दस्तावेज भारत में अंग्रेजों की लूट के किस्सों की पुष्टि करता है। रिपोर्ट के अनुसार अंग्रेजों ने अपने शासन-काल में सुनियोजित तरीके से भारत में लगभग 648 खरब डॉलर की संपदा लूटकर उसे गरीबी, मुफलिसी और बदहाली के दल-दल मे गहरा ढकेल दिया था। लूट की इस दौलत का आँकड़ा भारत की मौजूदा जीडीपी से 16 गुना ज्यादा है।

अंग्रेजों की भयावह लूट ने भारत के आर्थिक हालात को अधमरा कर दिया था। नतीजतन् आजादी के 75 साल बाद भी भारत अँग्रेजों की भयावह लूट के दुष्परिणामों से जूझ रहा है। विकासशील राष्ट्र से विकसित राष्ट्र बनने की दिशा में भारत की कोशिशों में कई अवरोध और उतार-चढ़ाव दर्ज हैं। इन्हीं कोशिशों का नतीजा है कि 2024 में भारत विश्व की पाचंवी सबसे बड़ी अर्थ-व्यवस्था का दर्जा हासिल कर चुका है। उसकी जीडीपी 3.6 लाख करोड़ डॉलर के मुकाम पर खड़ी है। 2027-28 में 5 लाख करोड़ डॉलर की जीडीपी के साथ भारत जापान को पीछे ढकेल कर दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थ-व्यवस्था बनाने के लक्ष्य की ओर अग्रसर है। अंग्रेजों की लूट से उत्प्रेरित दल-दल अभी पूरी तरह साफ नहीं हुआ है। मुफलिसी के कीचड़ में भारत के पैर गहरे धंसे हैं। ऑक्सफेम की रिपोर्ट के तथ्यों को मानें तो यदि अंग्रेज भारत की संपदा की लूटपाट नही करते तो भारत आज सम्पन्न राष्ट्रों की श्रृंखला में अग्रणी खड़ा होता। बहरहाल, अंग्रेजों की लूटपाट के बैक-ड्रॉप में विकसित राष्ट्र के रूप में भारत के रूपान्तरण की राहों में कई धुंधलके हैं। रास्ता कठिन है।

बीते शुक्रवार संसद में पेश वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की आर्थिक समीक्षा में स्पष्ट संकेत हैं कि 2047 तक विकसित भारत का लक्ष्य हासिल करने के लिए देश की इकॉनमी की रफ्तार अपेक्षाकृत सुस्त महसूस हो रही है। सन् 2047 में विकसित भारत का लक्ष्य हासिल करने के लिए जरूरी लगभग आठ प्रतिशत वृद्धि की वार्षिक दर हासिल करने की जरूरत है। इसे प्राप्त करने के लिए ज्यादा गंभीर और गहरे प्रयास करना पड़ेंगे।

अगले वित्त वर्ष में देश की वृद्धि दर 6.3 से लेकर 6.8 फीसदी रहने की संभावना है। यह विकास-दर कोरोना महामारी के बाद सबसे कम है, जबकि पिछले साल याने 2023-24 में आर्थिक वृद्धि दर 8.2 फीसदी रही थी। समीक्षा में सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में बढ़ोतरी के अनुमान विकसित राष्ट्र बनने के लिए जरूरी विकास दर से काफी कम हैं। 2047 तक विकसित राष्ट्र के दीर्घकालिक लक्ष्यों को हासिल करने के लिए भारत को अगले एक या दो दशकों तक लगातार 8 फीसदी विकास-दर पर काम करने की जरूरत है। साथ ही निवेश दर को बढ़ाकर सकल घरेलू उत्पाद की दर 35 प्रतिशत करने की जरूरत है। वर्तमान में जीडीपी की दर 31 फीसदी है।

वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण व्दारा प्रस्तुत 2024-25 के बजट में भारत की इकॉनमी के वर्तमान परिदृश्य नजर आता है, जबकि ऑक्सफेम की रिपोर्ट दो हजार साल पुराने भारत की इकॉनमी का खुलासा करती है, जिसे हम सोने की चिड़िया की नाम से जानते हैं। अंग्रेजों ने भारत पर कोई दो सौ साल तक राज किया है। अंग्रेजों ने इस दरम्यान भारत का इस कदर शोषण किया कि प्रति व्यक्ति आय के हिसाब से भारत दुनिया के सबसे गरीब देशों मे शुमार होने लगा।

रिपोर्ट में कहा गया है कि ब्रिटेन ने वर्ष 1765 से 1900 के बीच 135 सालों में भारत में 64.82 खरब डॉलर की संपदा की लूट की। इसमें से 33.8 खरब डॉलर की संपदा का बंटवारा ब्रिटेन के दस फीसदी सबसे अमीर लोगों के बीच किया गया। धनी लोगों में बंटी यह राशि कुल लूट का 52 फीसदी है। यदि इस राशि को ब्रिटिश मुद्रा के पचास पौंड के नोटों मे गिना जाए तो इन नोटो की कुल संख्या से ब्रिटेन की राजधानी लंदन को चार बार ढंका जा सकता है। ऑक्सफेम की रिपोर्ट कहती है कि आज भी ब्रिटेन के अमीर अपनी सम्पन्ना का श्रेय इसी लूट को देते हैं।

गौरतलब है कि 1750 में वैश्विक औद्योगिक उत्पादन में भारत का योगदान लगभग 25 प्रतिशत था। रिपोर्ट में कहा गया है कि 1900 तक यह आंकड़ा तेजी से घट कर मात्र 2 प्रतिशत रह गया। भारत के औद्योगिक उत्पादन में कमी की वजह ब्रिटेन की संरक्षणवादी नीतियां थी, जिसने भारत की औद्योगिक विकास की क्षमताओं को कमजोर और अपाहिज कर दिया।

भारत के पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने इन घटनाओं का जिक्र करते हुए एक बार कहा था कि-''इसमे संदेह नहीं है कि ब्रिटेन सरकार के खिलाफ हमारी शिकायतों के ठोस आधार हैं। सन् 1700 में भारत अकेला दुनिया की 22.6 फीसदी दौलत पैदा करता था जो पूरे यूरोप व्दारा पैदा की गई संयुक्त दौलत के बराबर थी। 1952 में भारत की यह हिस्सेदारी सिमट कर मात्र 3.8 फीसदी रह गई थी।'' ऑक्सफेम की रिपोर्ट का चौंकाने वाला खुलासा यह भी है कि अंग्रेजों ने सिर्फ संपदा ही नहीं लूटी, बल्कि भारतीय लोगो को बंधुआ मजदूर बनाकर गुलामों की तरह इस्तेमाल किया गया।

भारत ईस्ट इंडिया कंपनी में 2 लाख 60 हजार भारतीय सैनिक थे, जिन्हें भूमि अधिग्रहण, हिंसा, विलय और राजाओं की रियासत के खिलाफ लड़ाइयों में झोंका जाता था। भारतीय सैनिको की यह संख्या ब्रिटिश सेना के सैन्यबल से दो गुना थी। इसके अलावा ब्रिटिश सरकार ने सन 1830 से 1920 तक 37 लाख भारतीय लोगों को बंधुआ मजदूर बनाकर ब्रिटेन की खदानों और बागानों में काम करने के लिए भेजा था। मानव-तस्करी की आधिकारिक मिसाल दुनिया के इतिहास में स्याह पन्नों में दर्ज हो सकती है।

भारत में अंग्रेजों की इस लूट के आकलन पर शोध करने वाले विश्व के जाने-माने अर्थशास्त्रियों का निष्कर्ष है कि ब्रिटेन भारत को बेइंतहा आर्थिक नुकसान पहुंचाया है। 1757 से 1947 के दरम्यान अंग्रेजो ने भारत को जो आर्थिक नुकसान पहुंचाया, उसकी कुल रकम 2015 के फॉरेन एक्सचेंज के हिसाब से 30 खरब डॉलर होती है। लूट की यह मात्रा अमेरिका की वर्तमान जीडीपी से दो गुना और ब्रिटेन की जीडीपी से 17 गुना अधिक है। अंग्रेजों के कब्जे के पहले भारत दुनिया के अमीर देशों मे शुमार होता था और दुनिया में उसका डंका बजता था। ऑक्सफेम ने एक और दिलचस्प खुलासा किया है। उसके अनुसार अंग्रेजों ने 135 सालों में भारत में संपदा की जो लूटपाट की, उसकी रकम आज की 10 सबसे शीर्ष अर्थ-व्यवस्थाओं के बराबर होगी।

भले ही यह काल्पनिक हो, लेकिन यदि भारत यह राशि वापस ला सके तो देश की कई ऐसी समस्याओं का निदान हो सकता है, जिसको लेकर देश की वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण अपने बजट भाषण मे चिंतित नजर आ रही हैं। इस राशि से सभी बाहरी ऋणों से पूरी तरह निजात मिल सकती हैं। सितम्बर 2024 तक भारत के बाहरी ऋण का आंकड़ा लगभग 710 बिलियन डॉलर है। अंग्रेजों द्वारा लूटे गए 65 ट्रिलियन डालर की वापसी के बाद यह ऋण आसानी से चुकाया जा सकता है। बकाया राशि देश में उन्नत इन्फ्रा स्ट्रक्चर और शिक्षा-स्वास्थ्य जैसी समस्याओं को निदान में काम आ सकती है। इतनी राशि भारत को फिर से सोने की चिड़िया बनाने के लिए पर्याप्त है।

सुप्रभात

गूंगे का संवाद रही हूँ
फिर भी एक विवाद रही हूँ
तुमने मुझसे कहा नहीं जो
उसका ही अनुवाद रही हूँ
निश्चित परिभाषाओं का मैं
बनकर एक अपवाद रही हूँ
शब्दों के कोलाहल में भी
अनगूंजा सा नाद रही हूँ
हरदम मेरे पीछे था तू
फिर भी तेरे बाद रही हूँ
विश्वासों की ईंटें जिसमें
उस घर की बुनियाद रही हूँ
ख़ुद को तुझमें ज़ज्ब किया है
तब जाकर आबाद रही हूँ।

– सरिता जैन

भारत ने जीता महिला अंडर 19 का खिताब

लगातार दूसरी बार टीम इंडिया ने जीता यह टूर्नामेंट

- लडकियों ने साउथ अफ्रीका को 9 विकेट से हराया
- 83 रन का था टारगेट 11.2 ओवर में किया चेज

कुआलालंपुर (एजेंसी)। अंडर-19 महिला टी20 वर्ल्ड कप के फाइनल मुकाबले में टीम इंडिया ने साउथ अफ्रीका को 9 विकेट से हराकर लगातार दूसरी बार खिताब जीत लिया है। इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए साउथ अफ्रीकी टीम सिर्फ 82 रनों पर ऑलआउट हो गई। जवाब में भारतीय टीम ने आसानी से सिर्फ 1 विकेट गंवाकर टारगेट को चेज कर लिया। इस टूर्नामेंट में ये भारतीय टीम की लगातार छठी जीत है।

इससे पहले भारतीय टीम ने सेमीफाइनल में इंग्लैंड को आसानी से 9 विकेट से हराकर फाइनल का टिकट कटाया था। भारतीय टीम ने साल 2023 में भी शेफाली वर्मा की कप्तानी में इस ट्रॉफी पर कब्जा जमाया था। भारतीय गेंदबाजों ने महिला अंडर 19 टी20 वर्ल्ड कप के फाइनल में कमाल का प्रदर्शन किया। दक्षिण अफ्रीका की टीम इस मैच में 20 ओवर में सिर्फ 82 रन पर ऑलआउट हो गई। लगातार दूसरी बार चैंपियन बनने के लिए टीम इंडिया को सिर्फ 83 रन की जरूरत थी। जिसे आसाना से भारतीय टीम ने चेज कर लिया। भारत की ओर से जी त्रिसा ने सबसे ज्यादा तीन विकेट हासिल किए। वहीं वैष्णवी, आयुषी और परुनिका सिसौदिया ने 2-2 विकेट अपने नाम किए। शबनम शकील को एक विकेट मिला। साउथ अफ्रीका के खिलाफ फाइनल मुकाबले में गेंदबाजों के कमाल के बाद भारतीय बल्लेबाजों ने भी कमाल का प्रदर्शन किया। 82 रन के टारगेट का पीछा करते हुए टीम इंडिया ने सिर्फ एक विकेट गंवाया। टीम इंडिया की ओपनर जी कामिनी सिर्फ 8 रन बनाकर आउट हो गई थी। हालांकि दूसरी ओपनर और इस टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाली जी त्रिसा ने 33 गेंदों में नाबाद 44 रन की पारी खेली।

13 छक्के और 135 रन, अभिषेक ने अंग्रेजों की उधेड़ी बखिया, तूफानी सेंचुरी जड़कर बनाए 6 रिकॉर्ड

मुंबई (एजेंसी)। भारत ने इंग्लैंड को 150 रन के बड़े अंतर से पांचवां टी-20 हरा दिया। भारत ने सीरीज भी 4-1 से जीत ली। मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में इंग्लैंड ने बॉलिंग चुनी। भारत ने अभिषेक शर्मा की सेंचुरी के दम पर 9 विकेट खोकर 247 रन बना दिए। जवाब में इंग्लिश टीम 10.3 ओवर में 97 रन बनाकर ऑलआउट हो गई। अभिषेक शर्मा ने रविवार को इंडिया वर्सेस इंग्लैंड पांचवें टी20 मैच में गर्दा उड़ा दिया। उन्होंने मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में अंग्रेजों को धोया और रिकॉर्ड तोड़ तूफानी शतकीय पारी खेली। बतौर सलामी बल्लेबाज उतरे अभिषेक ने 54 गेंदों में 7 चौकों और 13 छक्कों के दम पर 135 रन बनाए। यह भारत के लिए सबसे बड़ी टी20 पारी है। उन्होंने शुभमन गिल का रिकॉर्ड ध्वस्त कर दिया, जिन्होंने 2023 में न्यूजीलैंड के विरुद्ध नाबाद 126 रनों की पारी खेली थी।

दूसरी सबसे तेज सेंचुरी जड़ने वाले भारतीय– अभिषेक ने महज 37 गेंदों में दूसरी सेंचुरी कंप्लीट कर ली थी। वह टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट दूसरी सबसे तेज सेंचुरी जड़ने वाले भारतीय प्लेयर बन गए हैं। अभिषेक सबसे छोटे फॉर्मेट में सबसे तेज शतक लगाने वाले फुल मेंबर नेशन प्लेयर्स की लिस्ट में तीसरे स्थान पर पहुंच गए हैं। वहीं, 'हिटमैन' रोहित शर्मा को एक मामले में राहत मिली तो दूसरे में टेंशन भी मिली। दरअसल, रोहित का एक रिकॉर्ड बाल-बाल बचा है। वह भारत के लिए सबसे तेज टी20 शतक जड़ने वाले खिलाड़ी हैं।

झाड़ू के तिनके बिखरे , छोड़कर जा रहे आप-दा के नेता : मोदी

पीएम बोले-दिल्ली में अबकी बार बीजेपी सरकार

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली विधानसभा चुनाव प्रचार के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रविवार को दिल्ली पहुंचे। पीएम ने आरके पुरम में करीब 1 घंटे जनता को संबोधित किया। इस दौरान मोदी ने आप-दा और कांग्रेस पार्टी की आलोचना की। पीएम ने रैली की शुरुआत देशवासियों को बसंत पंचमी की बधाई के साथ की। मोदी ने कहा- बसंत पंचमी के साथ ही मौसम बदलना शुरू हो जाता है। तीन दिन बाद 5 फरवरी को दिल्ली में विकास का नया बसंत आने वाला है। दिल्ली में वोटिंग से पहले ही झाड़ू के तिनके बिखर रहे हैं। आपदा के लीडर्स उसे छोड़कर जा रहे हैं। आपदा पार्टी ने यहां के 11 साल बर्बाद कर दिए हैं। सरकार वो अच्छी है जो बहाने बनाने के बजाय दिल्ली को सजाने-संवारने में ऊर्जा लगाए। इस बार दिल्ली में भाजपा सरकार बनने जा रही है। इस बार पूरी दिल्ली कह रही है- अबकी बार मोदी सरकार। साथियों दिल्ली की आपदा पार्टी ने यहां के 11 साल बर्बाद कर दिए हैं। मेरी दिल्ली के हर परिवार से प्रार्थना है कि राज्य में हमें आप सबकी दिल्ली वासियों की सेवा का अवसर जरूर दें। मैं गारंटी देता हूं कि आपकी हर मुसीबत, हर परेशानी को दूर करने के लिए खप जाऊंगा। गरीब हो या मिडिल क्लास, हर परिवार का जीवन खुशहाल हो ऐसी डबल इंजन सरकार दिल्ली को मिलेगी। हमें ऐसी सरकार बनानी है जो लड़ाई-झगड़े के बजाय दिल्ली के लोगों की सेवा करे। बहाने बनाने के बजाय दिल्ली को सजाने-संवारने में ऊर्जा लगाए। आपने आने वाले 5 साल के लिए केंद्र में भाजपा की पक्की सरकार बना ली है। अब गलती से भी यहां आपदा सरकार नहीं आनी चाहिए। इस साल के बजट के बारे में आपने कल सुना होगा, आज के अखबार तो भरे पड़े हैं।

अमृतपाल सिंह पर दर्ज सभी एफआईआर हाईकोर्ट ने मांगी

- 17 फरवरी तक रिपोर्ट देने का निर्देश, डिब्रूगढ़ जेल में बंद है खडूर साहिब सांसद

अमृतसर (एजेंसी)। पंजाब-हरियाणा हाईकोर्ट ने खडूर साहिब से सांसद अमृतपाल सिंह और उनके साथियों के खिलाफ दर्ज सभी एफआईआर की पूरी जानकारी मांगी है। अमृतपाल सिंह और उनके साथी राष्ट्रीय सुरक्षा कानून (एनएसए) के तहत डिब्रूगढ़ जेल में बंद हैं। हाईकोर्ट ने अमृतसर और मोगा के जिलाधिकारियों (डीएम) को इस संबंध में 17 फरवरी तक पूरी जानकारी कोर्ट में पेश करने का निर्देश दिया है। यह मामला अमृतपाल सिंह और उनके साथियों की गिरफ्तारी और उनके खिलाफ दर्ज मामलों की पारदर्शिता से जुड़ा है। हाईकोर्ट के इस आदेश के बाद प्रशासन को अब तक की सभी एफआईआर और अन्य संबंधित दस्तावेज कोर्ट में पेश करने होंगे। अमृतपाल सिंह को अप्रैल 2023 में पुलिस ने गिरफ्तार किया था। उसके बाद से ही उसे और उसके कुछ सहयोगियों को असम के डिब्रूगढ़ जेल में राष्ट्रीय सुरक्षा कानून (एनएसए) के तहत रखा गया है।

नशामुक्ति की दिशा में मोहन सरकार ने बढ़ाया प्रभावी कदम प्रमुख तीर्थ नगरों से होगी शुरूआत

तीर्थ केवल धार्मिक क्षेत्र ही नहीं होते, उन्हें समाज निर्माण का केन्द्र माना गया हैः सीएम डॉ.यादव

भोपाल (नप्र)। लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर की 300वीं जयंती पर मध्यप्रदेश की मोहन सरकार ने खरगोन जिले में अहिल्याबाई की नगरी महेश्वर में कैबिनेट कर ऐसा ऐतिहासिक निर्णय लिया, जिसे पूरे प्रदेश में सराहा गया। निर्णय था, प्रदेश के 19 धार्मिक नगरों एवं ग्रामपंचायतों में शराबबंदी का। इसी दिन मोहन सरकार ने यह भी निर्णय लिया कि पुण्य सलिला माँ नर्मदा के तट के दोनों किनारे 5 किलोमीटर की परिधि में शराबबंदी पूर्ववत लागू रहेगी। यह दिन इस लिये भी मध्यप्रदेश के इतिहास में स्मरणीय बनेगा, क्योंकि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट ने महिलाओं के समग्र सामाजिक-आर्थिक विकास के उद्देश्य से देवी अहिल्या नारी सशक्तिकरण मिशन को भी स्वीकृत कर लागू किये जाने का निर्णय लिया गया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा नशामुक्ति की दिशा में उठाया गया। यह कदम जन-आस्था और धार्मिक दृष्टि से श्रृद्धा के 19 नगरीय क्षेत्र एवं ग्राम पंचायतों में प्रभावशाली होगा। मंत्रि-परिषद ने जिन धार्मिक स्थान पर शराब बंदी का निर्णय लिया उसमें एक नगर निगम, 6 नगर पालिका, 6 नगर परिषद और 6 ग्राम पंचायतें हैं। जिन प्रमुख पवित्र नगरों में शराबबंदी लागू की जा रही है उनमें बाबा महाकाल की नगरी उज्जैन, प्रदेश की जीवन रेखा मानी जाने वाली नर्मदा नदी का उद्गम अमरकंटक, महेश्वर, ओरछा रामराजा मंदिर क्षेत्र, ओंकारेश्वर, मंडला में सतधारा क्षेत्र, मुलताई में ताप्ती उद्गम क्षेत्र, पीतांबरा देवीपीठ दतिया, जबलपुर भेड़ाघाट क्षेत्र, चित्रकूट, मैहर, सलकनपुर, सांची, मंडलेश्वर, वान्द्रावान, खजुराहो, नलखेड़ा, पशुपतिनाथ मंदिर क्षेत्र मंदसौर, बरमान घाट और पन्ना शामिल हैं। नये वित्तीय वर्ष से इन सभी क्षेत्र में शराब की दुकानें नहीं रहेगी।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने भारत को विश्व का सर्वश्रेष्ठ राष्ट बनाने के लिये विकास के साथ विरासत का मंत्र दिया है। हमारी सरकार 13 दिसम्बर 2023 को कार्यभार संभालने के पहले दिन से ही इस सूत्र पर काम कर रही है। विरासत की रक्षा के लिये जितना महत्वपूर्ण भवनों, ऐतिहासिक स्थलों और साँस्कृतिक प्रसंगों को सहेजना होता है उतना ही महत्वपूर्ण समाज जीवन की विशिष्टताओं को सहेजना है जिससे आने वाली पीढ़ियाँ संस्कारवान बन सकें। मुख्यमंत्री ने कहा कि तीर्थ केवल धार्मिक क्षेत्र ही नहीं होते, उन्हें समाज निर्माण का केन्द्र माना गया है। वहाँ का वातावरण सात्विक होना चाहिए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि आगामी उज्जैन सिहंस्थ के दृष्टिगत हम इस दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। सरकार विकास कार्यों के साथ विरासत सहेजने की दिशा में काम कर रही है। इस निर्णय से पहले कृष्ण पाथेय निर्माण करने, राम पथ गमन के विकास का काम तेज करने, वर्ष 2028 के सिंहस्थ की तैयारी आरंभ करने, खुले में माँस बिक्री प्रतिबंधित करने और ध्वनि विस्तारकों को सीमित करने जैसे निर्णय लिये गये हैं। इसके साथ पाठ्यक्रम में महापुरुषों का जीवन चरित्र जोड़ने की पहल की गई है, जिससे, नई पीढ़ी को संकल्पशीलता की प्रेरणा मिले। मध्यप्रदेश सरकार का यह निर्णय भारतीय सांस्कृतिक विरासत की उस जीवन शैली की ओर है जिसमें शाकाहार, सात्विकता और नशामुक्त जीवन शैली को आदर्श माना गया है। मांस-मदिरा मुक्त जीवन शैली को देवों और मनुष्यता का प्रतीक माना जाता है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश सरकार आस्था केन्द्रों के माध्यम से ऐसा वातावरण बनाना चाहती है, जिससे समाज में सकारात्मक ऊर्जा का संचार हो। प्रत्येक स्थान की अपनी मौलिक ऊर्जा होती है। प्रत्येक स्थान अथवा क्षेत्र की अपनी विशिष्ट ऊर्जा होती है। इसे हम धरती के विभिन्न भागों के निवासियों की जीवन शैली और मानसिकता से समझ सकते हैं। भारतीय मनीषियों ने ऐसे स्थानों में तीर्थ क्षेत्रों का चयन किया जो सकारात्मक ऊर्जा का केन्द्र हैं, जिससे व्यक्ति वहाँ जाकर क्षोभ से मुक्त होकर उत्साह के साथ लौटे जिससे उसके कर्म कर्तव्य भी आदर्श हों।

भोपाल का तापमान

अधिकतम 18 °c | न्यूनतम 13°c

सुबह सवेरे

इंदौर ■ सोमवार,03 फरवरी 2025

जो अग्नि हमें गर्मी देती है , हमें नष्ट भी कर सकती है ; यह अग्नि का दोष नहीं है।

चाणक्य नीति

कांग्रेस शासित तेलंगाना में बगावत की चिंगारी

- 10 विधायकों ने की गुप्त मीटिंग, ऐक्शन में सीएम रेड्डी

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस शासित एक और राज्य में असंतोष और बगावत की खबर सामने आ रही है। तेलंगाना की राजनीति से ऐसी खबर है कि यहां पर पार्टी के 10 विधायकों ने अलग से बंद कमरे में बैठक की है। इसके बाद मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी सक्रिय हुए हैं और उन्होंने विधायकों के बीच बढ़ते असंतोष को खत्म करने के लिए कदम उठाए हैं। तेलंगाना में 2023 में हुए विधानसभा चुनाव में कांग्रेस ने सरकार

बनाई थी और के. चंद्रशेखर राव की सरकार को सत्ता से बाहर का रास्ता दिखा दिया था। बताया जा रहा है बगावत करने वाले अधिकांश नेता पिछले साल भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) बीआरएस से कांग्रेस में शामिल हुए हैं। बीआरएस से आए नेता कांग्रेस के नेताओं के साथ तालमेल नहीं बिठा पा रहे हैं जिससे कांग्रेस के स्थानीय नेताओं में नाराजगी दिखाई दे रही है। खबरों के मुताबिक, कांग्रेस के 10 विधायकों ने विधायक अनिरुद्ध रेड्डी से डिनर मीटिंग में मुलाकात की है। हालांकि पार्टी नेताओं का कहना है कि यह सिर्फ एक डिनर मीटिंग थी और विपक्षी दल इसे बेवजह तूल देने की कोशिश कर रहे हैं।

इजरायली आर्मी और असद समर्थकों के बीच गोलीबारी

- गोलान हाइट्स में बढ़ा तनाव, बढ़ सकता है संघर्ष

तेल अवीव (एजेंसी)। इजरायली आर्मी ने शुक्रवार को गोलान हाइट्स में एक सशस्त्र समूह पर गोलीबारी की है। इस घटना में कोई हताहत नहीं हुआ है। इजरायली मीडिया ने बताया कि आईडीएफ के जवान इलाके में कार्रवाई कर रहे हैं। वहीं सीरियाई मीडिया का दावा है कि सशस्त्र समूहों ने तुरनेजेह गांव के पास सीरिया के जवानों पर गोलीबारी की है। एक्सिस ऑफ रेजिस्टेंस से जुड़े मीडिया की शुरुआती रिपोर्ट में बताया गया

है कि इस्लामिक रेजिस्टेंस फ्रंट इन सीरिया ने हमले की जिम्मेदारी ली है। यह घटना सीरिया और इजरायल के बीच तनाव को बढ़ा सकती है। यरुशलम पोस्ट की रिपोर्ट के मुताबिक, आईडीएफ ने कहा कि वह इलाके में खतरों को खत्म करने और इजराइली नागरिकों की सुरक्षा के लिए तैनात है। इजरायली आर्मी के साथ गोलीबारी की घटना आईआरएफ गुट के साथ हुई है। आईआरएफ एक नया संगठन है। इसे सीरियन सोशल नेशनलिस्ट पार्टी ने बनाया है। यह दिसंबर की शुरुआत में असद शासन के पतन के बाद बनाया गया था। एसएसएन ने सीरिया की नई सरकार की इजरायल के खिलाफ निष्क्रियता के जवाब में आईआरएफ के गठन की घोषणा की है।

हम हजारों साल के इतिहास से जुड़े,बोले पीएम मोदी

भारत और इंडोनेशिया का रिश्ता राम और बुद्ध का

वर्चुअली जकार्ता के महाकुंभभिषेकम में हुए शामिल

जकार्ता (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज यानी रविवार को वर्चुअली इंडोनेशिया की राजधानी जकार्ता में सनातन धर्म आलयम के महाकुंभभिषेकम कार्यक्रम में शामिल हुए। इस कार्यक्रम में इंडोनेशिया के राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो और प्रधानमंत्री जोको विडोडो भी मौजूद थे। पीएम मोदी ने इस दौरान कहा कि यह मेरा सौभाग्य है कि मैं जकार्ता के मुरुगन मंदिर के महाकुंभभिषेकम जैसे कार्यक्रम का हिस्सा बन रहा हूं। राष्ट्रपति प्रबोवो की मौजूदगी ने इसे और खास बना दिया है। मैं फिजिकली भले ही जकार्ता से सैकड़ों किमी दूर हूं, पर मेरा मन इस आयोजन के उतने ही करीब है जितना भारत इंडोनेशिया के आपसी रिश्ते। पीएम ने आगे कहा-भारत और इंडोनेशिया के रिश्ते सिर्फ जियोपोलिटिकल नहीं है। हम हजारों साल पुराने संस्कृति और इतिहास से जुड़े हैं।

हमारे रिश्ते विरासत, ज्ञान, विश्वास और साझी आस्था, अध्यात्म का है। हमारा संबंध भगवान मुरुगन, भगवान राम और भगवान

बुद्ध का है। भारत से इंडोनेशिया जाने वाला कोई इंसान जब प्रम्बानन मंदिर में हाथ जोड़ता है तो उसे काशी और केदार मंदिर जैसी ही आध्यात्मिक अनुभूति होती है। जब भारत के लोग इंडोनेशिया की काकावीन रामायण के बारे में सुनते हैं तो उनमें वाल्मीकि और कम्ब रामायण जैसी भावना जागती है। भारतीय पीएम ने कहा कि भारत में इंडोनेशिया की रामलीला का मंचन होता है।

किसी भी योजना के मूल ढांचे में बदलाव नहीं : मुख्यमंत्री

विद्यार्थियों को लैपटॉप की राशि और स्कूटी देंगे

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि मध्यप्रदेश सरकार ने सभी वर्गों के लिए निरंतर योजनाएं बनाने का काम किया है। सरकार की किसी भी योजना के मूल ढांचे में बदलाव नहीं होने दिया गया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि विशेष रूप से विद्यार्थियों को राज्य सरकार द्वारा जल्द ही लैपटॉप की राशि देने का कार्य किया जाएगा। साथ ही उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों से स्कूल स्तर पर जो विद्यार्थी प्रावीण्य सूची में सूची में शामिल हुए हैं उनको स्कूटी भी प्रदान की जा रही है। उन्होंने कहा कि जो हमारी मूल योजना है उसके अनुसार हम अपने बच्चों को यह सौगात देंगे। जनकल्याणकारी योजनाओं के स्वरूप में किसी तरह का परिवर्तन नहीं किया गया है।

घाटी में रहस्यमयी मौतें, अब तक 17 लोगों की हुई मौत

दिल्ली एम्स की टीम राजौरी पहुंची,11 मरीजों से की बात

जम्मू (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के राजौरी में रहस्यमयी मौतों की जांच के लिए एम्स और पीजीआई चंडीगढ़ की टीमें शनिवार को जीएमसी राजौरी पहुंचीं। टीमों ने 11 मरीजों से बात कर उनकी क्लीनिकल हिस्ट्री निकाली। टीम ने मरीजों के परिजन और गांव वालों से भी बात की। दिल्ली एम्स के 5 डॉक्टर्स की टीम आज भी बधाल गांव का दौरा करेगी। टीम जिन 3 परिवारों में मौतें हुई हैं, उनके सील किए घरों और आसपास के इलाकों से सैंपल लेंगी। दिल्ली एम्स की टीम में टॉक्सिकोलॉजी (जहर विज्ञान) एक्सपर्ट भी शामिल हैं। एम्स के डायरेक्टर डॉ. एम श्रीनिवास की अध्यक्षता वाली टीम में क्लिनिकल टॉक्सिकोलॉजी के प्रोफेसर डॉ. ए शरीफ, एनेस्थीसिया और क्रिटिकल केयर के एडिशनल प्रोफेसर डॉ. शैलेंद्र कुमार, इमरजेंसी मेडिसिन के प्रोफेसर डॉ. जमाहद नायर, पीडियाट्रिक्स के एडिशनल प्रोफेसर डॉ. जगदीश प्रसाद मीना, क्लिनिकल

टॉक्सिकोलॉजी के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. जावेद कादरी शामिल हैं। राजौरी में अब तक 17 लोगों की मौत हो चुकी है। बधाल गांव में 19 जनवरी को मोहम्मद असलम के छठे और आखिरी बच्चे की जम्मू मेडिकल कॉलेज में मौत हो गई थी। इसके बाद गांव में हेल्थ इमरजेंसी घोषित कर दी गई थी। अधिकारियों ने बताया कि पिछले 9 दिनों में बधाल गांव से कोई नया मामला सामने नहीं आया है। 87 परिवारों के 364 लोगों को गांव से राजौरी के तीन अलग-अलग सेंटर्स - गवर्नमेंट नर्सिंग कॉलेज, गवर्नमेंट बॉयज हायर सेकेंडरी स्कूल और गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज में शिफ्ट किया है। बधाल में बचे हुए 808 घरों के 3700 लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए गांव को 14 ग्रुप्स में बांटा गया है। इनकी निगरानी 182 अधिकारियों की बहु-विभागीय टीम कर रही है। गांव की सभी दुकानों को सील कर दिया है और कड़ी निगरानी में राशन दिया जा रहा है। सभी सरकारी और निजी कार्यक्रमों पर रोक लगा दी गई है।

हिंदुत्व राजनीतिक हथियार, यह हिंदुइज्म को सीमित करता है

शशि थरूर बोले-कुंभ जैसी जगह पर वीआईपी को नहीं जाना चाहिए

जयपुर (एजेंसी)। जयपुर लिटरेचर फेस्टीवल के चौथे दिन सांसद-लेखक शशि थरूर ने कहा- हिंदुत्व और हिंदुइज्म दो अलग-अलग चीजें हैं। मैंने हिन्दू धर्म की जितनी किताबें पढ़ी हैं, उनसे हिंदुत्व से कोई मेल नहीं है। यह सिर्फ एक राजनीतिक हथियार है। हिंदुत्व, हिंदुइज्म को सीमित करता है। यह हिंदुइज्म को एक ईश्वर, एक मंदिर, एक नेता से लेकर एक देश, एक चुनाव तक में सीमित करता है। जब इंडिया अलायंस बना था, तब भी यह साफ था कि यह राज्यों में काम नहीं करेगा। दिल्ली में हम लोकसभा चुनाव के दौरान जरूर साथ थे, अब नहीं हैं। यह राज्यों के पॉलिटिकल कैरेक्टर पर निर्भर करेगा। इसलिए न इंडिया अलायंस का मर्सिया (शोक गीत) पढ़ा जाना चाहिए, न इस बात का जश्न मनाया जाना चाहिए कि अब इंडिया अलायंस के दल अलग-अलग चुनाव लड़ रहे हैं। जयपुर लिटरेचर फेस्टीवल के चौथे दिन पुरुषार्थ द फोर वे पार्ट सत्र के दौरान लेखक-सांसद शशि थरूर और लेखक फ्रांसेस्क मिरालस ने पलल्वी अय्यर के साथ हिंदू धर्म, भक्ति और

आधुनिक समय में प्राचीन ज्ञान की प्रासंगिकता पर चर्चा की। थरूर ने स्वामी विवेकानंद का हवाला देते हुए कहा- जिसे कोई शिव कहता है, कोई अल्लाह कहता है, कोई ईसा कहता है। सब एक ही हैं। हिंदू धर्म में किसी एक मार्ग को सर्वोत्तम बताने की कोई जगह नहीं है।

इसे शंकराचार्य ने भी बताया है। गीता में भी कर्म को प्रधान बताया है। कर्म करो फल कि इच्छा न करो। महात्मा गांधी भी इसे ही मानते थे और मैं भी। और एक अवधारणा सावरकर की भी थी। हिंदू धर्म सभी को अपनाने वाला होता है, लेकिन देश में इन दिनों एक मसला रोहिंग्या का भी चल रहा है। इससे पहले बॉलीवुड एक्टर अमोल पालेकर ने फिल्म निर्देशक बीआर चोपड़ा से जुड़ा एक दिलचस्प किस्सा शेयर किया था। बकाया पैसे मांगने पर चोपड़ा ने अमोल को इंडस्ट्री से बाहर फेंक देने की धमकी दी थी। अमोल ने जवाब में कहा था- फिल्म इंडस्ट्री आपका बंगला नहीं, मैं यहां अपने दम पर टिका हूं। मामला फिर भी ठंडा नहीं हुआ था। बात आगे बढ़ती गई थी। अमोल ने भी हार नहीं मानी और मामला कोर्ट तक ले गए। उन्हें जीत मिली। ब्याज के साथ पैसे वापस हुए तो उन्होंने पूरी राशि दान कर दी थी।

बजट से बदलेगी बिहार के बौद्ध स्थलों की तस्वीर !

केसरिया स्तूप को मिलेगा नया जीवन,विकास की उम्मीद

गया (एजेंसी)। केंद्रीय बजट में नए वित्तीय वर्ष के लिए महात्मा बुद्ध के जीवन से जुड़े सभी स्थलों को विकसित करने की घोषणा के बाद बिहार के इन स्थलों के विकास की उम्मीद जगी है, जो महात्मा बुद्ध से जुड़े हुए हैं। बिहार के बोधगया, गया, केसरिया, नालंदा, वैशाली, राजगीर जैसे कई स्थल हैं जिन्हें अब पर्यटन के क्षेत्र में पंख लगने की उम्मीद है। दरअसल, भगवान बुद्ध से जुड़े स्थलों को जोड़कर बुद्ध सर्किट कहा जा रहा है। बिहार में महात्मा बुद्ध से जुड़े स्थानों में सबसे महत्वपूर्ण बोधगया माना जाता है। मान्यता है कि यहां बोधि वृक्ष के नीचे महात्मा बुद्ध को ज्ञान प्राप्त हुआ था। यह बोधि वृक्ष आज भी यहां मौजूद है। यहां महाबोधि मंदिर है, जहां प्रतिवर्ष लाखों देश-विदेश के धर्मावलंबी पहुंचते हैं और प्रार्थना करते हैं। इधर, केसरिया के लोगों को भी केसरिया स्तूप के विकास की उम्मीद बढ़ गई है। विश्व के सबसे ऊंचे केसरिया बौद्ध स्तूप के विकास की उम्मीद बढ़ गई है। महात्मा बुद्ध सेवा संस्थान के पूर्व अध्यक्ष ने कहा है कि हम लोग स्तूप के विकास को लेकर काफी समय से संघर्षरत हैं।

किसानों ने दिल्ली-पटियाला हाईवे पर टोल फ्री कराया

- दरी बिछाकर बैठे; बोले-रोड टूटा,कर्मचारी किसान नेताओं से बदतमीजी करते हैं

जींद (एजेंसी)। हरियाणा के जींद में दिल्ली-पटियाला नेशनल हाईवे पर स्थित खटकड़ टोल प्लाजा को किसानों ने फ्री करवा दिया है। इसे शाम 4 बजे तक फ्री रखा जाना था, लेकिन 4 बजने के बाद भी किसान टोल पर दरियां बिछाकर बैठे हुए हैं। साथ ही उनकी प्रशासन

के साथ मीटिंग शुरू हो गई है। किसानों का आरोप है कि टोल के कर्मचारी किसान संगठनों के नेताओं के साथ दुर्व्यवहार करते हैं। किसान नेता सिक्किम सफाखेड़ी ने कहा कि हाल ही में दिल्ली में मीटिंग में जाते वक्त किसान संगठन झंडा सिंह के नेताओं से टोल कर्मियों ने बदतमीजी की थी। उन्होंने कहा कि टोल प्लाजा के प्रबंधक सुविधाएं भी नहीं दे रहे हैं। हाईवे कई जगह से टूटा हुआ है। जबकि, छोटी गाड़ियों से सिंगल साइड का 120 रुपए और हैवी व्हीकल से 600 रुपए से ज्यादा टोल वसूलते हैं। किसान बलबीर ने बताया कि किसान टोल प्लाजा के प्रबंधकों की तानाशाही के खिलाफ हैं।

गुजरात में श्रद्धालुओं को ले जा रही बस खाई में गिरी

अहमदाबाद (एजेंसी)। गुजरात के डांग जिले में रविवार सुबह एक बड़ा हादसा हुआ, जब मध्य प्रदेश के तीर्थयात्रियों को ले

- 7 लोगों की दर्दनाक मौत, सभी यात्री एमपी के रहने वाले

जा रही एक बस गहरी खाई में गिर गई। इस दुर्घटना में सात लोगों की मौत हो गई और 35 अन्य घायल हो गए। पुलिस के अनुसार, घायलों में 17 लोगों की हालत गंभीर है। बस में सवार श्रद्धालु विभिन्न धार्मिक स्थलों की यात्रा पर निकले थे। यह हादसा तब हुआ जब सापुतारा हिल स्टेशन के पास चालक ने बस से नियंत्रण खो दिया और बस 200 फुट गहरी खाई में गिर गई। पुलिस अधीक्षक एसजी पाटिल के मुताबिक, यह हादसा तड़के करीब 4.15 बजे सापुतारा हिल स्टेशन के पास हुआ। हादसे में दो महिलाओं और तीन पुरुषों की मौके पर ही मौत हो गई, जिनमें बस चालक भी शामिल था। घायलों को तुरंत अहवा के सिविल अस्पताल और अन्य नजदीकी स्वास्थ्य केंद्रों में भर्ती कराया गया। प्राथमिक जांच में यह आशंका जताई जा रही है कि बस के ब्रेक फेल हो गए थे, जिससे चालक वाहन को संभाल नहीं सका। स्थानीय प्रशासन और पुलिस ने तेजी से बचाव कार्य शुरू किया और घायलों को अस्पताल पहुंचाया।

बन के काफिला मुहब्बत का, जश्ने-सत्तन मना रहे हैं हम

कवि गुरु सत्यनारायण सत्तन का अभिनंदन

जावेद आलम

इंदौर। नामचीन प्रतिभा, विद्वत्ता व रचनाशीलता का यथोचित् सम्मान कैसे किया जाता है, 'जश्ने सत्तन' के माध्यम से इंदौर के सुधी बाशिंदों ने दिखा दिया। बहुमुखी प्रतिभा के धनी वरिष्ठ रचनाकार, सत्यनारायण सत्तन के अभिनंदन समारोह के लिए आयोजित मुशायरा, कवि सम्मेलन भव्य रहा। देश के मशहूर शायरों ने जी भर के कलाम सुनाया और श्रोताओं की बे-पनाह दाद से झोलियां भर लीं।

इंदौरियों द्वारा किए गए इस नागरिक अभिनंदन से अभिभूत 85 वर्षीय सत्तन गुरु देर रात तक श्रोताओं के समक्ष अपनी रचनाएं प्रस्तुत करते रहे। कहा जा सकता है कि संस्था 'क़ाफ़िला मुहब्बत का' द्वारा आयोजित 'जश्ने-सत्तन' श्रोताओं की तादाद, कलाम, दाद व व्यवस्था हर लिहाज़ से कामयाब रहा।

मुशायरों की परंपरानुसार सीनियर शायरों ने बाद में पढ़ा। मुशायरे की सदारत कर रहे सत्यनाराण सत्तन उर्फ़ गुरु से पहले अंतिम कड़ी में पढ़ने आए शकील आज़मी (मुंबई) सुनाने पर आते हैं तो सतत् अशआर सुनाए जाते हैं। यहां ताज़ा और मुश्किल ग़ज़ल 'छुपा के फूलों की पत्तियों में कफ़न में कांटे रखे हुए हैं / मिला न मर कर भी चैन हम को, बदन में कांटे रखे हुए हैं', सुनाने का रिस्क उठाने से पहले उन्होंने शेर पढ़ा:

हम हैं इंदौर, पूरी दुनिया पे छा रहे हैं हम
बन के क़ाफ़िला मुहब्बत का, जश्ने-सत्तन मना रहे हैं हम

लगता था कि जूनियर रचनाकारों की क़तार में पढ़ चुके जयपुर के युवा शायर इब्राहीम अली ज़ीशान मुशायरा लूट चुके हैं, लेकिन शकील आज़मी ने अपनी रचनात्मकता के आत्मविश्वास, अनुभव और पढ़ने के अंदाज़ से श्रोताओं के अंतर्मन को छू लिया और दाद-पे-दाद बटोरते गए:

मैं थोड़ा-थोड़ा हरेक रास्ते पर बैठा हूं
ख़बर नहीं मुझे तू कहां से आएगा

उधर शुरुआत में स्थानीय शायरों के बाद जयपुर के युवा शायर इब्राहीम अली ज़ीशान ने कमाल कर दिया। उन्होंने पढ़ा:

मुरझा रहा है दिल में तेरी याद का दरख्त
क्या धूप पड़ रही है तेरे इंतज़ार की

फ़रमाइश पर उन्होंने अपनी लोकप्रिय नज़्म 'अब मेरे पास बीस दिन हैं बस...' भी पेश की।

अमरावती के अबरार काशिफ़ ने उर्दू पर अपनी नज़्म से आग़ाज़ किया। इंदौर को 'शहरे-राहत, शहरे-सत्तन' बताते तथा इसे 'इल्मो-अदब (ज्ञान व साहित्य) का गुलशन' क़रार देते हुए उन्होंने सुनाया:

इस शहर की हवा में साहित्य का नशा है
आज की मेहफ़िल इस बात की गवाह है

अध्यक्षता कर रहे सत्यनारायण सत्तन जब आख़िरी में अपना कलाम सुनाने आए तो लोगों ने उनके अभिनंदन के बाद एक बार फिर खड़े हो कर तालियों की गूंज से उनका अभिवादन किया। गुरु तो गुरु हैं, अपनी चिरपरीचित वाक् पटुता से उन्होंने श्रोताओं को नियंत्रण में लेते हुए चुटीली उक्तियां, व्यंग्य व कटाक्ष के माध्यम से एकेश्वरवाद, संसार की नश्वरता सहित हिंदू-मुस्लिम एकता व आपसी सद्भाव के संदेश दिए: 'मैं श्रीराम का भजन करूं, तू रख अल्लाह का ध्यान बंधु'।

महशर आफ़रीदी (मुंबई) ने आग़ाज़ इस शेर से किया:

जिनकी अपनी लंगोटियां तक फटी हुई हैं
हमारी पगड़ी उछालने में लगे हुए हैं

शकील जमाली के अच्छे शे'र ख़ामोशी से सुने गए:

कोई बहाना कोई कहानी नहीं चलेगी
मुहब्बतों में ग़लत-बयानी नहीं चलेगी।

मणिका दुबे (जबलपुर) ने अपनी पहचान 'शहर के शोर में वीरानियां हैं...' भी सुनाई। यह शे'र ख़ासा पसंद किया गया:

हमारे शहर में गिरने लगा है ज़ोर का पानी
वहां बारिश हुई होगी तो क्या वह भीगता होगा।

ये अशआर भी पसंद किए गए:

डॉ. नदीम शाद
वह जिस को ख़ून कहते हैं, वही निकला है रह-रह कर
तुम्हारे बाद आँखों से कोई आँसू नहीं निकला

नईम फ़राज़
अल्लाह जाने फूलों से क्या बैर था उसे
कांटों पर निशां लबों के जो छोड़ कर गया।

मुशायरे के युवा कन्वीनर अम्मार अंसारी व 'क़ाफ़िला मुहब्बत का' टीम की मेहनत व लगन का हर रचनाकार ने ज़िक्र किया। शकील जमाली, मुश्ताक़ अहमद मुश्ताक़, स्वयं श्रीवास्तव, अहमद रईस निज़ामी, हिमांशी बाबरा के अलावा इंदौर से अहमद निसार, इमरान यूसुफ़ज़ई व तजदीद साक़ी ने कलाम पेश किया। उम्दा संचालन नदीम फ़र्रुख़ ने किया।

सम्मान समारोह व विमोचन

राष्ट्रकवि की उपाधि से विभूषित शहर के वरिष्ठ कवि सत्यनारायण सत्तन का एक गरिमामय समारोह में अभिनंदन किया गया। शहर की सांस्कृतिक संस्था 'क़ाफ़िला मुहब्बत का' ने यह गर्मजोशी भरा कार्यक्रम आयोजित किया था।

इस मौक़े पर सत्तन गुरु ने अपने चिर-परिचित अंदाज़ में इंदौर नगरी को ज़िंदा दिलों का शहर ठहराते हुए कहा कि 'क़ाफ़िला मुहब्बत का' ने आज मुझे टोपी पहना दी। राजनीति की तरह साहित्य के मंच से झूठ नहीं बोल सकते और आप समझ लीजिए कि इंदौर दुश्मनों को भी अपना बनाने वाला शहर है।

कार्यक्रम में गोपीकृष्ण नेमा की किताब स्मृति विस्मृति व सत्तनजी की किताब मन मालव का विमोचन किया गया। 7 फ़रवरी को सत्तन जी का जन्मदिन है। कार्यक्रम के संयोजक अम्मार अंसारी ने रूपरेखा प्रस्तुत की। कार्यक्रम में शायर गौहर देवासी और अहमद निसार का इस्तक़बाल किया गया। परवेज़ इक़बाल ने हिंदी उर्दू के रिश्तों पर रौशनी डाली। शहर क़ाज़ी डॉ. इशरत अली, सलीम अंसारी, केके मिश्रा, महेंद्र जोशी, जीतू सोनी आदि मौजूद थे। संचालन परवेज़ इक़बाल व ज़ाहिद ख़ान ने किया।

पार्किंग विवाद में युवती को पीटा

आरोपी वकील ने भी दर्ज कराई युवती और फ्लैट मालिक के खिलाफ क्रॉस एफआईआर

इंदौर (नप्र)। इंदौर के आजाद नगर में रहने वाली निजी कंपनी की कर्मचारी युवती ने मारपीट और अभद्रता को लेकर बिल्डिंग में रहने वाले वकील के खिलाफ केस दर्ज कराया है। वहीं वकील की शिकायत पर युवती के फ्लैट मालिक के खिलाफ मारपीट और धमकी को लेकर केस दर्ज किया गया है। आजाद नगर पुलिस ने 30 साल की युवती की शिकायत पर चाणक्य दीक्षित के खिलाफ मारपीट सहित अन्य धाराओं में कार्रवाई की है। पीड़िता ने बताया कि वह निजी कंपनी में जॉब करती है। निजी रेसीडेंसी में अपने ऑनर को लेकर कार पार्क करने गई थी। यहां फ्लैट मालिक ने निर्धारित पार्किंग से चाणक्य को कार हटाने के लिए कहा। चाणक्य नाराज हो गया। उसने पहले ऑनर को अपशब्द कहे फिर युवती के पास आकर धक्का-मुक्की करते हुए मारपीट की। युवती की बहन बीचबचाव करने पहुंची। तो उनसे भी विवाद किया। वहीं चाणक्य ने बताया कि वह पेशे से वकील है। वह कार पार्क कर रहे थे। तभी मिस्टर राय और अन्य युवती वहां पहुंचे। उन्होंने चाणक्य की कार का शीशा ठोका। उन्होंने जब कांच उतारा तो मिस्टर राय ने कहा कि यहां पर कार क्यों खड़ी की है। जब कार हटाने लगे तो राय ने अपशब्द कहे। इसके बाद उन्होंने मुक्कों से मारपीट की। राय के साथ महिला मित्र ने भी अपशब्द कहे। उन्हें कहा कि आप लोगो ने शराब पी है। जिस पर वह धमकाने लगे। इस दौरान दोनों की हरकत का वीडियो बना लिया। पुलिस ने दोनों मामले में जांच शुरू की है।

अवंतिका एक्सप्रेस से मुंबई जा रहे परिवार का बैग चोरी

- 3 लेपटॉप, 2 आईफोन, कैश, आभूषण और सोने की प्रतिमा थी, आगर से पकड़ाया आरोपी

इंदौर (नप्र)। इंदौर से मुंबई जा रहे आईटी इंजीनियर के साथ उज्जैन के यहां चोरी की वारदात हो गई। चोर उनका बैग ले गया। जिसमें सोने के आभूषण, कैश और सोने की भगवान की प्रतिमा व मोबाइल थे। रतलाम में इंजीनियर ने ट्रेन से उतरकर पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने फुटेज और मोबाइल लोकेशन के आधार पर आगर से आरोपी को पकड़ा है। रेलवे पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक तनय सेठी निवासी मुंबई पेशे से इंजीनियर है। अपने परिवार के साथ इंदौर एक शादी समारोह में शामिल होने आए थे। यहां से शनिवार को वह अवंतिका ट्रेन से मुंबई के लिए निकले। उज्जैन में बच्चो को नाश्ता कराते समय उनका एक बैग चोरी हो गया। इस बैग में 3 लेपटॉप, 2 आईफोन, नकदी 2 लाख, सोने की गणेश प्रतिमा, 6 तोला ज्वेलरी रखी हुई थी। ट्रेन चलने के बाद तनय को बैग गायब होने का पता चला। इस पर उन्होंने रतलाम में उतर गए और रेलवे पुलिस को मामले में जानकारी दी। पुलिस ने आईफोन ट्रेस करना शुरू किया तो वो चालू हालत में बैग में ही रखे थे। पुलिस ने लोकेशन निकाली तो वह आगर के पास एक लॉज की निकली मिली। तत्काल रेलवे के अन्य थानों से संपर्क कर टीम को मौके पर भेजा गया। जिसमें आगर की लॉज से आरोपी को हिरासत में लिया गया है। पुलिस इस मामले में जल्द खुलासा करेगी।

आज बसंत पंचमी पर वैष्णवधाम इंदौर में प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव

- मां दुर्गा, काली, सरस्वती और शिव परिवार का पुष्प-फलों से विशेष श्रृंगार

इंदौर (नप्र)। इंदौर के बिचौली मर्दाना मुख्य मार्ग स्थित श्री वैष्णव धाम में बसंत पंचमी पर 22वें प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव का आयोजन किया गया। इस दौरान मंदिर में विराजमान मां दुर्गा, मां काली, मां सरस्वती एवं शिव परिवार का पुष्प और फलों से भव्य श्रृंगार किया गया। श्री जाग्रति महिला मंडल की सदस्याओं ने बताया कि संध्या 4 बजे से रात्रि 7 बजे तक भक्तिमय माहौल में सुमधुर भजन-कीर्तन का आयोजन किया गया, जिसमें मंडल की सदस्यों ने मां और शिव परिवार का यशोगान किया। कार्यक्रम में सरिता छाबड़ा, इंदिरा दुबे, प्रभा खुराना, वंदना जायसवाल, रीटा मनोचा, सरोज राठी, उषा बंसल और दीप्ति शर्मा सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहीं।3 फरवरी को सुबह 9 बजे से दोपहर 12 बजे तक यज्ञशाला में मनीषियों के सान्निध्य में विश्व शांति के लिए विशेष यज्ञ का आयोजन किया जाएगा, जिसमें सैकड़ों भक्त मंत्रोच्चारण के साथ आहुतियां देंगे। इस अवसर पर विद्यार्थियों को शैक्षणिक सामग्री का वितरण भी किया जा रहा है, जिसमें कॉपी, पुस्तक, कलम और स्कूल बैग शामिल हैं। मंदिर प्रांगण में पुस्तकालय का संचालन भी किया जा रहा है। समारोह में आने वाले सभी भक्तों को प्रसाद वितरण किया जाएगा। पूरे मंदिर प्रांगण में विद्युत सज्जा की गई है।

कोल इंडिया मैराथन- 21 किमी तक दौड़े रनर्स, हजारों लोग शामिल हुए

मंत्री विजयवर्गीय बोले- अपने दोस्त व पड़ोसी को फिट रखना आपकी जिम्मेदारी

इंदौर (नप्र)। इंदौर में कोल इंडिया मैराथन का 11वां आयोजन रविवार सुबह किया गया। 21 किलोमीटर तक इंदौरियों ने दौड़ लगाई। मैराथन की थीम 'रन फॉर हर' रही, महिलाओं को समर्पित इस मैराथन में उनके स्वास्थ्य को जागरूक करने के साथ उन्हें अच्छा वातावरण देना रहा। नेहरू स्टेडियम में समापन के अवसर पर मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने लोगों से दौड़ने के लिए अपने साथ एक व्यक्ति को जोड़ने की अपील की। उन्होंने कहा कि जब हम दौड़ते हैं तो स्वस्थ रहते हैं। हमारा उद्देश्य अपने साथ अपने दोस्त और पड़ोसी को भी स्वस्थ रखने का होना चाहिए। विजयवर्गीय ने कहा इंदौर शहर स्वच्छता के साथ-साथ फिटनेस और स्वास्थ्य के क्षेत्र में भी देश का मार्गदर्शन कर रहा है। ऐसे आयोजन शहरवासियों को स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करते हैं। इस साल 'रन फॉर हर' थीम के माध्यम से महिलाओं की सुरक्षा और सशक्तिकरण का जो संदेश दिया जा रहा है, वह सराहनीय है।

बेहतर सेहत के लिए दौड़ना जरूरी: गिनीज बुक ऑफ द वर्ल्ड रिकॉर्ड होल्डर कांति सालवी भी मैराथन में शामिल हुईं। उन्होंने महिलाओं को दौड़ने के लिए मोटिवेट किया।मीडिया से में सालवी ने कहा कहा थीम रन फॉर हर मेरे दिल के बहुत करीब है, इसलिए मैं आज यहां आई। महिलाओं से उनकी सेहत का ख्याल रखने की अपील की है। मेरा मानना है कि उन्हें अपनी सेहत बेहतर रखने के लिए दौड़ना बहुत जरूरी है। रनिंग से ही हम अपना रेगुलर ख़याल रख सकते हैं।

सुबह 5 बजे 4 जगहों से शुरू हुई मैराथन: मैराथन सुबह 5 बजे से शुरू हुई। लोग यशवंत क्लब, रीगल, रजबाड़ा और नेहरू स्टेडियम से 3, 5, 10 व 21 किलोमीटर तक दौड़ते हुए निकले। मैराथन की थीम 'रन फॉर हर' रही, महिलाओं को समर्पित इस मैराथन में उनके स्वास्थ्य को जागरूक करने के साथ उन्हें अच्छा वातावरण देना रहा। मैराथन में पहली बार विशेष जुपिटर हॉस्पिटल के ऐसे 200 मरीजों ने हिस्सा लिया, जिनके घुटने रिप्लेसमेंट की सर्जरी हो चुकी है और वह काफी पहले डिस्चार्ज हो चुके। मैराथन का उद्देश्य महिला रनर्स के लिए अच्छा वातावरण देना भी है।

रनर्स के पैरों में लगाई बिब चिप

रेस डायरेक्टर विजय सोहनी ने बताया कि सभी रनर्स के समय को उनकी इलेक्ट्रॉनिक चिप लगाई गई। उसके माध्यम से उनकी रनिंग टाइमिंग को रिकॉर्ड किया गया। दौड़ के दौरान अनुभवी धावक मौजूद रहे, जिन्होंने प्रतिभागियों को एक निर्धारित समय में दौड़ पूरी करने में मदद की। सभी मार्गों पर समुचित हाइड्रेशन की व्यवस्था की गई। एकेडमी अध्यक्ष नितिन अग्रवाल ने बताया कि आज 2 फरवरी को ही बसंत पंचमी है। यह मैरथन का बढ़िया मौका है। एकेडमी पूरे साल महिलाओं की फिटनेस और सुरक्षा के लिए विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन करेगी। एकेडमी के सचिव सुमित रावत ने बताया कि कोल इंडिया इंदौर मैराथन ने शहर में फिटनेस के प्रति गहरी जागरूकता पैदा की है। सैकड़ों लोग जिन्होंने पहले 100 मीटर भी नहीं दौड़ा था, अब हॉफ और फुल मैराथन में भाग ले रहे हैं। रनिंग के स्वास्थ्य लाभों को देखते हुए कई डॉक्टरों ने भी न केवल इसे अपनाया है, बल्कि मरीजों को भी रनिंग की सलाह दी है।

इन जगहों से शुरू हुई मैराथन

21 किमी - सुबह 4.45 बजे नेहरू स्टेडियम से।
10 किमी - सुबह 5.45 बजे नेहरू स्टेडियम से।
5 किमी - राजबाड़ा से।
3 किमी - सुबह 7.15 बे यशवंत क्लब से।

दौड़ने से फिजिकल, मेंटल हेल्थ होती है बेहतर

मैराथन में सहभागिता करने वाले मुकेश बिरला ने बताया कि वह पिछले 8 सालों से इस मैराथन में सहभागिता कर रहे हैं। आज वह 65 मिनिट में 10 किलोमीटर दौड़े हैं। उन्होंने दौड़ने से मैंटल, फिजिकल हेल्थ बेहतर होने की बात करते हुए सभी दौड़ने की अपील की।

तीन किमी दौड़ा नन्हा ध्रुव

रोहित सालवी अपने तीन साल के बच्चे ध्रुव के साथ मैराथन में पहुंचे। वह पहली बार इस मैराथन में आए। उन्होंने बताया कि ध्रुव ने भी तीन किलोमीटर तक उनके साथ रनिंग की। उन्होंने भी सभी से दौड़ने की अपील की।

मंत्री विजवर्गीय बोले-

जन सामान्य के कल्याण का बजट

कांग्रेस का आरोप- आम बजट में आम जनता खाली हाथ

इंदौर (नप्र)। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शनिवार को संसद में मोदी सरकार 3.0 का पहला बजट पेश किया। इस बजट को लेकर इंदौर के बीजेपी-कांग्रेस के नेताओं ने अलग-अलग राय दी है। बीजेपी के नेता जहां बजट को आम जनता के कल्याण वाला बजट बता रहे हैं, वहीं कांग्रेस नेताओं का आरोप है कि इस बजट में आम जनता खाली हाथ है। बता दें कि बजट में कई महत्वपूर्ण घोषणाएं की गई हैं। कर्मचारियों के लिए 12 लाख 75 हजार रुपए तक की आय को इनकम टैक्स से मुक्त कर दिया गया है। किसानों की आय को दोगुना करने का लक्ष्य रखा गया है। घरेलू और इलेक्ट्रॉनिक सामान को सस्ता करने का भी प्रावधान किया गया है। बजट को लेकर मप्र के कैबिनेट मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने इसे जन सामान्य के लोक कल्याण का बजट बताया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने विकास के केन्द्र में गरीब, युवा, नारी और अन्नदाता को हमेशा ध्यान में रखा है। इस बात को देखते हुए इस केन्द्रीय बजट में इन वर्गों के समग्र विकास के लिए पर्याप्त प्रावधान किया गया है। मंत्री श्री विजयवर्गीय ने 12 लाख रुपए तक की वार्षिक आय पर कोई आयकर नहीं देने के निर्णय का स्वागत किया है। इससे मध्यम वर्गों की आय व खपत में वृद्धि होगी। वहीं मंत्री तुलसी सिलावट ने कहा कि आम बजट 2025-26 'विकसित भारत' का समग्र दृष्टिकोण, अंत्योदय का संकल्प एवं 'नए भारत' को विश्व का आर्थिक विकास चालक बनाने का व्यापक मार्गदर्शक दस्तावेज है। यह बजट शहर से लेकर गांव तक, समाज के प्रत्येक वर्ग एवं क्षेत्र के लिए विकास की नई संभावनाओं को साकार करने वाला है। इसमें युवाओं, किसानों, श्रमिकों एवं मध्यम वर्ग की आकांक्षाओं का विशेष ध्यान रखा गया है।

बजट में मां अन्नपूर्णा और लक्ष्मी की भूमिका में नजर आई वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण-विधायक रमेश मेंदोला : विधायक रमेश मेंदोला ने कहा कि लगातार आठवीं बार बजट पेश करने का कीर्तिमान बनाने वाली वित्तमंत्री इस बजट में आम लोगों के लिए मां अन्नपूर्णा और लक्ष्मी दोनों की भूमिका में नजर आई है। यह बजट आम जनता को तोहफे देने वाला भी है और देश की अर्थव्यवस्था को गति देने वाला भी है। मेंदोला ने कहा कि सरकार ने अपने खजाने में आने वाली कमी की परवाह नहीं करते हुए 12 लाख रुपए तक की कमाई को टैक्स फ्री करने की जो घोषणा की है वो ऐतिहासिक है। भाजपा सरकार की इस पहल का देश के हर वर्ग पर सकारात्मक प्रभाव पडेगा। कैंसर और अन्य दुर्लभ बीमारियों दवाओं को मूल सीमा शुल्क से छूट देने का निर्णय मोदी सरकार के मानवीय पक्ष को प्रस्तुत करता है। मेंदोला ने कहा कि इंदौर पूरे देश में दाल उत्पादन का प्रमुख केंद्र है दलहन आत्मनिर्भरता मिशन से ना सिर्फ इंदौर और आसपास के किसानों को लाभ होगा बल्कि हमारा इंदौर दालों के मामले में देश को आत्मनिर्भर बनाने में सहयोगी भूमिका भी निभा सकेगा।

बेहतर आज, उज्वल कल मिडिल क्लास का जीवन सरल-विधायक मधु वर्मा

विधायक मधु वर्मा का कहना है कि यह बजट बेहतर आज, उज्वल कल मिडिल क्लास का जीवन सरल वाला बजट है। यह बजट महिलाओं के सशक्तिकरण एवं आत्मनिर्भरता को प्रोत्साहित करने के लिए इस बजट में अनेक महत्वपूर्ण प्रावधान किए गए हैं। नारी शक्ति के योगदान को मान्यता देते हुए उनके लिए विशेष योजनाओं का प्रस्ताव किया गया है। विधायक गोलु शुक्ला ने कहा कि निश्चित ही यह बजट देश को आर्थिक महाशक्ति बनाने की दिशा में एक ठोस कदम है। यह भारत के विकास को नई ऊंचाइयों तक ले जाने में सहायक सिद्ध होगा एवं विकसित भारत के संकल्प को साकार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

इंदौर से प्रयागराज के लिए विशेष उड़ान

5 से 14 फरवरी के बीच होगी संचालित, शुरूआती किराया 14 हजार, बुकिंग शुरू

इंदौर (नप्र)। प्रयागराज में चल रहे महाकुंभ में जाने वाले यात्रियों के लिए अच्छी खबर है। इंडिगो एयरलाइंस 5 से 14 फरवरी के बीच इंदौर से प्रयागराज के बीच विशेष फ्लाइट संचालित करने जा रहा है। यह फ्लाइट रोजाना प्रयागराज से दोपहर में इंदौर आकर वापस जाएगी। बता दें कि इससे पहले अलायंस एयर ने भी एक साप्ताहिक उड़ान शुरू की है। जिसे अच्छा खासा प्रतिसाद मिल रहा है। अलायंस एयर की इंदौर से प्रयागराज के लिए संचालित हो रही फ्लाइट लगभग आने एक महीने तक फुल ही है। इंदौर एयरपोर्ट से मिली जानकारी के अनुसार इंडीगो की विशेष फ्लाइट 6ई2413 और 6ई2415 प्रयागराज से 5 से 14 फरवरी के बीच रोजाना दोपहर 12.55 बजे रवाना होकर 2.20 बजे इंदौर पहुंचेगी और इंदौर से 2.55 बजे रवाना होकर 4.20 बजे प्रयागराज पहुंचेगी। दोनों ओर यात्रा का समय 1.25 घंटे होगा। इससे यात्री बड़ी ही आसानी से महाकुंभ में जाकर वापस आ सकेंगे। कंपनी ने इस फ्लाइट की जो बुकिंग शुरू की है, उसमें शुरुआत से ही इसका एक ओर का किराया 9 हजार से ज्यादा आ रहा है। इस तरह आने और जाने के 18 हजार से ज्यादा चुकाने होंगे।

तीन कैटेगरी में हो रही बुकिंग

इंदौर से प्रयागराज के लिए संचालित होने वाली इस फ्लाइट के लिए इंडीगो ने तीन कैटेगरी में बुकिंग शुरू की है। पहली कैटेगरी सेवर फेयर है जिसका किराया 9 हजार 134 रुपए है, दूसरी कैटेगरी फ्लेक्सी प्लस फेयर है जिसका किराया 9 हजार 943 रूपए है, वहीं तीसरी कैटेगरी सुपर 6श्व फेयर है जिसका किराया 10 हजार 709 रुपए है। बताया जा रहा है कि कंपनी इस फ्लाइट के लिए एयरबस के320-नियो विमान का इस्तेमाल करेगी।

इधर, 7 फरवरी से भुवनेश्वर के लिए सीधी उड़ान: इंदौर एयरपोर्ट से 7 फरवरी से इंडिगो एयरलाइंस इंदौर से भुवनेश्वर के लिए डायरेक्ट फ्लाइट शुरू करेगी। यह उड़ान इंदौर को उड़ीसा से सीधे जोड़ेगी, जिससे व्यापार और पर्यटन दोनों को फायदा होगा।

क्रेडाई प्रापर्टी शो, लोगों में दिखा खासा उत्साह

रियल एस्टेट के विकास में आने वाली चुनौतियों से निपटने को लेकर क्रेडाई-प्रशासन के बीच मंथन

इंदौर (नप्र)। रियल एस्टेट डेवलपर्स की देशभर में प्रतिष्ठित संस्था क्रेडाई के इंदौर चैप्टर द्वारा लाभ गंगा एक्जीबिशन सेंटर में आयोजित तीन दिनी क्रेडाई प्रॉपर्टी शो 2025 के लिए ग्राहकों में काफी उत्साह है। लंबे समय से प्रॉपर्टी लेने का इंतजार कर रहे ग्राहक, क्रेडाई प्रॉपर्टी शो में न्यूनतम बजट से लेकर लग्जरियस प्रॉपर्टी ऑप्शंस देखने में उत्सुक नजर आए। शनिवार को क्रेडाई नेशनल और मप्र के पदाधिकारियों और प्रशासन, टीएंडसीपी, आईडीए आदि विभागों के अधिकारियों के बीच चर्चा का सेशन रहा। इसमें रियल एस्टेट के विकास और चुनौतियों को लेकर मुद्दे रखे गए। प्रशासन ने क्रेडाई को हर संभव सहयोग के लिए आश्वस्त किया। क्रेडाई प्रॉपर्टी शो-2025 का अंतिम दिन था। क्रेडाई टीम के गोपाल गोयल ने बताया कि मध्य भारत के सबसे बड़े क्रेडाई प्रॉपर्टी शो की विशेषता यह है कि यहां प्रत्येक वर्ग की जरुरतों के मुताबिक प्रॉपर्टीज के विकल्प मौजूद हैं। शो में शहर के 40 से अधिक प्रसिद्ध बिल्डर्स भागीदारी दे रहे हैं। इनके द्वारा प्लॉट्स, हाइराईज, मिडराईज़ अपॉर्टमेंट्स, रो-हाउसेस, बंग्लो तथा कॉमर्शियल प्रॉपर्टी ऑप्शंस दिखाए जा रहे हैं।

बड़े पैमाने पर सहभागिता

क्रेडाई टीम के विजय गांधी ने बताया कि शो में एमरल्ड डेवलपर्स ने प्रेजेंटिंग पार्टनर के रूप में अपनी सहभागिता दी। इसके साथ ही क्लिफ्टन ग्रुप व न्यू रेस कोर्स ग्रुप - प्लैटिनम स्पॉन्सर, लाभम ग्रुप व एस.एस. इन्फीनिट्स - डायमंड स्पॉन्सर और कासा ग्रीन्स व शुभम ग्रुप - गोल्ड स्पॉन्सर के रूप में उपस्थित रहे। इसके साथ ही ऐरन ग्रुप, औरिका, बारोद इंफ्रा, भूपेश व्यास ग्रुप, ड्रीम ग्रुप, आइरिस पार्क, झंवर डेवलपर्स, जेएमजी ग्रुप, कालिंदी गांधी ग्रुप, कल्याण ग्रुप, मीडोज ग्रुप, एम. चुघ ग्रुप, एम. झावेरी ग्रुप, एनएम ग्रुप, न्यू रेस कोर्स ग्रुप, ओमेक्स, आएएसआरबीडी, आरसी माहेश्वरी ग्रुप, रुचि रियल्टी, रूद्र ग्रुप, साहिल ग्रुप, संकल्प ग्रुप, सार्थक एस्टेट डेवलपर्स, शेखर ग्रुप, स्काय अर्थ, एसएमजी, सूर्या, यूनिटी वन, वेद कम्यून, वाइब्रेंट बिल्डर्स ग्रुप, विक्टोरिया हार्मनी, वीके गुप्ता ग्रुप ने अपनी भागीदारी दी।

डेवलपर्स के लिए लर्निंग सेशन रहा रियल एस्टेट कॉन्क्लेव

क्रेडाई प्रॉपर्टी शो के दौरान स्पेशल कॉन्क्लेव आयोजित किया गया। क्रेडाई इंदौर के जॉइंट सेक्रेटरी सुमित मंत्री ने बताया कि क्रेडाई इंदौर द्वारा रियल एस्टेट क्षेत्र में विकास से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर गहराई से ध्यान दिया जाता है। इसी बात को उद्देश्य रखते हुए इंदौर शहर की निरंतर प्रगति और रियल एस्टेट क्षेत्र में उसके योगदान से सम्बन्धी रियल एस्टेट कॉन्क्लेव का आयोजन किया गया।

संपादकीय

दुनिया में ट्रेड वॉर की शुरूआत?

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने चुनाव के पहले जो वादे किए थे, उन पर अमल करना शुरू कर दिया है। उसके मुताबिक अमेरिका ने अपने तीन प्रमुख व्यापार साझीदारों पर तगड़ा टैरिफ आयद कर दिया है, लेकिन जिन तीन देशों कनाडा, मेक्सिको और चीन के अमेरिका के आगे झुकने से साफ इंकार कर दिया है। कनाडा ने तो तुरंत पलटवार करते हुए अमेरिका पर भी उतना ही टैरिफ लगा दिया है। इसका सीधा मतलब है कि विश्व में अब ट्रेड वॉर की शुरूआत हो गई है। इसके नतीजे क्या होंगे, इसका अभी अंदाजा ही लगाया जा रहा है। भारत की चिंता यह है अमेरिका से दोस्ती की तमाम बातों के बाद भी ट्रंप उस पर तगड़ा टैरिफ लगा सकते हैं। अगर ऐसा हुआ तो भारत के लिए मुश्किलें बढ़ेंगीं, क्योंकि भारत अमेरिका से आयात कम उसे निर्यात ज्यादा करता है। हालांकि चीन की तुलना में भारत का अमेरिका से व्यापार बहुत कम है। राष्ट्रपति ट्रंप ने बहुचर्चित टैरिफ आदेश पर हस्ताक्षर कर दिए। जिसके मुताबिक कनाडा और मेक्सिको से आयात की जाने वाली वस्तुओं पर 25 फ़ीसदी और चीन पर 10 फ़ीसदी टैरिफ़ लगाया गया है। टैरिफ वो कर है जो दूसरे देशों से आयात की जाने वाली वस्तुओं पर लगाया जाता है। ट्रंप के फैसले से नाराज कनाडा के कार्यवाहक प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने कहा कि कनाडा भी जवाबी कार्रवाई के लिए तैयार है। मीडिया से बातचीत में ट्रूडो ने कहा कि इस फ़ैसले का सीधा असर कीमतों और अमेरिकी अर्थव्यवस्था पर पड़ेगा। ट्रूडो के अनुसार अमेरिका ने 4 फरवरी से कनाडा से आयातित अधिकांश वस्तुओं पर 25 फीसदी और ऊर्जा पर 10 टैरिफ लगा दिया है। ट्रूडो ने कहा कि उनकी सरकार 155 अरब डॉलर मूल्य के अमेरिकी उत्पादों पर 25 फ़ीसदी टैरिफ़ लागू करेगी। मेक्सिको की राष्ट्रपति क्लाउडिया शिनबाम ने भी ट्रंप द्वारा मेक्सिको पर लगाए गए 25 फ़ीसदी टैरिफ़ पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि हम भी अमेरिका के खिलाफ़ टैरिफ़ समेत जवाबी कार्रवाई करेंगे। उधर चीन के वाणिज्य मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि चीन इस क़दम से पूरी तरह असंतुष्ट है और इसका कड़ा विरोध करता है। यह विश्व व्यापार संगठन के नियमों का 'गंभीर उल्लंघन' है। चीन ने यह भी कहा कि वो अब अमेरिका के 'ग़लत व्यवहार' के खिलाफ़ विश्व व्यापार संगठन में मुक़दमा दायर करेगा और 'अपने अधिकारों और हितों की रक्षा के लिए' जवाबी क़दम उठाएगा। अमेरिका द्वारा इस तरह टैरिफ बढ़ाए जाने के पीछे कारण डोनाल्ड ट्रंप का यह तर्क बताया जाता है कि टैरिफ़ घरेलू स्तर पर रोज़गार पैदा करते हैं और उनकी रक्षा करते हैं। ट्रंप टैरिफ़ को अमेरिकी अर्थव्यवस्था के साथ ही टैक्स रेवेन्यू को भी बढ़ाने के तरीके के रूप में देखते हैं। ट्रंप कनाडा व मेक्सिको पर बार बार यह आरोप लगाते रहे हैं कि आरोप लगाते रहे हैं कि अमेरिका में इन्हीं दोनो देशों की सीमा से नशीली दवा फ़ेंटानिल आ रही है। ट्रंप की इस कार्रवाई से शुरू हुए ट्रेड वॉर के गंभीर परिणाम हो सकते हैं। जानकारों के अनुसार मेक्सिको और कनाडा दोनों की अर्थव्यवस्थाओं में अमेरिका को क़रीब 20 प्रतिशत निर्यात किया जाता है, ये टैरिफ़ उनकी अर्थव्यवस्था को मंदी में डाल सकते हैं। बढ़े टैरिफ के कारण महंगे उत्पाद अमेरिकी खरीदना बंद कर देंगे। जिसका सीधा मतलब है कि मेक्सिको और कनाडा की कंपनियों के लिए कम बिक्री और लाभ। टैरिफ वो कर है जो आयातित वस्तुओं पर लगाया जाता है। लेकिन यह निर्यातक की बजाय उत्पादों को आयात करने वाली फ़र्म पर लगाए जाते हैं। हालांकि राष्ट्रपति के रूप में अपने पहले कार्यकाल में भी आयातित वॉशिंग मशीनो और सोलर पैनलों पर 50 फीसदी टैरिफ लगा चुके हैं।

नजरिया

रघु ठाकुर

लेखक समाजवादी विचारक हैं।

महाकुंभ की त्रासदी : कुछ सवाल, कुछ समाधान

26 जनवरी 2025 मंगलवार की रात्रि प्रयागराज में मौनी अमावस्या के दिन रात्रि लगभग 1:30 बजे जो भगदड़ हुई, वह अत्याधिक दुखद घटना है। प्राप्त जानकारी के अनुसार घटना में 30 लोगों की मृत्यु व 70 घायल हैं और अनेकों अभी लापता हैं। यह भी सूचना आई है कि भगदड़ दो जगहों से हुई जबकि पहले एक स्थान की खबर थीं। और संभव है कि कुछ समय के बाद निश्चित जानकारी मिल पाये कि वास्तव में कितने लोग मरे हैं, कितने लोग घायल और कितने लापता हैं? इस घटना ने कई प्रश्न छोड़े हैं।

1. क्योंकि यह दुर्घटना इस अर्थ में तो दुर्घटना है कि अचानक भगदड़ हुई, जो कि पूर्व अनुमानित नहीं थी परंतु यह इस अर्थ में दुर्घटना नहीं भी है कि इतनी बड़ी भीड़ जिसे मीडिया और सरकार के अनुसार करोड़ से ऊपर बताया गया क्या केवल श्रद्धाभाव से इकटठी हुई थी या इसके पीछे वह वातावरण भी कारण है जिसे सरकार ने, मीडिया ने और कुछ धार्मिक संस्थाओं और संगठनों ने अपने राजनैतिक उद्देश्य के लिये एक सुनियोजित तरीके से पिछले कई माह से बनाया था। यह गाँव-गाँव में प्रचार किया गया कि यह मौनी अमावस्या का पर्व 145 वर्ष के बाद आया है और जो इस पर्व पर रात्रि के निर्धारित समय संगम में डुबकी लेगा उसे मोक्ष प्राप्त होगा। अतरू करोड़ों लोग मोक्ष पाने के लिये पहुंच गये। निसंदेह यह श्रद्धालु हैं जिनकी अपनी धर्म और परंपराओं पर गहरी आस्था है। परंतु इस आस्था को मोक्ष पाने के जुनून में बदलने का काम सरकारी तंत्र, प्रचार तंत्र और धर्म के नाम पर काम करने वाली संस्थाओं ने बनाया था। गांव के गरीब लोग भी आपस में पैसा इकटठा कर मोक्ष प्राप्ति को किराये की गाड़ियां लेकर इलाहाबाद पहुंचे थे। शायद यह संख्या शासन प्रशासन के अनुमान से अधिक रही होगी।

2. हमारे यहां साधु संतों के अपने-अपने परंपरागत संगठन हैं जो एक-दूसरे से श्रेष्ठ होने का दावा करते हैं और कई बार तो संगम में नहाने के क्रम में कौन पहले जायेगा, आपस में मल्ल युद्ध भी कर चुके हैं। इन 200-300 (साधुओं के) अखाड़ों में मुश्किल से 20-30 हजार विभिन्न प्रकार के परंपराओं के साधु होते हैं और अपनी श्रेष्ठता के विवाद में और अपने पहले अधिकार के विवाद में ये भी भगदड़ जैसी घटनाओं का कारण बन जाते हैं। एक तो उनकी यह जिद होती है कि मुहूर्त पर सबसे पहले स्नान का अधिकार उनका है जबकि होना तो यह चाहिये कि उन गरीब लोगों को स्नान पहले कराना चाहिये जो अपनी आस्था से सैकड़ों किमी चलकर यहां पहुंचे हैं। ये तो साधु संत हैं इन्हें तो अपने साधु होने के चलते ही मोक्ष प्राप्त हो जायेगा परंतु करोड़ों गरीब लोग आमजन हैं जो अपने जीवन में गृहस्थ हैं। धार्मिक प्रचार के अनुसार उन्हें मुहुर्त पर डुबकी लगाने पर ही उन्हें मोक्ष प्राप्त होगा। परंतु साधु संतों के अखाड़ों ने डुबकी लगाने के क्रम में कोई त्याग, उदारता और मानवता का प्रदर्शन नहीं किया बल्कि वे आपस में छोटे-बड़े का भेद करते हैं। मैं नहीं जानता हूँ कि क्या ईश्वर ने किसी को छोटा बड़ा बनाया है? ईश्वर को मानने का दावा करने वाले यह भेदभाव कर क्या ईश्वर की अवज्ञा नहीं करते हैं? इन अखाड़ों को मुहुत पर पहले स्नान कराने के लिये उन लाखों श्रद्धालुओं को रोक दिया गया था, जो कष्ट उठाकर वहाँ पहुंचे थे और सीमाओं पर पड़े थे।

3. भगदड़ का एक कारण यह भी बताया गया है कि गाँव के गरीबों के मन में इन साधु संतों के डुबकी लगाने का दृश्य देखने की जिज्ञासा भी थी। आजकल औसतन हर व्यक्ति के हाथ में मोबाइल है और वह फोटोग्राफर भी है। तो बड़ी संख्या में लोग इन अखाड़ों के स्नान को कैमरों में कैद करने के लिये बेताव थे। जिसके कारण वे अचानक आगे बढ़ने लगे। चूंकि अखाड़ों को पहले स्नान कराने के लिये प्रशासन ने 3 रास्ते बंद कर दिये थे अतः एक ही मार्ग से लोग आगे बढ़े जिसके परिणामस्वरूप भगदड़ मची।

4. यह भी खबर फैली थी कि मुहूर्त के समय प्रधानमंत्री जी भी डुबकी लेने जायेंगे, यह भी एक भीड़ बढ़ने का कारण था।

5. मैं पुलिस और प्रशासन को दोषी नहीं मानता हूँ बल्कि उनका अभिनंदन करता हूँ जो पिछले एक डेढ़ माह से दिन रात डयूटी कर रहे हैं, वहीं पर रहते हैं, सोते हैं, अथक परिश्रम कर रहे हैं, उनका व्यवहार भी श्रद्धालुओं के साथ इतना विनम्र और उदारता का रहा है कि एक भी घटना या शिकायत वह भी उप्र के कुंभ मेले में नहीं मिली। प्रशासन अखाड़ों की प्राथमिकता देने के लिये राजनैतिक नेतृत्व के आदेशों का पालन करने के लिये बाध्य था। मैं यह भी जानता हूँ कि यह घटना कोई पहली बार नहीं हुई है बल्कि इसके पहले भी अनेकों बड़ी-बड़ी दुर्घटनायें कुंभ मेले में हुई हैं जिनमें भारी जनहानि हुई थी। 1954 में भगदड़ में लगभ 800 लोग मरे थे, जब पं. जवाहरलाल नेहरू प्रधानमंत्री थे। तब एक मात्र समाजवादी नेता डॉ. लोहिया ही थे जिन्होंने बनारस में भाषण करके ऐसे तीर्थ स्थलों के पुर्ननिर्माण की मांग उठाई थी, नदियों को साफकरने की मांग उठाई थी। लोहिया ने कहा था कि कोई माने न माने परंतु अगर लाखों लोग कहीं इकट्ठे होते हैं तो कम से उन स्थानों की व्यवस्था सरकार को सुविधाजनक बनाना चाहिये और बाद की सरकारों ने देश के अनेक स्थानों पर इन स्थानों का विकास किया है, भले ही लोहिया का नाम लेने में और सच स्वीकार करने में उन्हें शर्म लगी हो परंतु विकास का काम तो हुआ है।

अब चर्चा है कि उप राष्ट्रपति महोदय संभवतः 1 फरवरी को और 5 फरवरी को प्रधानमंत्री जी स्नान के लिये जाने वाले हैं। अब भीड़ की समस्या भी कम हुई है क्योंकि 29 तारीख को गये हुए लोग अपने घरों को वापिस लौट चुके हैं। इस दुर्घटना के बाद श्रद्धालुओं का उत्साह भी कुछ कम हुआ है और मुझे उम्मीद है कि प्रधानमंत्री और उपराष्ट्रपति जी बगैर घोषित और दिखने वाली वीआईपी सुरक्षा के जायेंगे ताकि यह प्रचार किया जा सके कि सरकार ने वीआईपी प्रोटोकाल नहीं लगाया है हालांकि हम यह भी जानते हैं कि हजारों की संख्या में सादे कपड़ों में पुलिस लगाई जायेगी ताकि वह वर्दी से पहचानी न जा सके। प्रशासन की यह वैधानिक डयूटी है कि इनको सुरक्षा दें क्योंकि इनकी सुरक्षा को प्रोटोकाल के लिये एक ब्लूबुक है जो संसद से स्वीकृत है। मुझे खुशी होगी कि अगर प्रधानमंत्री जी उपराष्ट्रपति जी वास्तव में वीआईपी सुरक्षा छोड़ दें और ब्लूबुक के प्रोटोकाल को विधिवत निरस्त करा दें ताकि प्रशासन को छद्‌म आवरण आवश्यकता न रहे।

ऐसी दुर्घटनायें दुनिया में सभी धार्मिक केंद्रों पर होती रही है। भोपाल के वरिष्ठ पत्रकार श्री इरशाद ने बताया कि कुछ वर्ष पहले मक्का में भी दुर्घटना हुई थी जिसमें 1200 लोग मारे गये थे। मैं किसी धार्मिक स्थल पर हुई दुर्घटना से तुलना करना या पुरानी घटना से तुलनाकर 28 की घटना को हल्का नहीं करना चाहता हूँ बल्कि चाहता हूँ कि सरकार ऐसे नियम बनायें जिससे भविष्य में ऐसी दुर्घटना न हों-मेरी राय में....

1. जिस प्रकार सरकार ने इस महाकुंभ को सरकारी आयोजन बनाया, सरकार के मंत्रियों ने विभिन्न राज्यों में जाकर आम लोगों को निमंत्रित किया। मीडिया ने जिसे जुनून में बदल दिया यह बंद होना चाहिये। धार्मिक पर्व के आयोजनों में हिस्सेदारी जनता अपनी प्रेरणा से करती है। हजारों साल से भारतीय लोग कुंभ स्नान के लिये जाते रहे हैं, उन्हें किसी निमंत्रण की आवश्यकता नहीं हुई। श्रद्धालुओं में और प्रायोजित भीड़ में फर्क होता है, यह सरकार को समझना चाहिये। 1947 के पहले भी सैकड़ों वर्षों से 12 वर्षीय कुंभ में हजारों लाखों लोग अपनी स्वप्रेरणा से और बगैर निमंत्रण के जाते रहे हैं। तब ना कोई राजा या नबाव सरकार या प्रशासन व्यवस्था भी नहीं करता था परंतु कभी कोई दुर्घटना नहीं हुई।

2. साधु-संतों के अखाड़ों की वीआईपी परंपरा को इन साधु संतों को स्वतरू समाप्त करना चाहिये तथा अखाड़ों को खुद निर्णय कर जनता को पहले स्नान करने देना चाहिये।

3. ऐसे मुहूर्तों पर तब ज्यादा भीड़ इकट्ठी हो, तब प्रयागराज आने वाले रास्तों पर बड़े-बड़े एलईडी स्क्रीन लगाना चाहिये, ताकि श्रद्धालु सीमा से ही अखाड़ों के डुबकी लगाने के दृश्य को देख सकें और इनके फोटो ले सकें।

4. ऐसे बड़े धार्मिक आयोजनों की व्यवस्था के लिये केंद्र व संबंधित राज्य दोनों की संयुक्त व्यवस्था होना चाहिये, जिसमें केंद्रीय पुलिस बल और साधनों का भी सहयोग मिल सके। एक यह भी जनचर्चा है कि आरएसएस ने एक संविधान का प्रारूप तैयार कराया है जिसे इस महाकुंभ में वे धर्म संसद से पारित करायेंगे तथा देश में उसके लिये समर्थन जुटाने के लिय यह तर्क देंगे कि 20 करोड़ लोगों ने महाकुंभ में शामिल होकर इस संविधान को अलिखित और मौन स्वीकृति दी है यानि सरकार के इस संविधान को बदलकर हिंदू राष्ट्र के संविधान में बदलने के लिये तार्किक आधार देने के लिये सत्ता और मीडिया के द्वारा यह जुनून पैदा किया गया। उद्योगपतियों और व्यापारियों का समर्थन तो स्वभाविक था क्योंकि प्राप्त सूचना के अनुसार 5 लाख करोड़ का व्यापार कुंभ में हुआ है, इसका मतलब है कि 2 लाख करोड़ रुपये व्यापारियों की जेब में जायेगा। 1 लाख करोड़ रुपये कारखाने उद्योगपतियों के मुनाफे में जायेगा। श्रद्धालुओं को मोक्ष मिले न मिले परंतु व्यापार जगत, उद्योग जगत, धर्म जगत और सत्ता जगत को तो मोक्ष प्राप्त हो ही जायेगा।

महाकुंभ

डॉ. राघवेंद्र शर्मा

स्वतंत्र लेखक

सनातनी आस्था और परंपरा का अद्भुत संगम

आजकल जहां देखो वहां महाकुंभ की ही चर्चा है। हो भी क्यों ना, आखिर यह महापर्व पूरे 144 साल बाद आया है। इस महापर्व को लेकर सभी के भिन्न-भिन्न मत हैं। कोई इसके भौतिक स्वरूप को ही सनातन साबित करने में लगा हुआ है। तो कुछ-कुछ कालनेमि स्वरूप स्वयंभू विद्वानों ने इसमें खोज खोज कर कमियां निकालने का काम हाथ में ले रखा है। इन सबसे बेखबर जो श्रद्धालु हैं और संत, महात्मा, साधु, सन्यासियों का जो हुजूम है, वह अपनी मस्ती में मस्त है और स्वयं को अमृत की बूंद को प्राप्त करने में सफल मानकर आनंदित है। और ज्यादा गहनता से देखेंगे तो हमें महाकुंभ के अनेक स्वरूप और पहलू देखने को मिल जाएंगे। जैसे गोस्वामी तुलसीदास जी ने लिखा भी है -

जाकी रही भावना जैसी।
प्रभु मूरत देखी तिन्ह तैसी।।
या फिर विद्वानों के लिए लिखा गया है-
हरि अनंत हरि कथा अनंता।
कहई सुनई बहु विधि बहू संता।।

अर्थात् इस महापर्व कुंभ को जो जिस भावना से देख रहा है वह उसका उतना ही स्वरूप देख पा रहा है। या फिर यूं कहा जाए कि महाकुंभ को लेकर जितने मत हैं उतनी ही बातें हैं। ऐसे में आवश्यक हो जाता है कि हम इसके वास्तविक स्वरूप को जान पाएं और अन्य लोगों की जिज्ञासाओं को भी शांत कर सकें। शायद तब संभव हो पाए और हम हमारे त्यौहारों को लेकर उठने वाले सवालों का स्थाई रूप से शमन कर पाएं। इसके लिए सबसे ज्यादा जरूरी बात यह है कि हम पहले अपने त्योहारों, संस्कारों, संस्कृतियों और सनातन के बारे में सामान्य ज्ञान तो हासिल कर ही लें। उदाहरण के लिए- हमें यह पता होना चाहिए कि आखिर कुंभ मनाया क्यों जाता है और यह महाकुंभ क्या है। यदि धार्मिक ग्रंथों का अध्ययन करें तो पता चलेगा कि कुंभ और महाकुंभ का समुद्र मंथन से गहरा नाता है। जब इंद्र सहित अधिकतम देवताओं से रुष्ट होकर दुर्वासा मुनि ने उन्हें शक्ति छीण होने का श्राप दिया तो देवताओं का पराभव होने लगा। फल स्वरुप आसुरी शक्तियां प्रबल होने लगीं और देवता उनसे हार कर यहां वहां शरण लेने को बाध्य हुए हो गए। तब विचार विमर्श किया गया कि आखिर देवताओं को शक्ति मिले तो मिले कैसे? कैसे देवता एक बार पुनः आसुरी शक्तियों को पराजित कर पाएं और अपने ऐश्वर्या वैभव को हासिल कर सकें! तब एक रास्ता यह निकला की समुद्र मंथन किया जाए। इसमें से अन्य जो भी रत्न प्राप्त हों, लेकिन सर्वाधिक महत्वपूर्ण अमृत होगा। यदि यह अमृत देवताओं के हाथ लग जाए तो यह वर्ग एक बार फिर स्वर्ग सहित अन्य ऐश्वर्य वैभवपूर्ण स्थानों पर अपना आधिपत्य हासिल कर सकेगा। तब एक सुनियोजित रणनीति के तहत असुरों से बात की गई। भगवान भोलेनाथ को मध्यस्थ बनाकर समुद्र मंथन के लिए असुरों को तैयार किया गया। इस प्रकार समुद्र मंथन शुरू हुआ। जिसमें मंदराचल पर्वत को मथानी बनाया गया और वासुकी नाग का रस्सी की तरह प्रयोग किया गया। इस समुद्र मंथन से कुल 14 रत्न प्राप्त हुए। उनके नाम क्रमशः कालकूट बिष, कामधेनु गाय, उच्चैश्रवा अश्व, ऐरावत हाथी, कौस्तुभ मणि, कल्पवृक्ष, रंभा नाम की अप्सरा, लक्ष्मी देवी, वारुणी, चंद्रमा, पारिजात वृक्ष, पांचजन्य शंख, और अमृत, हाथ में लेकर प्रकट हुए धन्वंतरि भगवान। सबसे आखरी में जो अमृत कलश प्राप्त हुआ, उसे लेकर देवताओं और असुरों में युद्ध छिड़ गया। हर कोई अमृत पीकर अमर हो जाना चाहता था। इसे असुरों से बचाने की पहली जिम्मेदारी इंद्र के पुत्र जयंत को मिली। वह अमृत कलश लेकर स्वर्ग की ओर भागा तो असुरों से झड़प हो गई। फल स्वरुप अमृत की कुछ बूंदें कलश से छलक कर चार स्थानों पर गिर पड़ीं। इन स्थानों के नाम हैं उज्जैन, नासिक, हरिद्वार और प्रयागराज। यही वे चारों स्थान हैं जहां पर क्षिप्रा, गोदावरी, गंगा जी और त्रिवेणी संगम पर 12 साल के अंतर से कुंभ पर्व आयोजित होते हैं। कुंभ महापर्व 12 साल में एक बार ही क्यों आयोजित होता है? इस बारे में जानकारी मिलती है कि यह देव असुर संग्राम पूरे 12 दिनों तक चला। चूंकि देवताओं का एक दिवस मनुष्यों के एक वर्ष के बराबर होता है। यही वजह है कि देवताओं के 12 दिन बीतते हैं तब तक पृथ्वी पर 12 साल का समय गुजर जाता है। फल स्वरुप एक स्थान पर कुंभ का मेला 12 साल के अंतर से ही संपन्न हो पता है। जबकि चारों स्थानों पर क्रमशः आयोजित होने वाले कुंभ के मेलों में चार-चार सालों का अंतर बना हुआ है। जब प्रत्येक स्थान पर 12 - 12 कुंभ आयोजित हो जाते हैं तब इनमें से अंतिम कुंभ को महाकुंभ कहा जाता है, जो 144 वर्ष के बाद आयोजित होता है और इसके लिए प्रयागराज स्थान धर्म शास्त्रों द्वारा नियत है। इस हिसाब से देखा जाए तो पिछला महाकुंभ पर्व सन् 1881 में पड़ा था और अब अगला महाकुंभ पर्व सन् 2169 में पड़ने वाला है। यानि जिन लोगों ने पिछला महाकुंभ देखा वे अब जीवित नहीं है और जो लोग 2025 का कुंभ महापर्व देख पा रहे हैं वह 2169 का कुंभ महापर्व नहीं देख पाएंगे। इस दृष्टि से 2025 का कुंभ महापर्व अति विशिष्ट हो चला है। यही वजह है कि केवल देश भर से ही नहीं, बल्कि दुनिया भर से सनातन श्रद्धालु महाकुंभ की ओर बढ़ चले हैं और बढ़ते ही चले जा रहे हैं। हर कोई त्रिवेणी संगम पर आयोजित महाकुंभ में अमृत की बूंदे पा लेना चाहता है और अपने पापों को धोने का शुभ अवसर हाथों से नहीं जाने देना चाहता।

कुंभ का मेला खगोलीय विज्ञान के हिसाब से भी भारत की विद्वता को वैश्विक स्तर पर प्रतिपादित करता है। क्योंकि 12 साल में कुंभ लगने का एक कारण बृहस्पति ग्रह की गति को भी माना जाता है, जो इस प्रकार है -

जब बृहस्पति ग्रह, वृषभ राशि में हों और इस दौरान सूर्य देव मकर राशि में आते हैं, तो कुंभ मेले का आयोजन प्रयागराज में होता है। इसी तरह जब बृहस्पति, कुंभ राशि में हों और इस दौरान सूर्य देव मेष राशि में आते हैं, तो कुंभ आयोजन हरिद्वार में होता है। सूर्य और बृहस्पति जब सिंह राशि में हों तब महाकुंभ मेला नासिक में लगता है। जब देवगुरु बृहस्पति सिंह राशि में हों और सूर्य मेष राशि में हों, तो कुंभ का मेला उज्जैन लगता है।

कुंभ स्नान का महत्व हिंदू धर्मग्रंथों में विस्तार से वर्णित है। मान्यता है कि कुंभ में स्नान करने से व्यक्ति के सभी पाप धुल जाते हैं और उसे मोक्ष की प्राप्ति होती है। इस बारे में भी सनातन का सदैव विरोध करने वाले कालनेमियों द्वारा कुतर्क दिए जाते हैं कि कुंभ मेले में कुछ नदियों में स्नान भर कर लेने से लोगों के पाप कैसे धुल सकते हैं?

इस शंका का समाधान भी शास्त्रों में वर्णित है -

भगवान शंकर से एक बार माता पार्वती ने पूछा कि गंगा नदी में स्नान करने से क्या वास्तव में जीव मात्र के पाप धुल जाते हैं? तो भोलेनाथ ने प्रण पूर्वक कहा हां यह सत्य है। अपने कथन को प्रमाणित करने के लिए भगवान शंकर कुष्ठ रोगी का बेहद घृणित स्वरूप बनाते हैं और माता पार्वती को अपूर्व सुंदरी बनाकर गंगा तट पर पहुंच जाते हैं। यहां माता पार्वती गंगा तट पर आए अनेक लोगों से अनुनय विनय करती हैं। मेरे पति को गंगा की धारा तक पहुंचा दो, आपकी कृपा होगी।

इसके अलावा, कुंभ मेला आध्यात्मिक ज्ञान, सांस्कृतिक आदान-प्रदान और सामाजिक समरसता का भी प्रतीक है। यहां कई आध्यात्मिक और धार्मिक सभाएं आयोजित होती हैं, जिनमें साधु-संतों के प्रवचन, योग साधना और विभिन्न अनुष्ठान शामिल होते हैं।

ये संक्रांति की पूर्व संध्या यानि 13 जनवरी 2025 से शुरू होकर 26 फरवरी 2025 को महाशिवरात्रि के दिन समाप्त होगा। पौराणिक कथाओं में कहा जाता है कि प्रजापति ब्रह्मा ने यमुना और गंगा के संगम पर स्थित दशाश्वमेध घाट पर अश्वमेध यज्ञ करके ब्रह्मांड का निर्माण किया था, जिसके कारण प्रयागराज में कुंभ सभी कुंभ त्योहारों में सबसे महत्वपूर्ण है। कुंभ मेले का सामाजिक महत्व इस तथ्य में निहित है कि यह दुनिया का एकमात्र ऐसा आयोजन है जिसके लिए किसी आमंत्रण की आवश्यकता नहीं होती, फिर भी लाखों तीर्थयात्री इस विशाल आयोजन के लिए आते हैं। कुंभ मेला एक सामाजिक संदेश भी देता है, जो सभी मनुष्यों के कल्याण, अच्छे विचारों को साझा करने और रिश्तों को बनाए रखने और मजबूत करने का है। मंत्रों का जाप, पवित्र व्याख्याएँ, पारंपरिक नृत्य, भक्ति गीत और पौराणिक कहानियाँ लोगों को एक साथ लाती हैं, जिससे कुंभ का सामाजिक महत्व झलकता है। कुंभ मेले में पवित्र नदियों में स्नान करना अत्यधिक शुभ माना जाता है। माना जाता है कि इस दौरान नदियों का जल अमृत के समान पवित्र होता है। इसलिए इस दौरान श्रद्धालु दूर-दूर से स्नान करने आते हैं। प्रयागराज के संगम स्थल, जहां गंगा, यमुना और सरस्वती का मिलन होता है, को विशेष धार्मिक महत्व प्राप्त है। श्रद्धालु यहां स्नान कर अपने पापों से मुक्ति और मोक्ष की प्राप्ति का आशीर्वाद प्राप्त करते हैं।

अभी तक प्रयागराज स्थित महाकुंभ में तीन शाही स्नान संपन्न हो चुके हैं -

इनमें 13 जनवरी 2025: पौष पूर्णिमा (पहला शाही स्नान)

14 जनवरी 2025: मकर संक्रांति (दूसरा शाही स्नान)

29 जनवरी 2025: मौनी अमावस्या (तीसरा शाही स्नान) संपन्न हो चुका है।

जबकि 3 फरवरी 2025: बसंत पंचमी (चौथा शाही स्नान)

12 फरवरी 2025: माघ पूर्णिमा (पांचवा शाही स्नान)

26 फरवरी 2025: महाशिवरात्रि (अंतिम शाही स्नान) होना अभी बाकी है।

विश्व के सर्वाधिक महान इस मेले में करोड़ों लोग पुण्य स्नान कर चुके हैं, जबकि करोड़ों ही अभी इसमें भाग लेने वाले हैं। सर्वाधिक सुंदर बात यह देखने को मिली कि इस मेले में केवल भारतीय मूल के लोग ही नहीं, वरन् उन देशों के लोग भी पहुंचे जो पश्चिमी सभ्यता से त्रस्त होकर अब शांति की खोज में सनातन धर्म की ओर आशा भरी निगाहों से देख रहे हैं। सनातन धर्म का इससे अधिक सर्वोत्तम स्वरूप और क्या हो सकता है कि कुंभ महापर्व में एक शिविर ऐसा भी लगा हुआ है, जहां यूक्रेन और रूस के लोग एक साथ बैठकर हरे रामा हरे कृष्णा का पावन जाप कर रहे हैं। दुनिया भर के महा पंडित और वैज्ञानिक भारत की इस पुरातन धरोहर का अध्ययन करने कुंभ मेले में पहुंचे हुए हैं। हर कोई अचंभित है और समझने का प्रयास कर रहा है कि भारतवर्ष की संस्कृति और सनातन में ऐसा क्या आकर्षण है, कि स्थान विशेष पर करोड़ों लोग, बगैर निमंत्रण के स्वस्फूर्त होकर एक अदृश्य डोरी में बंधे हुए खिंचे चले आते हैं। सत्य है, सनातन धर्म केवल मनुष्य ही नहीं, जीव मात्र के लिए भी कल्याणकारी ईश्वरीय मार्ग है। क्योंकि विश्व भर में मत और संप्रदाय तो अनेक हैं, किंतु धर्म एकमात्र सनातन ही है जो सबके मंगल की कामना करता है।

सर्वे भवंतु सुखिनः सर्वे संतु निरामयाः
सर्वे भद्राणि पश्यंतु मां कश्चिद दुख भाग्भवेत।।

लोगों के साथ पैदल चलना भूलते जा रहे हैं नेता

दृष्टिकोण

ध्रुव शुक्ल

लेखक साहित्यकार हैं।

रामायण में अन्याय का सामना करने के लिए राम ने पैदल चलने का मार्ग अपनाया। गौतम बुद्ध ने मनुष्य के दुख को पहचानने के लिए पैदल राह पकड़ी। आदि शंकराचार्य भारत की सनातन दृष्टि के अनुरूप जीवन की वीणा पर अद्वैत का स्वर साधने के लिए देश की चारों दिशाओं में पैदल चल पड़े। कवि रवीन्द्रनाथ टेगोर ने गीत गाकर कहा कि... भले कोई साथ न हो, अकेले ही चल दो। महात्मा गांधी सबके हिस्से का नमक उठाने कुछ लोगों के साथ पैदल चल पड़े और कारवां बनता गया, बढ़ता गया। अन्याय की सत्ता कांपने लगी।

अन्याय हमेशा अस्त्र-शस्त्र से लैस विशाल रथ पर सवार होकर चुनौती देता है। राम ऐसे ही रथ के सामने सैकड़ों मील पैदल चलते हुए पहुँचे। वे ज़मीन पर खड़े थे और अन्याय का सामना करने के लिए उनका आत्मबल से उज्ज्वल शरीर ही रथ बन गया था। राम की देह के रथ के सौन्दर्य का वर्णन करते हुए महाकवि तुलसीदास कहते हैं कि...

शौर्य और धैर्य ही इस रथ के दो पहिए हैं। सत्याग्रह उस पर लहराती मजबूत ध्वजा-पताका है। शक्ति, समझदारी, संयम और परोपकार ही इस रथ के घोड़े हैं जो दया, क्षमा और समता की डोर से जुड़े हैं। प्रार्थना ही इस रथ की सारथी है। त्याग ही उसकी ढाल और संतोष तलवार है। श्रेष्ठ विज्ञान ही धनुष है। सद्भाव से संचित बुद्धि ही प्रचण्ड शक्ति है और निर्मल मन ही वह तरकस है जिसमें सबके बहुरंगी विश्वासों के बाण भरे हैं। ऐसा धर्ममय शरीर रूपी रथ जिसके पास हो वह सबके बहुरंगी विश्वासों की एकता के बाण चलाकर अन्याय का सामना करने में इतना समर्थ हो जाता है कि कोई अन्यायी उसे परास्त नहीं कर सकता।

महात्मा गांधी के पास इसी परखे हुए रथ का एकमात्र विकल्प था। वे चम्पारण से नोआखाली तक असहाय और पराधीन लोगों के पास पैदल चलकर गये। उनके मन में केवल यही भाव था कि लोगों के बीच जाकर उनकी पीड़ा को जानो और उन्हें इस पीड़ा के पैदा होने का सच बताओ... गो टु द पीपुल, टेल द ट्रुथ। ...फिर लोग अपना रास्ता ख़ुद निकाल लेंगे। अन्याय साधुवेश में सत्ता का अपहरण करने आता रहा है। जीवन को बहुरूपिए ही ठगते रहते हैं। सत्याग्रह की सफलता के लिए महात्मा गांधी ने अपने लिए असहाय जीवन के रहन-सहन और पहनावे को चुना। बहुरंगी जीवन के सत्य का साक्षात्कार गैरबराबरी में संभव नहीं। उसे तो कार्यकुशल परस्पर सहयोग और बंधुता की चौपाल चाहिए।

चाहे दायें से चलो, चाहे बायें से चलो... पैदल चलने में राम-राम और दुआ-सलाम की पुकारें बहुत करीब की लगती हैं। सुख-दुख की साझेदारी होती है। ये रोड-शो का ज़माना है। ये रोड-शो बहुत खर्च उठाकर प्रायोजित होते हैं। बड़ी महंगी कारों और ट्रकों में बैठकर सजे-संवरे नेता सड़क के दोनों तरफ़ खड़ी जनता से अपनी तरफ़ फूलों की पंखुड़ियां फिंकवाने का स्वांग भरते हैं और उन कोमल पंखुड़ियों को जब इन की बुलेट-प्रूफ गाड़ियां आहिस्ता-आहिस्ता कुचलती चल रही होती हैं तो कितनी वीभत्स जान पड़ती हैं। अपना ढोल पीटते ये नेता दूर से जनता की तरफ़ हाथ हिलाते हुए उससे कितने दूर दिखायी देते हैं। ये अपने देश के लोगों के साथ पैदल चलना भूलते जा रहे हैं।

सुबह सवेरे मीडिया एल.एल.पी. के लिए उमेश त्रिवेदी द्वारा पी.जी. इंफ्रास्ट्रक्चर एण्ड सर्विसेस प्रा. लि., राउखेड़ी, देवास रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 662, साईं कृपा कॉलोनी, बॉम्बे हॉस्पिटल के सामने, इंदौर से प्रकाशित।

प्रधान संपादक - उमेश त्रिवेदी
संपादक (म.प्र.) -विनोद तिवारी
कार्यकारी प्रधान संपादक - अजय बोकिल
स्थानीय संपादक - हेमंत पाल
प्रबंध संपादक - अरुण पटेल

(सभी विवादों का न्याय क्षेत्र इंदौर रहेगा)
RNI No. MPHIN/ 2015/ 66040,
Mobile No.: 09893032101
Email- subahsaverenews@gmail.com

'सुबह सवेरे' में प्रकाशित विचार लेखकों के निजी मत हैं। इनसे समाचार पत्र का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

व्यंग्य

राजेंद्र बज

लेखक व्यंग्यकार हैं।

बजट को लेकर बोलना जरूरी है

बजट न कभी मुझे पहले समझ में आया था और न ही अब समझ में आया। लेकिन हर बार बजट पर प्रतिक्रिया देने से मैं बाज नहीं आता। इसके चलते जान पहचान वाले लोगों के बीच अच्छी छाप पड़ती है। दरअसल राष्ट्रीय स्तर की सोच का प्रदर्शन करने के लिए आदमी को हर बार बजट को लेकर चाहे इस तरह से या उस तरह से, लेकिन प्रतिक्रिया अवश्य देना चाहिए। वैसे जो सत्तापक्ष के पक्षधर होते है, वह तो हर एक बजट पर लट्टू हो जाते है। और जो विरोधी मानसिकता से ग्रस्त होते हैं, बजट को आम आदमी की कमर तोड़ने वाला निरूपित किया करते हैं। दरअसल हर एक बजट पर व्यक्त की जाने वाली प्रतिक्रिया राजनीतिक सोच पर ही टिकी हुआ करती है।

इस बिरादरी के लोग हर एक बजट आने के पूर्व ही यह तय कर लेते हैं कि इस पर कैसी प्रतिक्रिया देनी है ? इन्हें ऐसी प्रतिक्रिया देने के लिए कोई दिमाग नहीं खपाना पड़ता। वैसे भी इस बिरादरी के लोग जो बजट को लेकर मुंह खोलते हैं,अर्थशास्त्र की एबीसी से अनभिज्ञ रहने पर भी वित्तीय मामलों के गहरे जानकार बने नजर आते हैं। असल समस्या उनके लिए होती है जो राजनीतिक दृष्टि से न इधर के होते हैं न उधर के। ऐसी स्थिति में आदमी को चाहिए कि बजट को लेकर चार लोगों के साथ चर्चा के बीच बहुमत की राय के अनुसार अपनी राय बनाएं और उसे व्यक्त करें। अनावश्यक रूप से बजट की ज्यादा गहराई में उतरने का कोई अर्थ नहीं है।

दरअसल हर बजट से मुद्रा के मूल्य को लू तो लगना ही होती है। लेकिन हर बजट पर ताली बजाने वाले ताली बजाते हैं और छाती पीटने वाले छाती पीटे बिना नहीं रहते। वैसे इनकी यही नियति है। कोई इधर का है तो कोई उधर का है। मरण तो केवल उसका है जो अधर में है। जिसे हम मध्यम वर्ग के रूप में जानते है। अब ऐसा है कि जिनके पास कुछ नहीं है, उनका बजट से क्या लेना देना ! और जिनके पास सब कुछ है, उनको आखिर बजट से फर्क ही क्या पड़ता है ! लेकिन मध्यम वर्ग न तो गरीबों की रेखा में है और न ही अमीरी की रेखा में, आखिर उसे ही तो राजनीतिज्ञों की दरियादिली का भारी बोझा उठाना होगा।

खैर, कुछ भी हो लेकिन बजट आने पर मुंह खोलना एक प्रकार से बुद्धिजीवित्व की निशानी हुआ करती है। अब आप ही सोचिए, चौराहे पर हर कोई बजट की खाल खींचने पर उतारू हो या फिर बजट को लेकर तारीफ के कशीदे पढ़ रहा हो, और हम बजट को लेकर एकदम चुप्पी साधकर बैठे रहे, तो भला चार लोगों के बीच हमारी साख ही क्या रह जाएगी ! लोग तो एकदम बुद्धू ही समझेंगे। इसलिए मेरा मानना है कि हर किसी को बजट पर कुछ न कुछ तो बोलना ही चाहिए। वैसे भी बजट को लेकर जो जितनी जोर-शोर से उसके पक्ष और विपक्ष में अलग-अलग दृष्टांत देते हैं, वे एक सिरे को पकड़ कर ही चार लोगों बीच अपनी छाप छोड़ते हैं। बजट में ज्यादा डुबकी नहीं लगाते।

और हां, और कुछ नहीं तो विभिन्न अखबारों के मोटे-मोटे शीर्षकों में ही बजट का सार समाया हुआ होता है, इसलिए उन शीर्षकों के उच्चारण मात्र से भी अपनी विद्वत की छाप छोड़ी जा सकती है। यह भी नहीं तो बजट चाहे कैसा भी हो, लेकिन उस पर इतना तो आंख मूंदकर कहा जा सकता है कि बहुत ही सफाई के आम जनता की जेब पर बोझा डाला गया है और बहुत चतुराई के साथ जनता को नवाजा भी गया है। ऐसी प्रतिक्रिया भी चार लोगों के बीच यह जाहिर करती है कि हमने बजट का गहराई से अध्ययन किया है। अगर आपने बजट को लेकर मुंह नहीं खोला है, तो यह इस बात का सूचक सिद्ध होगा कि आप एक जागरूक नागरिक नहीं है।

विश्व आर्द्र भूमि दिवस पर

प्रमोद दीक्षित मलय

लेखक शिक्षक एवं शैक्षिक संवाद मंच के संस्थापक हैं।

जैव विविधता की समृद्धि का आधार है आर्द्र भूमि

प्रकृति जीवों-पादपों की पोषक है, सांसों का स्पंदन है। प्रकृति की रचना में जीवन का सौंदर्य एवं लास्य नर्तन है। ऊंचे उठे नभ छूते गिरि शिखरों पर हिम की रजत चादर हो या पर्वतों से जीवन धारा बन निकली बलखाती चंचल सरिताएं हों। तमाम पशु-पक्षियों एवं मानव को भोजन, आश्रय एवं जीवनोपयोगी संसाधन भेंट करते समृद्ध कानन हों या सतत गर्जना करते उत्ताल लहरों से लोक को नाना प्रकार के रत्नों के उपहार बांटते रत्नाकर महासागर हों। पशु-पक्षियों की क्षुधा मिटाते घास के विस्तीर्ण मैदान हों या फिर नागफनी जैसे कंटीले पौधों के रंग-बिरंगे फूलों से सजा रेगिस्तान। प्रकृति की यह वैविध्यपूर्ण बनावट धरती में जीवन गढ़ती है, रचती है। नदी, झील, डेल्टा, घाटी, जल, जंगल, पर्वत, पठार, उदधि, उपवन, रेत, खेत इन सभी में सौंदर्य बिखरा पड़ा है जो मानव मन को आकर्षित करता है। लेकिन प्रकृति की तमाम अद्भुत रचनाओं में से एक रचना पर हमारा ध्यान कभी नहीं जाता, हम उसके महत्व एवं पारिस्थितिकी तंत्र में उसकी भूमिका से सर्वथा अपरिचित हैं और वह अप्रतिम प्राकृतिक संरचना है आर्द्र भूमि अर्थात धरती का नमी वाला क्षेत्र। वायुमंडल में जलवाष्प की उपलब्धता, आंधी-तूफान और सागरीय चक्रवात, वर्षा एवं वायु विक्षोभ आदि का आधार भूमि की आर्द्रता ही होती है, यह हममें से बहुत कम लोग जानते हैं। इसलिए आर्द्र भूमि के महत्व एवं योगदान से परिचित कराने हेतु वैश्विक आयोजन प्रत्येक वर्ष 2 फरवरी को विश्व आर्द्रता दिवस के रूप में किया जाता है। रामसर सम्मेलन में हुई संधि की 54वीं वर्षगांठ हम 2025 में मना रहे हैं।

इसके पहले कि मैं आर्द्र भूमि दिवस मनाने के उद्देश्यों, जीवों-पादपों के जीवन चक्र पर आर्द्रता के पड़ने वाले प्रभावों एवं पारिस्थितिकी तंत्र की बनावट-बसाहट पर बात करूं, मुझे लगता है कि आर्द्र भूमि को समझना समीचीन होगा। आर्द्र भूमि पारिस्थितिकी तंत्र अंतर्गत धरती का वह विशेष क्षेत्र होता है जो आंशिक या पूर्णत: वर्ष भर, न्यूनतम आठ महीने, प्राय: जल में डूबा रहता है और जहां जलीय पादपों एवं जल-जीवों की तमाम प्रजातियां विकसित होकर इको सिस्टम को समृद्ध करती हैं। एक प्रकार से भरपूर नमीयुक्त यह दलदली भूभाग जलीय एवं स्थलीय जैव विविधता का मिलन बिंदु या संधि क्षेत्र होता है। दुर्भाग्य से मानवीय दखल एवं हस्तक्षेप से सम्पूर्ण विश्व में आर्द्र भूमि पर संकट उभरा है जो न केवल मानव जीवन बल्कि पूरे जीव-पादप विकास एवं जैव जीवन पर खतरा बनकर मंडरा रहा है, क्योंकि आर्द्र भूमि का खत्म होना या क्षेत्र कम होना पारिस्थितिकी तंत्र के प्राकृतिक चक्र को अस्थिर कर देगा और तब तमाम जीव-पादप प्रजातियां विलुप्त हो जायेंगी। इस दृष्टि से विचार करके 2 फरवरी, 1971 को कैस्पियन सागर के तट पर ईरान के रामसर नगर में आर्द्र भूमि के संरक्षण, युक्तिसंगत उपयोग एवं तत्संबंधी वैश्विक जागरूकता के लिए आयोजित सम्मेलन में एक समझौता हुआ जिसे रामसर संधि कहा जाता है। जिसमें कहा गया कि प्रत्येक देश अपने यहां नेचुरल वेट लैंड अर्थात् प्राकृतिक आर्द्र भूमि को चिह्नित करेगा। ऐसे चिह्नित सभी स्थल रामसर साइट कहे जायेंगे और उनकी एक समग्र वैश्विक सूची बनाई जायेगी। वर्तमान समय में इस सूची में 171 देशों की 2300 से अधिक आर्द्र भूमियों का अंकन किया गया है। संख्या की दृष्टि से सबसे अधिक रामसर साइट यूनाइटेड किंगडम में हैं तो क्षेत्रफल के हिसाब से दक्षिण अमरीकी देश बोलविया शीर्ष पर है। संयुक्त राज्य अमेरिका का एवरग्लेड्स वेटलैंड विश्व की सबसे बड़ी रामसर साइट है। इसके साथ ही इन सूचीबद्ध रामसर आर्द्र भूमियों में से ऐसे स्थल जो मानवीय हस्तक्षेप, प्रदूषण एवं तकनीकी विकास के कारण बड़े बदलावों का शिकार हुए या हो रहे हैं, उन्हें मोंट्रिक्स रिकार्ड नामक एक पंजिका में अंकित कर संरक्षण के विशेष प्रयास किये जाने हेतु योजना बनाई गयी है और सरकारी एजेंसियों एवं पर्यावरण मुद्दे पर केंद्रित स्वैच्छिक संस्थाओं द्वारा योजनानुसार संरक्षण कार्य किये जा रहे हैं। मोंट्रिक्स रिकार्ड सूची में भारत के दो आर्द्र स्थल शामिल हैं। वर्ष 1990 में केवलादेव घना पक्षी बिहार, भरतपुर (राजस्थान) तथा 1993 में लोमतक झील मणिपुर को संकटग्रस्त रामसर साइट के रूप में पहचाना गया। रामसर सम्मेलन के 26 साल बाद 2 फरवरी, 1997 को पहली बार विश्व आर्द्र भूमि दिवस मनाया गया।

रामसर संधि के तहत समुद्र स्तर से 6 मीटर ऊंचा ज्वार-भाटा आच्छादित तटीय क्षेत्र एवं गहरे धान क्षेत्र, डेल्टा, झीलें आदि आर्द्र भूमि अंतर्गत शामिल हैं। विश्व की एक अरब आबादी का जीवन यापन आर्द्र भूमि पर ही निर्भर है। वहीं भूमि आधारित कार्बन के 30 प्रतिशत हिस्से का स्रोत भी यही वेट लैंड साइट ही है। आर्द्र भूमियों के महत्व को हम युनेस्को के एक कथन से समझ सकते हैं कि आर्द्र भूमि पर खतरा उत्पन्न होने से विश्व की 40 प्रतिशत वनस्पतियां एवं जीवों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा जो इन आर्द्र भूमियों पर पाये जाते हैं और प्रजनन करते हैं। विश्व की भू सतह का 6 प्रतिशत हिस्सा आर्द्र भूमि है। भारत के संदर्भ में देखें तो 4.6 प्रतिशत भूमि नमीयुक्त है जिसके अंतर्गत 47 रामसर साइट शामिल हैं जो लगभग ग्यारह लाख हेक्टेयर भू क्षेत्र को आच्छादित करती हैं। इनमें चिल्का झील उड़ीसा, नंगल एवं रोपड वेटलैंड पंजाब, भिंडावास अभयारण्य हरियाणा, कांवर झील बिहार, अष्टमुड़ी केरल, दीपोर आर्द्र भूमि असम, सांभर झील राजस्थान, रुद्रसागर झील त्रिपुरा, रेणुका आर्द्र भूमि हिमाचल प्रदेश, सुंदरवन पश्चिम बंगाल, केवलादेव राष्ट्रीय उद्यान (भरतपुर पक्षी विहार, राजस्थान), स्तार्ता सापुक लद्दाख, भोज आर्द्र भूमि मध्यप्रदेश आदि सहित बिजनौर गंगा बैराज का क्षेत्र हैदरपुर जो वर्ष 2021 में ही इस सूची में शामिल किया गया है। इनमें हिमाचल एवं लद्दाख सहित उत्तरी ठंडे एवं शुष्क क्षेत्र, दक्षिण का तटीय क्षेत्र, मानसूनी वन प्रदेश, बाढ़ वाले मैदानी इलाके, डेल्टा एवं झीलें आदि सम्मिलित हैं। 4230 वर्ग किमी क्षेत्र में फैला सुंदरवन भारत का सबसे बड़ा रामसर साइट है तो हिमाचल का रेणुका वेटलैंड सबसे छोटा मात्र 0.2 वर्ग किमी क्षेत्र। उल्लेखनीय है कि रामसर संधि भारत में फरवरी 1982 से लागू हुई। आर्द्र भूमियों के उचित संरक्षण एवं रख-रखाव के लिए एक केंद्रीय कानून आर्द्र भूमि संरक्षण एवं प्रबंधन नियम 2017 के अंतर्गत सुनियोजित ढांचा विकसित किया गया है। 2 फरवरी, 2021 को आर्द्र भूमि संरक्षण एवं प्रबंधन केंद्र स्थापित कर आर्द्र भूमियों की आवश्यकता, अनुसंधान, संरक्षण एवं सम्बंधित ज्ञान-सूचना को परस्पर साझा करने के ठोस प्रयास शुरू किये गये। वर्ष 2025 के आयोजनों की थीम है - हमारे साझा भविष्य के लिए आर्द्र भूमियों का संरक्षण।

वास्तव में आर्द्र भूमि जीव-पादप के समुचित विकास का आधार बन जैव विविधता को पुष्टि प्रदान करती है। यहां से कच्चा माल, दवा, वनस्पतियां, आहार आदि की प्राप्ति होती है तो वहीं यह पर्यावरण को साफ-सुथरा रखने में भी सहायक है। यह कचरे के छानने हेतु प्राकृतिक छन्ने का काम करती है।

जलवायु परिवर्तन की घटनाओं के प्रभाव को कम कर पीने का पानी के स्रोत भी हैं। अति संवेदनशील ये स्थल उन जलीय वनस्पतियों एवं मछलियों को पनपने का अनुकूल परिवेश देते हैं जो अन्यत्र दुर्लभ हैं। इस प्रकार आर्द्र भूमियां एक प्रकार से जीवन को संवारती-सजाती है। हमारा कर्तव्य है कि हम भी इन आर्द्र भूमियों को संभालें-संवारें और आगामी पीढ़ी को समृद्ध जैव विविधता पूर्ण खिली-महकती दुनिया सौंपें।

बसंत पंचमी पर संस्मरण

कारुलाल जमड़ा 'कारुण्य'

लेखक शिक्षक एवं साहित्यकार हैं।

मैं शारदे को कंधे पर उठाकर चलता हूं

किसी भी संगीत वाद्य को माँ सरस्वती या शारदा का प्रतीक माना जाता है और यही कारण है कि मैंने अपने दादाजी के समय से ही घर में हर वसंत पंचमी पर तबला (दादाजी), सारंगी (बड़े दादाजी) शहनाई (छोटे दादाजी) ढोलक (पिताजी) आदि की पूजा होते हुए देखी है। यहाँ तक कि हर विवाह-शादी में कुंकुम-अक्षत और विशेषकर वसंत पंचमी पर यजमानों द्वारा पहले गुलाल से ढोल की पूजा की जाती है तब वादक उनको बजाने की शुरुआत करते हैं।

1986 की बात हैं। मेरी उम्र करीब 13 बरस थी और पिताजी नजदीक के नवीन निजी स्कूल में वसंत पंचमी पर ढोलक वादन हेतु बुलाए गए थे। उन्हें पहुंचे बहुत समय हो गया था। विद्यालय में सरस्वती जी की तस्वीर नहीं होने से पूजन में देरी हो रही थी।आस- पड़ोस में तस्वीर की तलाश जारी थी। तभी पिताजी ने कहा कि उन्हें देर हो रही है और इसलिए पहले ढोलक की पूजा कर दी जाए, ताकि वे बजाना शुरू करे।

इस बात पर स्कूल के प्रबंधक नाराज होकर बोले कि पहले सरस्वती जी की पूजा होगी, आप ढोलक बजाना शुरू करेद्य यह सुनकर पिताजी ने जो प्रत्युत्तर दिया,वो इस तरह था, 'श्री मान जी! आप सरस्वती के नहीं लक्ष्मी के पुजारी हैं, इसलिए आप सरस्वती को ढूँढ रहे हैं। मेरे लिए तो मेरी यह ढोलक ही शारदा है, सरस्वती है और मैं इसे कंधे पर लेकर घूमता हूँ। सरस्वती मंदिरों और तस्वीरों में नहीं मन में, बुद्धि में, वाणी में बसती है। इसलिए चूंकि हम हर वाद्ययंत्र मन से बजाते हैं, यही हमारी शारदा है। सरस्वती के मंदिर नहीं होते। पहले आप इसकी पूजा करे।'

बहुत छोटी उम्र का होने के कारण मैंने पिताजी की इस बात को वाद्य पूजन की परंपरा के तौर पर लिया। पर बहुत बाद में जाकर मुझे इस बात का भान हुआ कि सचमुच सरस्वती के मन्दिर क्यों नहीं होते,क्योंकि वह सदैव गायक के कंठ में,वादक के वाद्य यंत्र में और कवि की कलम में साथ-साथ चलती है। पिताजी ताउम्र सरस्वती के साधक रहे।वे बहुत अधिक शिक्षित नहीं थे,पर सरस्वती के सच्चे साधक थे। आज वे नहीं हैं पर उनके उस जवाब पर गर्व महसूस होता है द्य वर्तमान समय में धन-संपत्ति की अति की कामना से दूर संगीत के सच्चे साधकों को, जो मां शारदा के अनन्य भक्त हैं, उन्हें नमन!

जब बसंत अपने रंग-बिरंगे रंग दिखाए

सब का हृदय खिल-खिल जाए,
मस्ती में सब गाए गीत मल्हार।
नाचे गाए सब मन बहलाए,
जब बसंत अपने रंग-बिरंगे रंग दिखाए।।
खिलकर फूल गुलाब यूँ इठलाए,
चारों ओर मंद-मंद खुशबू फैलाए।

प्रकृति भी नए-नए रूप दिखाएं,
जब बसंत अपने रंग-बिरंगे रंग दिखाए।।
सूरज की लाली सबको भाए,
देख बसंत वृक्ष भी शाखा लहराए।
खुला नीला आसमां सबके मन को हर्षाये,
जब बसंत अपने रंग-बिरंगे रंग दिखाएं।।
नई उमंग लेकर नदियां भी बहती जाए,
चारों ओर हरियाली ही हरियाली छाए।
शीत ऋतु भी छूमंतर हो जाए,
जब बसंत अपने रंग-बिरंगे रंग दिखाए।।

नरेंद्र वर्मा

बसंत पंचमी

विवेक कुमार मिश्र

लेखक हिंदी के प्रोफेसर हैं।

बसंत के फूलों की तरह पूर्णता में खिल जाओ

आहा बसंत। आह्लादित बसंत। इस समय पूरी प्रकृति खिली हुई मगन मन मिलती है। यह समय ऋतुराज का है। दूर दूर तक बसंत का ही राज होता है। प्रकृति का वैभव देखना हो तो निकल पड़े खेत की मेड़ों पर, सरसों के खेत में और बसंत के रंग व उत्सव को महसूस करें। सड़क के किनारे से जहां तक दृष्टि जाती है कोई और नहीं बस बसंत का उत्सव मनाती प्रकृति ही दिखाई देती है। चारों तरफ सरसों के फूल खिलें हैं। प्रकृति का हर कोना इस समय खिला ही दिखता है। सर्जना और रचना की देवी सरस्वती का प्राकट्य दिवस भी बसंत पंचमी है। बसंत के साथ ही वासंती मन खिल उठता है। बसंत अपनी घोषणा आने से पहले ही शुरु कर देता है, चारों तरफ एक उत्सव और उत्साह का रंग ही चल पड़ता है यहां कोई एक नहीं पूरी प्रकृति ही खिल जाती है। इस खिलने में सब साथ होते हैं क्या मानुष क्या जीव जगत सृष्टि के प्रत्येक क्षेत्र में बसंत का ही राज दिखता है। यह समय उल्लास का होता है, उर्जा का होता है, उत्साह का होता है।

इस समय प्रकृति की देवी मां सरस्वती से सब एक ही प्रार्थना करते हैं कि हे मां मेरे भीतर सृजन का भाव, कुछ नया करने का उत्साह और जीवन संसार को उत्साह के साथ देखने की शक्ति और दृष्टि दें। बसंत बाहर से नहीं आता, बसंत भीतर की प्रकृति है जब तक हम अपनी भीतरी शक्तियों से खुश नहीं होते हैं तब तक हमारे भीतर बसंत नहीं आता न ही आंतरिक खुशी है। बसंत का सीधा संदर्भ जगत में खुशी बिखेरना है इस समय खुशी के फूल ऐसे खिले हैं कि देखते देखते मन आह्लादित हो जाता है। मन का झूम जाना ही तो बसंत है। जो बसंत में भी नहीं झूम सकता जिसे बसंत भी खुशी और खुशी का रंग नहीं दे सकता उसका क्या कीजियेगा। वह तो बस पड़ा और पड़ा ही रहना चाहता है।

बसंत बराबर से यहीं कहता आ रहा है कि प्रकृति के स्पंदन के साथ चलों, प्रकृति के रंग में रंग जाओ और मुक्त मन से आह्लादित होकर रचनात्मक बनों, अपने रचनात्मक भाव से सृष्टि के विस्तार में सहभागी बनते चलों... नित्य कुछ खिलते कुछ रचते गतिज मुद्रा में आगे बढ़ते रहो। प्रकृति के वैभव को बसंत पंचमी के पर्व के साथ महसूस करते हुए आगे बढ़ों, रचना की देवी मां सरस्वती हम सबके भीतर सृजन शक्ति को भरें हमारे भीतर खुशहाली का भाव हो और आंतरिक आह्लाद से उत्साहित होकर हम सब कार्य करते चलें। खिली हुई प्रकृति, खिली हुई धूप और खिली हुई यह जो वासंती चादर धरती पर दूर दूर तक विछी हुई है वह यही तो कहती आ रही है कि कहां पड़े हो, अरे बंद कमरों में या कंक्रीट के जंगल में खो जाने का यह समय नहीं है, यह समय तो प्रकृति के विस्तृत आंगन में खिले हुए फूलों के साथ आह्लादित होते हुए मगन होने का है। यह समय मगन भाव का है और यह मगनता भी आंतरिक संसार की है। रचनात्मकता की देवी मां सरस्वती हमारे आंतरिक वैभव को संरक्षित करती हैं यह कृपा भाव मां सरस्वती का, प्रकृति की देवी का, उत्साह और उल्लास की देवी सरस्वती का सभी पर बन रहे और सृष्टि मात्र में यह बासंती रंग समाया रहे बस यहीं तो बसंत कह रहा है।

बसंत सबके भीतर बस जाता है। हमारी भीतरी शक्ति को जगाने का काम बसंत करता है। यह पर्व नवता का है नवोन्मेष का है जो कुछ भी हम कर रहे हैं वह नये रंग में हो। नव पल्लव नव सृजन का पर्व है। बसंत खिलने का है मन के रंग जाने का है। बसंत की नवता पूरी सृष्टि में छा जाती है। सृष्टि के कण कण में जो उल्लास है वहीं तो जीवन है वहीं तो रंग है और वही तो उत्साह है। बसंत को दूर से नहीं समझा जा सकता है बसंत को जानने के लिए आपको प्रकृति के भीतर उतरना होगा। बसंत जीवन जीने का उत्सव है।

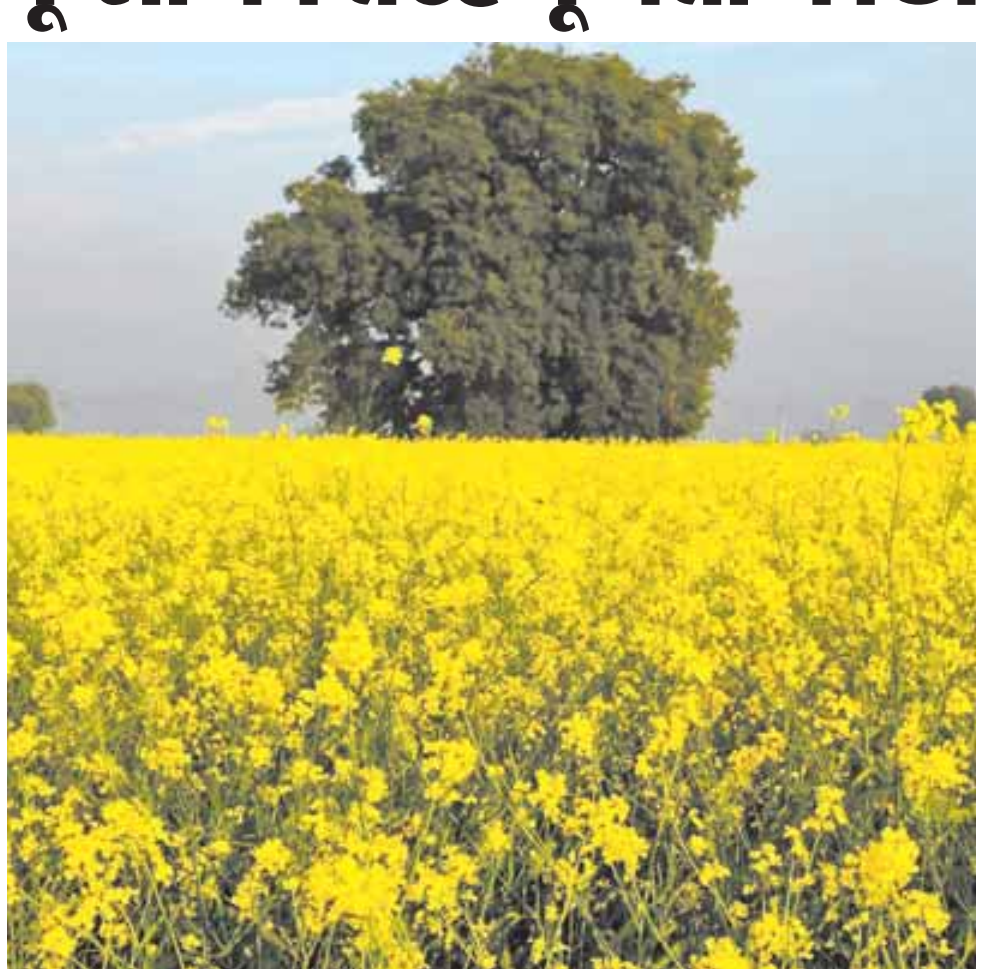

खिली हुई प्रकृति हमें रचने और रंगने का भाव देती है। यह पर्व रचने का है, सृजन के आधार का है। यह पर्व उत्सव भाव से हमारे पूरे जीवन को रंगने का काम करता है। न जाने कब से बसंत कह रहा है कि खिलों, उल्लास और उत्सव के रंग में रचो बसों... काश ! बसंत के रंग और उत्सव को समझते हुए हम सब जीवन पथ पर आगे बढ़ते तो सही मायने में हम सब बसंत को ही जी रहे होते हैं। बसंत जीने के उल्लास का पर्व है, मन की आनंद दशा का पर्व है और यह सब वाह्य संसार से होते हुए आंतरिक संसार की खुशी का पर्व है। बसंत कहता है कि पूर्णता में मगन हो जाओ प्रकृति के रंग में खिल जाओ। बसंत के फूलों के साथ तुम इस तरह से रच बस जाओ कि सारा संसार तुम्हारे ही रंग में रंगा हुआ दिखें और तुम्हारे ही किनारे से खिली प्रकृति का दर्शन हो, प्रकृति के साथ रंग जाने में खिल जाने में ही संसार अपने पूरे वैभव के साथ सामने आता है। कहते हैं कि बसंत के साथ केवल प्रकृति ही नहीं खिलती है पूरा ही मन खिल जाता है। खिलते हुए जीवन उत्सव के रंग में प्रकृति का अपने पूरे वैभव के साथ खिल जाना ही बसंत का हो जाना है। बसंत का यह खिलना ही अहा! बसंत है।

आयुष आर्य ने प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण की पीजी की डिग्री

बैतूल। बैतूल के पूर्व विधायक अलकेश आर्य के मेधावी पुत्र आयुष आर्य ने नागपुर विश्वविद्यालय में एमबीबीएस के बाद पीजी की डिग्री प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण की है। बैतूल से प्राथमिक शिक्षा पूरी करने के बाद आयुष ने अपने पिता पूर्व विधायक अलकेश आर्य के मार्गदर्शन में चिकित्सा क्षेत्र में जाने का निर्णय लिया था। उन्होंने इंदौर के प्रसिद्ध एमजीएम कालेज में एमबीबीएस की डिग्री हासिल की थी। यह परीक्षा भी उन्होंने प्रदेश के टॉप विद्यार्थियों में शामिल होकर उत्तीर्ण की थी। इसके बाद उन्होंने रेडियोलाजिस्ट में स्नाकोत्तर डिग्री हासिल करने के लिए नागपुर के प्रख्यात शासकीय महाविद्यालय को चुना। करीब 3 वर्ष तक पीजी की डिग्री हासिल करने के लिए उन्होंने परीक्षा दी। जिसका परिणाम घोषित किया गया है।

नहर में मिला 4 वर्ष के मासूम का शव

बैतूल। सोहागपुर में आंगनवाड़ी गए एक मासूम की लाश गांव के पास नहर में मिली। पुलिस ने शव को निकलवाकर जिला अस्पताल में पोस्टमार्ट्म करवाया। एएसआई संजय कलम ने बताया कि सुधीश शाम को गन्ना मिल से लौटे, तो उन्हें बेटा घर पर नहीं मिला। तलाश के दौरान नहर के पास मासूम की चप्पल मिली और कुछ दूर पर पानी में उसका शव मिला। पुलिस ने शव को जिला अस्पताल में पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। मामले में आंगनवाड़ी सहायिका कल्पना बिनझड़े का बयान है कि उन्होंने दोपहर में बच्चे को खाना खिलाकर घर छोड़ा था। वहीं बच्चे के पिता का कहना है कि बच्चा सुबह अकेले आंगनवाड़ी गया था। घर और आंगनवाड़ी के बीच सांपना डैम से निकली नहर बहती है, ऐसे में बच्चे को घर छोडने की जिम्मेदारी सहायिका की होती है। जानकारी के मुताबिक बच्चे के माता-पिता दोनों सोहागपुर के गन्ना मिल में मजदूरी करते हैं। पुलिस मामले की गहन जांच कर रही है।

विधायक ने पंचायत भवनों का किया भूमिपूजन

ग्राम रानीडोंगरी, कोंडरखापा, तिरमहु में बनेंगे भवन

बैतूल। आमला ब्लॉक के रानीडोंगरी, कोंडरखापा, तिरमहु ग्राम में 1.1 करोड़ की लागत से पंचायत भवनों को निर्माण होगा। जिसका शनिवार को आमला विधायक ने भूमिपूजन किया। कार्यक्रम में जनपद पंचायत अध्यक्ष गणेश यादव, रामकिशोर देशमुख, यदुराज रघुवंशी समेत स्थानीय जनप्रतिनिधि एवं भाजपा कार्यकर्ता पदाधिकारियों व ग्रामीणजनों भी मौजूद थे। विधायक डॉ. योगेश पंडाग्रे ने कहा कि विकास के मानकों में सबसे महत्वपूर्ण इकाई ग्रामों के सर्वांगीण विकास के कटिबद्ध मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री पहलाद पटेल का क्षेत्र की जनता की ओर से आभार व्यक्त करता हूं, जिनके विशेष सहयोग से पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग अंतर्गत आमला सारणी विधानसभा क्षेत्र के महत्वपूर्ण ग्राम रानीडोंगरी, तिरामहु, कोंढरखापा, अंधारिया, इटावा पंचायतों के लिए सुविधायुक्त नवीन पंचायत भवन निर्माण के लिए लगभग दो करोड़ रुपए की प्रशासनिक स्वीकृति के साथ ही अल्प समय में भूमिपूजन व भवन निर्माण का श्रीगणेश हुआ है।

शिवानी दीदी के कार्यक्रम के लिए निर्धारित संख्या की रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया हुई पूर्ण

पास प्राप्त करने की अंतिम तिथि आज 3 फरवरी, बिना पास प्रवेश नहीं

बैतूल। लाल बहादुर शास्त्री स्टेडियम में गुरुवार 6 फरवरी शाम 5 बजे ब्रह्माकुमारीज़ की विश्व प्रसिद्ध मोटिवेशनल स्पीकर शिवानी दीदी के कार्यक्रम के लिए प्रवेश हेतु ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा निशुल्क रजिस्ट्रेशन तथा पास की व्यवस्था की गई थी। जिसमें एक निर्धारित संख्या में लोगों को प्रवेश देना तय किया गया था। इसके लिए 45 दिन से चल रही रजिस्ट्रेशन कि प्रक्रिया पूर्ण हो गई है। प्रक्रिया पूर्ण होने से अब लोग नए रजिस्ट्रेशन नहीं कर पाएंगे। रजिस्ट्रेशन के पश्चात लोगों को कार्यक्रम में प्रवेश के लिए ब्रह्माकुमारीज़ के निकटतम सेवा केंद्र से निशुल्क पास वितरित किए जा रहे हैं जिसकी अंतिम तिथि आज 3 फरवरी है। कार्यक्रम के व्यवस्थापक द्वारा बताया गया कि जिन्होंने भी अभी तक पास नहीं लिए हैं वे 3 फरवरी तक ब्रह्माकुमारीज़ केंद्र पहुंचकर अपना निःशुल्क एंट्री पास प्राप्त कर सकते है। कार्यक्रम में बिना पास के प्रवेश नहीं दिया जाएगा अतः सभी को अपने साथ पास लाना अनिवार्य होगा।

पास लेने ब्रह्माकुमारी पहुंच रहे लोग .....

कार्यक्रम की व्यवस्थापक ब्रह्माकुमारी सुनीता दीदी ने बताया कि विगत 45 दिनों से रजिस्ट्रेशन और पास देने की प्रक्रिया शुरू है। लोगों को सोशल मीडिया, होर्डिंग्स, बैनर, पर्चो के द्वारा इसकी सूचना दी गई थी। सूचना मिलते ही लोगों ने अपना रजिस्ट्रेशन कराया और पास लेने ब्रह्माकुमारी केंद्र पहुंचने लगे। अब तक हजारों लोग अपना एंट्री पास लेकर जा चुके हैं और जिन्होंने अभी तक पास प्राप्त नहीं किया है वे सोमवार 3 फरवरी तक अपना पास अवश्य ले लेवे।

राज्य शिक्षा केंद्र ने बढ़ाई तिथि, 7 फरवरी तक स्कूल संचालक करा सकते हैं मान्यता का नवीनीकरण

मान्यता नवीनीकरण नहीं कराई तो खटाई में पड़ सकता है, स्कूल का संचालन

संजय द्विवेदी, बैतूल। जिले के निजी स्कूलों के लिए महत्वपूर्ण खबर है। कक्षा एक से 8 तक के निजी विद्यालय शिक्षा का अधिकार अधिनियम अंतर्गत नवीन मान्यता एवं मान्यता नवीनीकरण के लिये तिथि बढाई गई है। इस संबंध में राज्य शिक्षा केन्द्र ने आदेश जारी किये हैं। शैक्षणिक सत्र 2025-26 में शिक्षा के अधिकार अधिनियम के अंतर्गत आवेदन करने की तिथि में वृद्धि की गई है। अशासकीय विद्यालयों की मान्यता नवीनीकरण और नवीन मान्यता के लिए आवेदन की अंतिम तिथि 7 फरवरी निर्धारित की गई है। पूर्व में यह तिथि 31 जनवरी थी। बता दे कि कक्षा पहली से आठवीं तक निजी स्कूलों की आगामी शिक्षण सत्र के लिए नवीन मान्यता की प्रक्रिया 23 दिसंबर से शुरू हुई थी। लेकिन अभी तक मात्र 222 ही निजी स्कूल संचालकों ने आवेदन किये है, जबकि जिले में 342 प्राथमिक-माध्यमिक स्कूल संचालित है। डीपीसी जितेन्द्र भनारिया ने बताया कि राज्य शिक्षा केन्द्र के द्वारा तिथि बढ़ाये जाने के आदेश स्कूलों को भेजे जा चुके है, यदि इसके बाद भी तय तारीख तक स्कूल संचालक मान्यता नवीनीकरण के लिए आवेदन नहीं करते हैं, तो स्कूलों की मान्यता रद्द हो सकती है या अगले सत्र से इन स्कूलों का संचालन खटाई में पड़ सकता है।

स्कूल संचालक छूट की कर रहे मांग.....

मान्यता संबंधी नियमों में बदलाव के कारण स्कूल संचालक छूट की मांग रहे हैं। शासन स्कूल संचालकों से पंजीकृत किरायानामा और एफडी जमा करने पर ही मान्यता देने पर अड़ा हुआ है। ऐसे में स्कूल संचालक समय रहते मान्यता नवीनीकरण नहीं कराते है तो विद्यार्थियों का भविष्य अंधकारमय हो सकता है। हालांकि शिक्षा विभाग के अधिकारियों का कहना है कि स्कूल संचालकों की मांग को मानना या न मानना शासन स्तर का मामला है। इस संबंध में प्रदेश के मुख्यमंत्री और शिक्षा मंत्री ही निर्णय ले सकते है, लेकिन जो निर्देश शासन से प्राप्त हुए है, उसके अनुसार ही कार्य किया जा रहा है। फिलहाल अधिकारियों ने राज्य शिक्षा केंद्र से निर्देश जारी होने के बाद ही सभी निजी स्कूलों को मान्यता नवीनीकरण को लेकर पूरी जानकारी उपलब्ध करा दी थी।

अब तक 222 स्कूल संचालकों ने ही किये आवेदन.....

राज्य शिक्षा केंद्र ने प्राथमिक व माध्यमिक स्कूलों की मान्यता की तारीख 31 जनवरी से बढ़ाकर 7 फरवरी कर दी है। स्कूलों को हर दो साल में मान्यता नवीनीकरण करवाना है। अभी जिले में प्राथमिक व माध्यमिक की मान्यता वाले 342 के लगभग स्कूल हैं, जिनमें से कुछ की मान्यता इस सत्र में खत्म हो रही है। जिला शिक्षा केंद्र की मानें तो निजी स्कूल संचालक मान्यता नवीनीकरण के लिए आवेदन करने में लेटलतीफी कर रहे हैं। अभी तक मात्र 222 स्कूलों ने आवेदन किये है। बताया गया कि बीआरसी द्वारा मान्यता नवीनीकरण संबंधी आवेदन की जांच करने के उपरांत इसे डीपीसी के पास फारवर्ड किया जाता है। जिसके बाद मान्यता दिए जाने की प्रक्रिया पूर्ण की जाती है।

स्कूलों को यह मापदंड करने होंगे पूरे

(1) स्कूल भवन के मानकों का ध्यान रखना होगा। कक्षा कक्ष, कार्यालय कक्ष, प्रधानाध्यापक कक्ष होना अनिवार्य है। अगर स्कूल में भोजन दिया जाता है तो उसके लिए स्वच्छ भोजनालय, सहभंडार कक्ष अनिवार्य ।

(2) स्कूल का स्वयं का भवन होने की स्थिति में भवन, भूमि के दस्तावेज अनिवार्य। किराए का होने पर किरायानामा जरूरी। स्कूल पहुंच मार्ग सही होना, पाठ्य सामग्री, खेलकूद व खेल उपकरण, प्रत्येक कक्षा की उपलब्धता जरूरी।

(3) पुस्तकालय, पत्र, पत्रिकाएं, बालक, बालिका प्रसाधन, दिव्यांग बच्चों के लिए प्रसाधन, अग्नि सुरक्षा उपकरण, प्रत्येक विद्यार्थी के बैठने के लिए पर्याप्त व्यवस्था। विषयवार शिक्षक, अध्यापक, सभी शिक्षकों का जियो टैग फोटो, आधार सत्यापन सहित अन्य नियमों का पालन करना होगा।

इनका कहना -

राज्य शिक्षा केंद्र ने तिथि बढ़ाकर 7 फरवरी कर दी है। जो स्कूल निर्धारित तिथि में मान्यता नवीनीकरण नहीं करायेगे, उनकी मान्यता रद्द हो सकती है। जहां तक बच्चों के भविष्य की बात है तो यह स्कूल संचालकों को सोचना चाहिए। हम तो सिर्फ निर्देशों का पालन कर रहे है। हमनें निजी स्कूल संचालकों को मान्यता नवीनीकरण संबंधी दिशा-निर्देश और तिथि बढने की जानकारी दे दी है।

- जितेंद्र भनारिया, डीपीसी, जिला शिक्षा केंद्र बैतूल

बालाजीपुरम में गरुड़ ध्वज स्थापना के साथ ब्रह्मोत्सव आरंभ

दक्षिण भारत और हिमाचल प्रदेश से आया है पंडितों का दल

बैतूल। भारत के पांचवें धाम श्री रुक्मणी बालाजी मंदिर बालाजीपुरम बैतूल में प्रतिवर्ष की तरह इस वर्ष भी ब्रह्मोत्सव का आयोजन आज रविवार 2 फरवरी बसंत पंचमी से आरंभ हुआ। बालाजीपुरम में ब्रह्मोत्सव इस साल गरूड़ ध्वज की स्थापना के साथ आज से आरंभ हुआ है। यंहा भगवान बालाजी के इस उत्सव के लिए विशेष तैयारियां की गई हैं। इस उत्सव में हर साल की तरह इस साल भी काफी संख्या में श्रद्धालुओं का बालाजीपुरम पहुंचना आरंभ हो गया है। इस संबंध में मंदिर के प्रमुख पुजारी असीम पंडा स्वामी ने बताया कि 2 फरवरी को ही बालाजी मेले का शुभारंभ हुआ, जो 10 फरवरी तक चलेगा। आज 2 फरवरी को बसंत पंचमी से धर्म उत्सव के रूप में हवन-पूजन आदि आरंभ हो गये। पंडितों का दल पूजन-पाठ के साथ यजमानों के लिए भंडारा प्रसादी स्वयं बनाता और परोसता है। इस बार ब्रह्मोत्सव के साथ बगलामुखी देवी की भी प्राण प्रतिष्ठा चित्रकूट धाम स्थित नये मंदिर में आरंभ हो चुकी है।

दक्षिण भारतीय पंडित करेंगे पूजन-हवन

दक्षिण भारत में तिरुपति और अन्य प्रतिष्ठित मंदिरों से संबद्ध पंडितों और आचार्यों का दल भी कल शनिवार को ही बालाजीपुरम पहुंच गया था। ये दल बालाजीपुरम में विराजित प्रत्येक देवी-देवता का पूजन-हवन-अभिषेक करेंगे। सुबह 8 से 12 बजे तक और शाम 3 से 7 बजे तक प्रतिदिन यह प्रक्रिया चलेगी। इसमें कोई भी श्रद्धालु यजमान के रूप में शामिल होकर पुण्यलाभ प्राप्त कर सकता है।

6 फरवरी को कल्याण उत्सव और शोभायात्रा

6 फरवरी को दोपहर 12 बजे से कल्याण उत्सव का भंडारा-प्रसादी होगा। इसमें पंडितों का दल पूजन-पाठ के साथ यजमानों के लिए भंडारा प्रसादी स्वयं बनाता और परोसता है। 7 फरवरी को शाम 7 बजे से भगवान बालाजी की विशाल शोभायात्रा निकलेगी। इसमें गाते-बजाते श्रद्धालुओं के अलावा भजन गायकों की टीम और झांकियां भी रहेंगी।

10 फरवरी को महापूर्णाहूति के साथ समापन

बालाजीपुरम के इस ब्रह्मोत्सव का समापन 10 फरवरी को चंडीयज्ञ में महापूर्णाहूति के बाद दोपहर एक बजे भंडारे के साथ होगा। बालाजीपुरम संस्थापक सेम वर्मा ने सभी श्रद्धालुओं से इस ब्रहोत्सव में शामिल होकर पुण्य लाभ प्राप्त करने की अपील की है।

आत्मबोध से विश्वबोध का हुआ शुभारंभ

बैतूल। जो कभी नहीं बदलता वह सनातन है और जो सनातन है वही हिन्दुत्व है और इसका प्रकटीकरण महाकुंभ के रूप में सम्पूर्ण विश्व देश रहा है। उक्त उद्गार अखिल भारतीय साहित्य परिषद बैतूल द्वारा केन्द्रीय नेतृत्व के निर्देशन में आत्म बोध से विश्व बोध विषय पर प्रारंभ की जा रही व्याख्यान माला के अवसर पर मुख्य अतिथि गायत्री परिवार के दक्षिण जोन प्रभारी श्री उत्तमराव गायकवाड़ ने व्यक्त किए। इससे पूर्व दृष्टि कम्प्यूटर सेंटर पर मां सरस्वती का दीप प्रज्वलन एवं पूजन कर बसंती पंचमी से आगामी वसंत पंचमी तक चलने वाली व्याख्यान माला का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर परिषद के प्रांतीय उपाध्यक्ष श्री सुनील पांसे ने कहा कि वैचारिक प्रबोधन सकारात्मक सोच विकसित करेगा तब मानव कल्याण के कार्य करने से राष्ट्र खड़ा होगा। भारत यह निरंतर संघर्ष के होने और विजय होने का नाम है। हमारी विरासत, परम्परा और संस्कृति का एकात्म स्वरूप ही भारत है। इसलिए आत्म बोध होना आवश्यक है जिसका विश्व को बोध कराने का समय आ चुका है। लोक संस्कृति और साहित्य ही लोक-मंगल का भाव जागृत कराएंगे। प्रांतीय मीडिया प्रभारी नवल वर्मा ने कहा कि देश में जो नकारात्मक प्रचार किया जा रहा है उसका मीडिया के माध्यम से जवाब देना अब जिम्मेदारी है। कार्यक्रम का संचालन जिला अध्यक्ष पुष्पक देशमुख ने एवं आभार जिला महामंत्री धर्मेन्द्र खौसे ने व्यक्त किया। इस अवसर पर बैतूल मीडिया प्रभारी प्रसेन मालवीय, महेंद्र गुदवारे, निरंजन सोनारे, भैयालाल यादव, कमलेश निरापुरे, अनमोल वरकड़े, अजय पवार, नीतू विश्वकर्मा, सोनू पवार, पिंकी यादव, दीक्षा घाणेकर, अंकुर भुमरकर, प्रवीण घाणेकर, मनोज धाड़से, नारायण साहू एवं अनेक साहित्य प्रेमी बंधु उपस्थित थे।

एमएलबी स्कूल के छात्र-छात्राओं ने किया भीमबेटका और तवा रिसॉर्ट का शैक्षणिक भ्रमण

प्राचीन कला से लेकर तवा टनल के आधुनिक जल प्रबंधन का किया अध्ययन

बैतूल। पीएम श्री महारानी लक्ष्मीबाई स्कूल के छात्र-छात्राओं ने शैक्षणिक भ्रमण के तहत भीमबेटका और तवा रिसॉर्ट का दौरा किया, जहां उन्होंने भारत के प्राचीन इतिहास और आधुनिक जल प्रबंधन तकनीक को करीब से समझा। सबसे पहले छात्र-छात्राओं भीमबेटका पहुंचे, जहां उन्होंने हजारों साल पुराने जनजातीय भित्ति चित्रों और गुफाओं को देखा। इन चित्रों में आदिमानव के जीवन, उनकी संस्कृति और कलाकृतियों की झलक देखने को मिली। विद्यार्थियों ने महसूस किया कि हमारा प्राचीन इतिहास कितना समृद्ध और सुसम्पन्न था। इन ऐतिहासिक चित्रों और कलाकृतियों की सभी ने सराहना की और भारत की गौरवशाली संस्कृति को समझा।

इसके बाद छात्र-छात्राएं तवा रिसॉर्ट पहुंचे, जहां उन्होंने प्रकृति के बीच स्थित विशाल जलाशय और तवा टनल का अध्ययन किया। टनल से पानी के प्रवाह और उसके कृषि में उपयोग की तकनीक को समझते हुए सभी विद्यार्थियों ने आधुनिक वैज्ञानिक प्रणाली की सराहना की। उन्होंने जाना कि किस तरह पानी टनल के माध्यम से खेतों तक पहुंचाया जाता है और यह किस प्रकार सिंचाई व्यवस्था को कारगर बनाता है। पूरे भ्रमण के दौरान स्कूल के प्रभारी प्राचार्य भालचंद्र पांडे और शिक्षक-शिक्षिकाओं ने छात्रों की जिज्ञासाओं का समाधान किया। इस शैक्षणिक यात्रा को विद्यार्थियों ने बेहद ज्ञानवर्धक और रोचक बताया। भ्रमण कार्यक्रम में शिक्षक धीरेन्द्र शुक्ला, डॉक्टर लीना साहू, वर्षा मेश्राम, सोनाली मिश्रा, के. पाटेकर, वागेश्वरी देशमुख, हेमंत यादव, ज्योति और कुमारी वर्षा भी छात्र-छात्राओं के साथ उपस्थित रहीं। शैक्षणिक भ्रमण में विद्यार्थियों ने इतिहास, संस्कृति और विज्ञान के समागम को प्रत्यक्ष रूप से देखा और समझा।

12 फरवरी से प्रारंभ हो रही श्रीमद् भागवत कथा

सहयोग करने पहुंचे नगर परिषद अध्यक्ष

शाहपुर। नगर के वार्ड नंबर 12 मंगल पांडे वार्ड में धार्मिक आयोजन श्रीमद् भागवत कथा 12 फरवरी से सुश्री नित्य किशोरी शर्मा बुधनी के मुखागारविंद से प्रारंभ होने जा रही है। इसी धार्मिक आयोजन में सहयोग करने के लिए नगर परिषद अध्यक्ष रोहित विक्की नायक व्यवस्थाओं का जायजा लेने कथा स्थल पर पहुंचे। उन्होंने कथा स्थल की साफ सफाई और अन्य समस्याओं के बारे में जानकारी ली। भागवत कथा आयोजन समिति को सहयोग देने की बात कही। इसी समय पर वार्ड नंबर 12 की माताएं बहनों के द्वारा अपने वार्ड की बिजली एवं नाली और सड़क की समस्या के लिए आवेदन दिया गया। जिस पर विक्की नायक ने आश्वासन दिया कि श्री कृष्ण आपकी समस्याओं का निराकरण करवाया जाएगा और जल्दी से जल्दी स्ट्रीट लाइट एवं नाली बनवाने का प्रयास करेंगे।

मंडी टैक्स की चोरी करते दो ट्रक पकड़ाए

राजस्थान और गुजरात जा रहा था 510 क्विंटल गुड़

बैतूल/ मुलताई। मुलताई क्षेत्र से बड़ी मात्रा में गुड मंडी टैक्स की चोरी करके राजस्थान और गुजरात भेजा जा रहा है। बीती रात इसकी सूचना मिलने पर कृषि मंडी सचिव शीला खातरकर के नेतृत्व में कृषि उपज मंडी मुलताई में रात्रि ग्रस्त टीम ने पट्टन चौकी के पास से दो 18-चक्का ट्रक, जिसमें लगभग 500 क्विंटल गुड भरा था, को पकड़ने में सफलता हासिल की है। मंडी सचिव शीला खातरकर ने बताया कि पकड़े गए कृषि उपज पर 5 गुना मंडी टैक्स लगाया जाएगा।

विभागीय सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार आमला क्षेत्र से मंडी शुल्क की चोरी कर 260 क्विंटल गुड़ ले जा रहे ट्रक क्रमांक जेजे-11वी वी 8111 एवं ढाई सौ क्विंटल गुड़ भरे 18-चक्का ट्रक क्रमांक जीजे 03 बी डब्ल्यू 0469 को पट्टन पुलिस चौकी के पास से मुलताई कृषि उपज मंडी की टीम ने पकड़ा। इस टीम में कृषि उपज मंडी से डीपी नर्रे, चंपा तुमड़ाम, मिथिलेश अहाके, प्रवीण पदराम, शिवदास बर्डे आदि शामिल थे। दोनों ट्रको के ड्राइवर भी पकड़े गए हैं, जिसमें तिलक सिंह वर्ल्द देवी सिंह पीपलखेड़ा राजस्थान एवं दूसरे ट्रक का ड्राइवर अरपंम पोरबंदर (गुजरात) का निवासी हैं। दोनों ट्रकों को मुलताई कृषि उपज मंडी में लाकर विभागीय कार्रवाई की जा रही है। पकड़े गए दोनों ट्रकों के स्वामियों से 5 गुना मंडी टैक्सी की वसूली की जाएगी।

मुलताई- आमला क्षेत्र से बड़ी मात्रा में गेहूं सोयाबीन भेजा जा रहा है अन्य प्रदेश

मुलताई क्षेत्र में मंडी टैक्स चोरी के कारोबार का विस्तार दिनों दिन बड़ते ही जा रहा है। खासकर आमला क्षेत्र से मंडी टैक्स की चोरी कर गेहूं एवं सोयाबीन बड़ी मात्रा में राजस्थान, गुजरात एवं महाराष्ट्र भेजा जा रहा है। यदि हम मुलताई और आमला क्षेत्र के कृषि उपज की बात करें, तो अब मुलताई क्षेत्र में चार बड़ी-मध्यम सिंचाई परियोजनाएं एवं 80 से अधिक लघु सिंचाई परियोजनाएं हैं, जिससे प्रतिवर्ष बड़ी मात्रा में गेहूं एवं चने की पैदावार यंहा होती है, लेकिन यदि मंडी टैक्स की बात करें, तो पैदावार का दस प्रतिशत भी कृषि उपज मंडी नहीं पहुंचता है, जो कि जांच का बड़ा विषय है, और प्रश्न यह उठता है कि आखिर यह उत्पादन जाता कहां है। इस करोड़ो-अरबों रुपए के कारोबार में सिर्फ मंडी टैक्स की चोरी ही नही, अपितु जीएसटी टैक्स की भी चोरी होती है।

इनका कहना-

कृषि उपज मंडी मुलताई की रात्रि गश्त टीम ने दो ट्रकों को पकड़ा है, दोनों ट्रक पर कार्यवाही कर मंडी टैक्सी का 5 गुना राशि मालिकों से वसूली जाएगी।

-शीला खातरकर, सचिव कृषि मंडी मुलताई

प्रयागराज महाकुंभ यात्रा से लौटे श्रद्धालुओं का जयस्तंभ चौक पर भव्य स्वागत

बैतूल। प्रयागराज महाकुंभ यात्रा संपन्न होने के बाद लौटे महिला संगठन की मातृशक्ति, बड़े-बुजुर्गों और छोटे भाइयों सहित सभी यात्रियों का जयस्तंभ चौक चिचोली में भव्य स्वागत किया गया। आर्य समाज अध्यक्ष रोहित आर्य के नेतृत्व में सभी श्रद्धालुओं का पुष्पवर्षा कर अभिनंदन किया गया। स्वागत करने वालों में राहुल पटेल, डॉ. राजेश जायसवाल, तपश्री क्लब के अध्यक्ष विजय राठौर, विजय आर्य, सोनू जायसवाल, अमित आर्य टुडू, रोमी आर्य सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे। महाकुंभ यात्रा से लौटे श्रद्धालुओं ने बताया कि इस बार कुंभ का अनुभव अत्यंत आध्यात्मिक और भक्ति से परिपूर्ण रहा। प्रयागराज में पवित्र संगम स्नान, संत-महात्माओं के प्रवचन और अखाड़ों की भव्य शोभायात्राएं देखने को मिलीं। जयस्तंभ चौक पर हुए इस सम्मान समारोह में श्रद्धालुओं के चेहरे पर यात्रा की पवित्र अनुभूति झलक रही थी। सभी ने आर्य समाज के इस आयोजन की सराहना की और भविष्य में भी इस तरह के धार्मिक आयोजनों में बढ़-चढ़कर भाग लेने का संकल्प लिया।

जनजातीय अंचल के स्कूली बच्चों ने स्वच्छ जल की महत्ता को समझा

भोपाल । नगरीय विकास एवं आवास विभाग के उपक्रम मध्यप्रदेश अर्बन डेव्हलपमेंट कम्पनी (एमपीयूडीसी) एशियन डेव्हलपमेंट के सहयोग से प्रदेश में जल-प्रदाय योजनाओं पर कार्य कर रही है। इसी के साथ एमपीयूडीसी योजना क्षेत्र में स्वच्छ जल की महत्ता के संबंध में जन-जागरूकता कार्यक्रम भी चला रही है।

एमपीयूडीसी ने बालाघाट जिले के जनजातीय अंचल के बैहर और मलाजखण्ड में पीएमश्री गर्ल्स् स्कूल और उत्कृष्ट विद्यालय में जल-ऑडिट कार्यक्रम आयोजित किया। कार्यक्रम में बच्चों को शुद्ध जल के फायदे और दूषित पानी से होने वाले नुकसान के बारे में जानकारी दी गयी। बच्चों को जल-संरक्षण के लिये प्रेरित किया गया। दोनों स्कूलों में

बच्चों की बनायी गयी जल-ऑडिट टीम

बच्चों की जल-ऑडिट टीम भी बनायी गयी। इन कार्यक्रमों में 700 छात्रों ने सक्रिय रूप से भागीदारी की। सामुदायिक विकास अधिकारी सुश्री अपराजिता मिश्रा और उपयंत्री श्री अंकित सिंह ने बच्चों को क्षेत्र में संचालित जल-प्रदाय योजना कार्य-प्रणाली की जानकारी दी। बच्चों को पानी के रिसाव और अपव्यय के प्रति जागरूक रहने की भी समझाइश दी गयी।

एम्स भोपाल में कुष्ठ रोग पर सीएमई कार्यक्रम का आयोजन

भोपाल। एम्स भोपाल में कार्यपालक निदेशक, प्रो. (डॉ.) अजय सिंह के मार्गदर्शन में शनिवार, 1 फरवरी 2025 को कुष्ठ रोग पर पोस्ट ग्रेजुएट छात्रों के लिए एक महत्वपूर्ण सतत चिकित्सा शिक्षा कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में भोपाल के विभिन्न चिकित्सा महाविद्यालयों के स्नातकोत्तर छात्रों ने भाग लिया। इस सीएमई का मुख्य उद्देश्य चिकित्सा संस्थानों के बीच सहयोग को बढ़ावा देना था, जिसके तहत अंतर-महाविद्यालयीन शैक्षिक बैठकें आयोजित की गईं, ताकि ज्ञान का आदान-प्रदान और छात्रों के लिए बेहतर सीखने के अवसर सुनिश्चित किए जा सकें। विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा घोषित इस वर्ष की थीम है, एकजुट हों, कार्रवाई करें, समाप्त करें । यह चिकित्सा समुदाय में एकता, शीघ्र निदान और प्रभावी उपचार के माध्यम से निर्णायक कार्रवाई करने तथा कुष्ठ रोग को समाप्त करने के लिए सामूहिक प्रयास की आवश्यकता पर बल देती है।

इस अवसर पर, प्रो. सिंह ने कहा, कुष्ठ रोग केवल एक शारीरिक चुनौती नहीं है, बल्कि समाज में इसके कारण उत्पन्न होने वाली भ्रांतियों और भेदभाव से भी निपटना जरूरी है। हमें इसे एक चिकित्सा चुनौती के रूप में देखना चाहिए और समाज में इसके प्रति जागरूकता और सहानुभूति बढ़ानी चाहिए। यह सीएमई कार्यक्रम उन डॉक्टरों को बेहतर ज्ञान देने के लिए है जो भविष्य में इस बीमारी के उपचार में सहायक साबित होंगे। यह कार्यक्रम समाज में इस रोग के प्रति संवेदनशीलता और सहानुभूति को बढ़ाने में सहायक साबित होगा। डॉ. जेरीन मैथ्यूज इस कार्यक्रम की आयोजन अध्यक्ष थीं, और डॉ. मनीष खंडारे आयोजन सचिव थे।

करीब 7 लाख पुराने रजिस्टर्ड वाहनों में लगायी गयी हाई सिक्यूरिटी रजिस्ट्रेशन प्लेट

परिवहन विभाग अप्रैल-2019 से पंजीकृत वाहनों में लगा रहा है एचएसआरपी

भोपाल । प्रदेश में एक अप्रैल, 2019 के बाद पंजीकृत होने वाले नये वाहनों में परिवहन विभाग हाई सिक्यूरिटी रजिस्ट्रेशन प्लेट (एचएसआरपी) लगा रहा है। इसके पूर्व पंजीकृत वाहनों में भी सोसायटी ऑफ इण्डियन ऑटोमोबाइल मैन्युफेक्चर्स (एसआईएएम) के माध्यम से वाहन स्वामी द्वारा हाई सिक्यूरिटी रजिस्ट्रेशन प्लेट लगवायी जा रही है।

वाहनों में एचएसआरपी लगाये जाने से वाहन की नम्बर प्लेट में किसी भी प्रकार की धोखाधड़ी और अपराध किये जाने पर रोक लगाने में काफी मदद मिली है। वाहन चोरी की दशा में उसे ट्रेस करने में भी मदद मिल रही है। प्रदेश में पुराने रजिस्टर्ड वाहनों में हाई सिक्यूरिटी रजिस्ट्रेशन प्लेट लगाये जाने का कार्य तेज गति से किया जा रहा है। प्रदेश में अब तक 7 लाख से अधिक पुराने रजिस्टर्ड वाहनों में एचएसआरपी लगवायी जा चुकी हैं।

स्कूल शिक्षा मंत्री श्री सिंह ने बसंत पंचमी पर दी शुभकामनाएँ

भोपाल । स्कूल शिक्षा मंत्री श्री उदय प्रताप सिंह ने बसंत पंचमी पर प्रदेशवासियों को शुभकामनाएँ दी हैं। उन्होंने कहा है कि माँ सरस्वती ज्ञान, विद्या, कला और संगीत की देवी हैं।

स्कूल शिक्षा मंत्री श्री सिंह ने बच्चों को अपने ज्ञान से लक्ष्य हासिल करने में माँ सरस्वती की असीम कृपा बनाये रखने की कामना की है।

शासकीय नर्मदा महाविद्यालय में मारपीट..

छात्र संगठन एनएसयूआई और अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद आमने-सामने

मंडल अध्यक्ष का नाम आने से मामला गरमाया...

नर्मदापुरम। प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ़ एक्सीलेंस शासकीय नर्मदा महाविद्यालय के छात्रावास में बाहरी तत्वों के घुसपैठ को लेकर एनएसयूआई और एबीवीपी छात्र आमने-सामने आ गए। गणतंत्र दिवस के दूसरे दिन कॉलेज कैंपस में एनएसयूआई प्रदेश सचिव अफरीद खान के साथ यहां मारपीट हुई है। भाजपा मंडल अध्यक्ष के भाई कृतिक शिवहरे, कॉलेज छात्र पवन दुबे और दो अन्य छात्रों के नाम की शिकायत पुलिस अधीक्षक और सिटी कोतवाली में की गई है। घटना के बाद आफरीन खान, आयुष चौहान, अभिजीत सिटी कोतवाली पहुंचे थे जो रात 8 बजे तक कोतवाली में रहे, किंतु एफआईआर दर्ज नहीं हुई। जिन्होंने पुलिस अधीक्षक से घटना की शिकायत करते हुए आरोप लगाया कि भाजपा मंडल अध्यक्ष के भाई का नाम आने से एफआईआर दर्ज नहीं की है, इधर अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद जिला संयोजक मृदुलनाथ चौहान, नगर मंत्री अभिषेक पटेल का कहना है महाविद्यालय में पिछले दिनों महाविद्यालयीन व्यवस्था सुधरवाने मांगों को लेकर परिषद ने प्राचार्य को ज्ञापन दिया था। उसे लेकर प्राचार्य ने कार्रवाई की वह एनएसयूआई सहन नहीं कर पाया महाविद्यालय परिसर में एनएसयूआई के कार्यकर्ताओं ने विद्यार्थियों के साथ मारपीट कर भय का वातावरण निर्मित किया, इससे विद्यार्थियों में गलत संदेश जा रहा। मामले में आफरीन खान, अभिजीत और आयुष चौहान ने एसडीओपी को आवेदन देकर 27 जनवरी को शासकीय नर्मदा महाविद्यालय में घटित घटना का सीसीटीवी फुटेज के लिए तत्काल डीवीआर जप्त करने का निवेदन किया है। आरोप लगाया कि कृतिक और पवन ने मारपीट की है, हमने आत्मरक्षा में अपना बचाव किया है। घटना प्रशासनिक भवन के पास में लगे कैमरे में कैद है और सत्ता पक्ष के दबाव में सीसीटीवी फुटेज में छेड़छाड़ हो सकती है, डिलीट भी किया जा सकता है इसलिए तत्काल डीवीआर जप्त कर साक्ष्य सुरक्षित किया जाएं, मामला संज्ञान लेते हुए पुलिस ने नोटिस जारी किया है। जो सुनाई आ रही। एसडीओपी पराग सैनी ने बताया कि आवेदन आया है जांच की जा रही है। झगड़ें की जड़ महाविद्यालयीन छात्रावास है इसमें छात्र पांच, पांच साल से कैसे रह रहे हैं, महाविद्यालय में घटी घटना के कारण ही प्राचार्य महाविद्यालय को प्रभारी के भरोसे छोड़ छुट्टी पर रहे और आते ही उन्होंने महाविद्यालयीन प्रोफेसरों के साथ बैठक की जबकि उन्हें होस्टल के मामले में होस्टल जाकर स्थिति की जानकारी लेना थी। मामले में सफाई के लिए होस्टल इंचार्ज उदयपुरे तो बैठक में एक छात्र को लेकर सफाई देने पहुंचे थे..? राजनीति का ककहरा सीखने की पाठशाला महाविद्यालय का माहौल और अधिक खराब हो इससे पहले होस्टल में रहने वाले छात्रों को अनुशासन में रहने और रखने का वातावरण बनाना जरूरी है एक उम्र के बाद के बच्चों को महाविद्यालय के होस्टल दाखिला नहीं दिया जाना चाहिए। महाविद्यालयीन मामले की गंम्भीरता इस बात से ही आंकी जा सकती है कि विधायक तक को इस मामले में हस्तक्षेप के लिए महाविद्यालय पहुंचे है।एनएसयूआइ प्रदेश सचिव अफरीन खान की फुटेज देने की मांग को प्राचार्य ने यह कहकर देने से मना कर दिया कि उनके पास तकनीशियन नहीं है। इससे सवाल खड़ा हो गया फिर लाखों रुपए खर्च करने प्रधानमंत्री एक्सीलेंस कालेज में सीसीटीवी कैमरे लगाने का औचित्य क्या रह गया..? वैसे कांग्रेसी टिकट पर चुनाव लडने वाले गिरजा शंकर शर्मा सहित अन्य कांग्रेस पदाधिकारियों का मामले में सामने नहीं आने को लेकर तीखी प्रतिक्रिया हो रही, अफरोज वहीं नवयुवक है जो विधानसभा चुनाव में गिरजा शंकर शर्मा का कांग्रेसी झंडा लेकर आगे चलने वालों में शामिल था और उसके साथ हुई मारपीट के बाद भी वे चुप कैसे बैठे हुए हैं..? रोहन जैन मामले में फुटेज नहीं दिए जाने को लेकर सड़क पर धरना प्रदर्शन करते हुए बैठ चुके हैं।

कुटीर एवं ग्रामोद्योग राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री जायसवाल का दौरा कार्यक्रम

नरसिंहपुर। प्रदेश के कुटीर एवं ग्रामोद्योग राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री दिलीप जायसवाल नरसिंहपुर आयेंगे। जारी दौरा कार्यक्रम के अनुसार राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री जायसवाल शनिवार 2 फरवरी को रात्रि 9 बजे सर्किट हाउस नरसिंहपुर आयेंगे और रात्रि विश्राम करेंगे। राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री जायसवाल सोमवार 3 फरवरी को प्रातः 10 बजे जिले से मढ़ई- नर्मदापुरम के लिए प्रस्थान करेंगे।

केन्द्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ग्वालियर और मुरैना पहुंचे, जगह-जगह हुआ भव्य स्वागत

● म.प्र. लगातार प्रगति और विकास की राह पर बढ़ रहा है: शिवराज ● हर गरीब को पक्का मकान मोदी जी का संकल्प

भोपाल। केन्द्रीय कृषि और ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान रविवार को ग्वालियर और मुरैना के दौरे पर थे। यहां केन्द्रीय मंत्री का ग्वालियर से मुरैना तक आम जनता, जनप्रतिनिधियों और कार्यकर्ताओं ने भव्य स्वागत किया। वहीं शिवराज सिंह चौहान ने मुरैना में एक निजी कार्यक्रम में सहभागिता कर संबोधित किया। इस दौरान शिवराज सिंह ने कहा कि, मध्यप्रदेश लगातार प्रगति और विकास की राह पर आगे बढ़ रहा है। पहले भी प्रदेश में कई रिकॉर्ड बने थे और अब मुख्यमंत्री मोहन यादव जी के नेतृत्व में भी लगातार कृषि और किसानों के हित में काम हो रहा है। शिवराज सिंह ने कहा कि, मेरे पास कृषि और ग्रामीण विकास मंत्रालयों की जिम्मेदारी है। इसलिए कृषि हो या ग्रामीण विकास मध्यप्रदेश अद्भुत और अभूतपूर्व प्रगति करता रहेगा।

गरीबी मुक्त गांव

केन्द्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि, प्रधानमंत्री श्रीमान नरेन्द्र मोदी जी का एक सपना और संकल्प है कि, गरीबी मुक्त गांव हों। गरीबी मुक्त गांव के लिए एक विशेष योजना लाई जा रही है। योजना के अंतर्गत गांव के हर आदमी को आजीविका मिशन से जोड़ा जाएगा। उन्होंने कहा कि, अब तक 3 करोड़ लखपति दीदी बनाई गई है, जिसमें 1 करोड़ 15 लाख दीदीयां लखपति बन चुकी हैं। इसी तरह गांव की कोई भी बहन आजीविका मिशन से जुड़े बिना रहें। गांव का हर आदमी और हर बहन अगर आजीविका मिशन से जुड़ते हैं तो उनकी गरीबी दूर होगी, उनकी आय बढ़ेगी और वह आत्मनिर्भर बनेंगे। आजीविका मिशन से जुड़कर कई बहनें सशक्त हुई हैं, आत्मनिर्भर बनी हैं और ऐसे ही गरीबी मुक्त गांव का सपना भी साकार होगा। शिवराज सिंह ने कहा कि, प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण के लिए भी अब फिर से सर्वे प्रारंभ कर दिया गया है। जो भाई-बहन छूट गए थे वो इस बार सूची में अपना नाम जुड़वा सकते हैं। साथ ही शिवराज ने कहा कि, अब नियमों में संशोधन भी कर दिए गए हैं, और सेल्फ सर्वे भी शुरू किया गया है। सेल्फ सर्वे यानी कि, हितग्राही खुद ही अपने मोबाईल से आधार नंबर और एप के जरिए अपना सर्वे कर सकता है।

आत्मनिर्भर भारत बनाने का बजट

केन्द्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने शनिवार को संसद में पेश हुए बजट को लेकर कहा कि, मैं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी को और वित्त मंत्री जी को हृदय से बधाई देता हूँ कि, उन्होंने एक ऐसा बजट पेश किया, जिसमें सभी वर्गों का ध्यान रखा गया है। ये बजट 140 करोड़ भारतवासियों का बजट है, ये दूरदर्शी बजट है। इस बजट में सबका साथ दिखाई देता है। एक ऐसा बजट जिसमें दीर्घकालीन विकास की योजनाएं हैं, ये समृद्ध, शक्तिशाली,सम्पन्न और आत्मनिर्भर भारत बनाने का बजट है। किसान हो, गरीब हो, माध्यम वर्ग हो मताएं-बहनें हों या गाँव-शहर का विकास हो उसका अद्भुत संतुलन है इस 50 लाख करोड़ रुपए से भी ज्यादा के बजट में। एक तरफ किसानों की किसान सम्मान निधि के लिए प्रावधान है तो दूसरी तरफ किसानों को सस्ता फर्टिलाइजर मिले, यूरिया, डीएपी उसके लिए बजट में पर्याप्त प्रावधान किया गया है। किसानों को अब 3 लाख की जगह 5 लाख रुपए का ऋण क्रेडिट कार्ड पर दिया जाएगा, जिससे वह अपनी जरूरतों को पूरा कर सकेंगे। विशेषकर बागवानी, हार्टिकल्चर की फसलें या फूल, फल, सब्जी की खेती करने वाले किसानों को लागत ज्यादा लगती है। वहीं शिवराज सिंह ने कहा कि, एक नई योजना भी हैं, जिसमें हमने तय किया है कि, किसान और उपभोक्ता के बीच में जो लाभ जाता है, वो चैनल कम हों, और सीधे किसान से उपभोक्ता तक कृषि उत्पाद पहुंचें ताकि उपभोगता को भी थोड़ा सस्ता मिले किसान को ज्यादा पैसा मिले।

ग्वालियर से मुरैना तक भव्य स्वागत

केन्द्रीय कृषि और ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान रविवार को ग्वालियर पहुंचें, यहां शिवराज का आम जनता और कार्यकर्ताओं ने भव्य स्वागत किया। इसके बाद शिवराज सिंह ग्वालियर से मुरैना के लिए रवाना हुए तो मुरैना तक जगह-जगह शिवराज का स्वागत-सम्मान किया गया। जहां-जहां से शिवराज सिंह चौहान गुजर रहे थे वहां-वहां आम जनता और विशेषकर बहनें उनका पलक पावड़े बिछाए इंतज़ार कर रही थी। बहनों ने शिवराज को तिलक लगाकर उनका स्वागत किया तो बड़े बुजुर्गों ने सिर पर हाथ रख उन्हें आशीर्वाद दिया। वहीं युवा नौजवानों ने फूलों की बौछारें कर अपनी खुशी जाहिर की तो भांजे-भांजियां मामा को देखते ही उनसे लिपट गए। शिवराज सिंह ने भी दोनों हाथ जोड़कर और शीश झुकाकर सभी का अभिवादन किया। इस दौरान शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि, ये प्रेम आत्मियता और विश्वास ही मुझे दिन-रात जनता की सेवा के लिए एक नई ऊर्जा प्रदान करता है।

जल जीवन मिशन को 2028 तक बढ़ाने का निर्णय ऐतिहासिक : पीएचई मंत्री श्रीमती उइके

प्रधानमंत्री और केन्द्रीय वित्त मंत्री का माना आभार

● जल जीवन मिशन 2028 तक, संकल्प हुआ मजबूत

भोपाल। लोक स्वास्थ्य एवं यांत्रिकी मंत्री श्रीमती संपतिया उइके ने केंद्रीय बजट 2025-26 के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी और केन्द्रीय वित्त मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण के प्रति आभार व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व और केन्द्रीय वित्त मंत्री के समावेशी दृष्टिकोण के परिणामस्वरूप यह बजट समाज के हर वर्ग किसान, उद्योगपति, नौकरीपेशा और ग्रामीण जनता के व्यापक हितों को ध्यान में रखते हुए तैयार किया गया है।

मंत्री श्रीमती उइके ने विशेष रूप से जल जीवन मिशन को वर्ष 2028 तक विस्तारित करने के निर्णय को ऐतिहासिक बताया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी के संकल्प और सतत प्रयासों से अब तक देश के 80 प्रतिशत ग्रामीण परिवारों को 'नल से जल' के माध्यम से शुद्ध पेयजल की सुविधा उपलब्ध कराई जा चुकी है। बजट में इस योजना को आगे बढ़ाने के लिए पर्याप्त वित्तीय प्रावधान किया गया है, जिससे शेष परिवारों तक भी इस सुविधा का विस्तार किया जा सकेगा।

मंत्री श्रीमती उइके ने कहा कि जल जीवन मिशन केवल एक बुनियादी सुविधा नहीं, बल्कि करोड़ों ग्रामीण परिवारों के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन का माध्यम है। घर-घर नल से जल पहुंचने से महिलाओं के श्रम में कमी आएगी, बच्चों की शिक्षा में सुधार होगा और संक्रामक बीमारियों से बचाव से जीवन का बहुमुखी विकास होगा।

मंत्री श्रीमती उइके ने कहा कि अब प्रदेश में नलजल योजनाओं के पूर्ण होने एवं उनके संचालन-संधारण में कोई वित्तीय बाधा नहीं आएगी। सरकार वर्ष 2028 तक प्रदेश के हर ग्रामीण परिवार को शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराने के लक्ष्य को पूर्ण करेगी। उन्होंने कहा कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी के मार्गदर्शन में सबका साथ, सबका विकास की भावना के साथ यह बजट देश की बुनियादी आवश्यकताओं को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने का कार्य करेगा।

कविता का रिश्ता दिल से है : श्री संजय जाजू

● भोपाल लिटरेटर फेस्टिवल के सत्र 'एक्सपेरिमेंटल पोएट्री, मोर आर्ट ऑर हार्ट' में की शिरकत

भोपाल। कविता का रिश्ता दिल से है। कहीं ना कहीं हम अपने अनुवभवों और आत्मनिरीक्षण को ही शब्दों के रूप में पिरोते हैं और उसे कविता का रूप देते हैं। यह बात सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय, भारत सरकार के सचिव श्री संजय जाजू ने भोपाल लिटरेचर फेस्टिवल में एक्सपेरिमेंटल पोएट्री, मोर आर्ट ऑर हार्ट सत्र को संबोधित करते हुए कही। उन्होंने कहा कि हम जो कुछ देखते हैं और जो कुछ सुनते हैं, वही अनुभव हमारे भीतर से कविता के रूप में सामने आता है। श्री जाजू ने कहा कि कविता लिखना थोड़ा साइंस भी है और गजलें एक फॉर्मेट में लिखी जाती हैं। सत्र को संबोधित करते हुए श्री जाजू ने आगे कहा कि कविता लिखने का हुनर उन्हें विरासत में अपने पिताजी से मिली है। सत्र के दौरान श्री जाजू ने अपनी कविता 'मैं और मेरी साइकिल' समेत कुछ कविताओं का पाठ किया। उन्होंने यंग जनरेशन से आह्वान किया कि वे ज्यादा से ज्यादा कविताएं लिखें, पढ़ें, सुनें और इसके लिए मार्केट भी क्रिएट करें।

सत्र में महशहूर कवि श्री जमशेद ने भी शिरकत की। उन्होंने अपनी किताब 'हाइकु' से कुछ लघु कविताओं का पाठ किया। उन्होंने अपने संग्रह 'स्याही' से भी कुछ कविताएं पढ़कर दर्शकों को सुनाईं। सत्र का संचालन अस्मा रफत ने किया।

श्री जाजू ने किया पीआईबी कार्यालय का अवलोकन

इसके पश्चात श्री जाजू ने दूरदर्शन केंद्र, भोपाल में सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के विभिन्न इकाइयों के प्रमुखों एवं अधिकारियों के साथ बैठक की। बैठक में सचिव महोदय ने विभिन्न इकाइयों के कार्यों की समीक्षा की। बैठक में उन्होंने दूरदर्शन के कार्यक्रम एवं समाचार से संबंधित एवं प्रसार भारती के ओटीटी प्लेटफॉर्म 'WAVES'के बारे में चर्चाकर आवश्यक दिशानिर्देश दिए। श्री जाजू ने हाल ही में दूरदर्शन केंद्र में शिफ्ट हुए पीआईबी, भोपाल कार्यालय का भी अवलोकन किया।

राष्ट्रपति वीरता पुरस्कार से लौटे

शैलेन्द्र सिंह राजपूत का स्वागत..

नर्मदापुरम। नर्मदापुरम के ग्राम जासलपुर के शैलेन्द्र सिंह राजपूत को भी जीवन रक्षा पदक पुरस्कार के लिए चुना गया है, जिन्होंने वीरता का परिचय देते हुए वर्ष 2024 पूर्वी सिक्किम कुपु हरभजन बाबा मंदिर दर्शन करने आये हुए यात्रियों की अचानक बर्फ़बारी भूस्खलन मे बुरी तरह फंस जाने पर अपनी जान की परवाह किए बगैर 8 व्यक्ति को सुरक्षित बचाव किया इन लोगो को बचाते हुए श्री शैलेन्द्र सिंह खुद चोटिल हो गए उनके इस साहसिक एवं उत्कृष्ट कार्य के लिए माननीय राष्ट्रीय श्रीमती द्रौपदी मुर्मू ने श्री सिंह को जीवन रक्षा पदक एवं वीरता पुरस्कार से सम्मानित किया उनके इस अदम्य साहसिक कार्य ने उनके गांव जासलपुर एवं शहर नर्मदापुरम मध्य प्रदेश का नाम गौरवान्वित किया है । उनके प्रथम नगर आगमन पर नव अंकुर संस्था के अजय सैनी और मित्र मंडल ने स्थानीय रेलवे स्टेशन पर भव्य स्वागत कर , रैली के रूप में ग्राम में प्रवेश कराया,इस अवसर पर अंबिका राजपूत,सतीश बिल्लौरे, सुरेंद्र सिंह राजपूत,राजेश सराठे, आनंद ठाकुर, विक्रम राजपूत, आनंद थापक,भूतपूर्व सैनिक संगठन, ऑटो संघ,पारिवारिक सदस्य, एवं ग्रामीण उपस्थित रहे।

आईपीएल क्रिकेट के सट्टे ने ली फिर एक जान...

नर्मदापुरम। यशराज होटल में 23 वर्षीय नवयुवक अमित दीवान ने आज आत्महत्या कर ली, आत्महत्या का कारण आईपीएल सट्टेबाजी का सामने आ रहा है। मृतक के पास पुलिस को तीन कागजों के टुकड़े मिले हैं जिन्हें मौत का कारण माना जा रहा। कागज के इन तीन टुकड़ो पर मृत्यु से पूर्व बहन को संबोधित करते हुए अमित ने इन तीन कागजों पर जो कुछ लिखा वह आत्महत्या करने का कारण हो सकता है। वैसे तो आईपीएल सट्टेबाजी के दल-दल में खासे नई उम्र के बच्चे जल्दी धनवान बनने के चक्कर में धसे हुए है। सट्टा खिलाने वाले जिन्हें पैसे उधार देकर इसके मकड़ जाल में फंसा लेते और धनवान बनने की चाहत में उधार लेने वाला का अंत आत्महत्या के रुप में सामने आता है। क्रिकेट आईपीएल सट्टेबाजी को लेकर जान गवाने वाले अमित दीवान ने भी उधारी को लेकर जान गंवा दी जिसके परिजनों ने न्याय के लिए शव सड़क पर रखकर चक्का जाम किया। पुलिस को जो सु- साइट नोट मिला है उसमें 8 से 10 लोगों के नाम लिखा है जो उसे पैसों को लेकर मानसिक तनाव दे रहे थे। इसके पहले भी क्रिकेट के आईपीएल सट्टे मै दो लोग जान गवा चुके है। सु- साइड नोट मै नेता के साथ रहकर लोगों को डराने का काम करते है इसका भी जिक्र किया गया है। मृतक अमित ने पत्र में लिखा है कि नितिन के पास मेरा चेक रखा

है। राकेश रघुवंशी मेरे घर भी गया था , मुझे डरा रहे हैं कि तू काम नहीं कर पाएगा जहां भी रहेगा वहां तू हमें पाएगा, मैं जीना चाहता हूं बोला भैया पैसे दे रहा हूं यह लोग मान नहीं रहे हैं सॉरी दीदी... दूसरे पत्र में अमित ने लिखा है कि

यह सब लोग ऑनलाइन मैच खिलाते हैं ना पुलिस सुनती है ना प्रशासन ऑनलाइन गेम बहुत हो रहा है सब तरफ चल रहा है इनके पास बाहर खेल को परेशान कर देते हैं होशंगाबाद में दो लोग और हैं। अमित उपाध्याय और एक और है मैं भी इनके चक्कर में आकर सुसाइड किया है हमारे नेता इनका कुछ नहीं कर रहे हैं डरते हैं खुलेआम शराब बिक रही है, सीएम साहब 3 तारीख को आ रहे हैं यह नगरी शराब मुक्त नहीं है बाकी सब ठीक है मेरे घर पर कोई नहीं जाए पैसे दे चुका हूं। और तीसरे कागज के टुकड़े पर अमित ने लिखा है कि, इन सब के चेक मेरे पास नीरज महाराज के पास है और ना तरुण शर्मा 50000 कैसे दिए हैं और उसने जमीन की थी बता दिए हैं। आईपीएल खेला उसमें दिए अभी तक पैसे दे रहा हूं मैं अब बात विवेक ठाकुर, विक्की शिवहरे, आकाश मोबाइल, भाइय्यू सराठे, ऋषि सराठे, नितिन मालवीय सौरभ शर्मा इनको पैसे दे दिए हैं फिर भी परेशान कर रहे हैं।

॥ मंदिरम् ॥

27

मोढेरा सूर्य मंदिर, गुजरात

मोढेरा सूर्य मंदिर भगवान सूर्य को समर्पित एक हिंदू मंदिर है जो भारत के गुजरात के मेहसाणा जिले के मोढेरा गांव में पुष्पावती नदी के तट पर स्थित है। मोढेरा सूर्य मंदिर गुजरात के मध्य में स्थित है। इसका निर्माण 1026-27 ई. के बाद, चौलुक्य वंश के भीम प्रथम के शासनकाल के दौरान किया गया था। अब यहाँ कोई पूजा नहीं होती है, और भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण इसे एक संरक्षित स्मारक के रूप में बनाए रखता है। यह भारतीय मंदिर वास्तुकला के बेहतरीन उदाहरणों में से एक है। यह मंदिर गुजरात के समृद्ध इतिहास और संस्कृति को दर्शाता है। मोढेरा मंदिर गुजरात के सभी सूर्य मंदिरों में सबसे महत्वपूर्ण है। यह कश्मीर (मार्तंड) और उड़ीसा (कोणार्क) के अन्य दो प्रसिद्ध सूर्य मंदिरों के समान ही महत्व रखता है। इस शानदार स्थापत्य स्मारक के अवशेष भव्यता की झलक दिखाते हैं और इस स्थल की पवित्रता की गवाही देते हैं। मोढेरा या मोढेरापुरा, जिसे मुंडेरा के नाम से भी जाना जाता है, मोधा ब्राह्मणों की मूल बस्ती कही जाती है।

घर में घुसा ट्रक, नाबालिग की मौत

- *ग्रामीणों ने चक्काजाम किया, कहा- स्पीड ब्रेकर बनाए जाएं*

सीधी (नप्र)। सीधी जिले में बल्कर ट्रक घर में जा घुसा। हादसे में एक नाबालिग लड़के की मौत हो गई। साथ ही एक गाय भी मौत हुई है। घटना रविवार दोपहर तीन बजे मझौली के सिकरा गांव में हुई। जिसमें 16 साल के चंगू पिता सुभाष यादव की जान चली गई। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, बल्कर इतनी तेज गति से आ रहा था कि चालक का वाहन पर से नियंत्रण खो बैठा और वह सीधा घर में जा घुसा। घटना की जानकारी मिलते ही नाराज ग्रामीणों ने सड़क पर जाम लगा दिया। मौके पर पहुंची पुलिस ने स्थिति को संभाला और लोगों को समझाकर जाम खुलवाया। शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया है। ग्रामीणों का कहना है कि इस मार्ग पर अक्सर भारी वाहन तेज गति से चलते हैं, जिससे आए दिन दुर्घटनाएं होती रहती हैं।

बसंत के आते ही खेतों में सरसों फूलने लगी है। मानों हरी धरा पर पीली चादर बिछी हो। फोटो- प्रवीण वाजपेयी

भिंड में प्रिया गोल्ड बिस्किट फैक्ट्री में आग, एक मौत

9 घंटे बाद 20 दमकल वाहनों ने काबू पाया; 150 राउंड पानी फेंका

भिंड (नप्र)। भिंड के मालनपुर इंडस्ट्रियल एरिया में प्रिया गोल्ड बिस्किट फैक्ट्री में भीषण आग लग गई। एक फैक्ट्री कर्मचारी की दम घुटने से मौत हो गई। आग रविवार सुबह करीब 5 बजे लगी, जिसने दोपहर तक भीषण रूप लिया। इसके बाद 20 दमकल वाहनों ने 150 से ज्यादा राउंड लगाकर पानी फेंका। कई घंटों की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया गया है। जानकारी के मुताबिक फैक्ट्री में शॉर्ट सर्किट से आग लगी। इस दौरान में एक कर्मचारी सूरज बाथम की दम घुटने से मौत हो गई। घटना के समय फैक्ट्री में 76 कर्मचारी काम कर रहे थे, जिन्हें आग और धुएं को देखकर बाहर निकाल लिया गया था।

खेल प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने के लिए बेहतर बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराना आवश्यक : उप मुख्यमंत्री शुक्ल

- उप मुख्यमंत्री ने केन्द्रीय खेल मंत्री मांडविया से की सौजन्य भेंट
- रीवा में 10 करोड़ 33 लाख रुपये लागत के सिंथेटिक एथलेटिक ट्रैक की स्वीकृति के लिये किया अनुरोध

भोपाल (नप्र)। उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने नई दिल्ली प्रवास के दौरान केंद्रीय खेल एवं युवा कल्याण मंत्री श्री मनसुख मांडविया से सौजन्य मुलाकात की और पुष्प-गुच्छ भेंट कर अभिवादन किया। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने विंध्य क्षेत्र के समग्र विकास की दिशा में किए जा रहे प्रयासों पर चर्चा की। उन्होंने बताया कि हाल ही में रीवा में एक भव्य स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स का निर्माण किया गया है, जहां दूरस्थ और पिछड़े क्षेत्रों के खिलाड़ी अपनी प्रतिभा को निखार रहे हैं। उन्होंने कहा कि विंध्य क्षेत्र के जनजातीय और पिछड़े क्षेत्रों से उभर रही खेल प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने के लिए बेहतर बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराना आवश्यक है।

उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने केन्द्रीय मंत्री श्री मांडविया से विंध्य क्षेत्र के खिलाड़ियों के विकास के लिए रीवा में 10 करोड़ 33 लाख रुपये की लागत से सिंथेटिक एथलेटिक ट्रैक निर्माण के प्रस्ताव को स्वीकृति प्रदान करने के लिये अनुरोध किया। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि यह प्रस्ताव प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के 'खेलो इंडिया' अभियान और खेल के माध्यम से युवाओं के समग्र विकास की प्रतिबद्धता के अनुरूप है। उन्होंने कहा कि सिंथेटिक एथलेटिक ट्रैक के निर्माण से विंध्य क्षेत्र के युवा खिलाड़ियों को आधुनिक प्रशिक्षण सुविधाएं मिलेंगी, जिससे वे राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर सकेंगे। इस महत्वपूर्ण पहल के लिए केन्द्रीय मंत्री श्री मांडविया ने सकारात्मक दृष्टिकोण व्यक्त किया और आवश्यक सहयोग का आश्वासन दिया। रीवा के सांसद श्री जनार्दन मिश्र और सीधी के सांसद डॉ. राजेश मिश्र भी उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने नई दिल्ली के त्रिनगर विधानसभा में पार्टी प्रत्याशी के समर्थन में जनसभा की

यह चुनाव दिल्ली और दिल्ली की शान के लिए, यह चुनाव कमल के निशान के लिए है

- रंगा सियार कभी शेर नहीं हो सकता, केजरीवाल इतने झूठे कि भोपाल में भी एफआईआर है
- पांच फरवरी को दिल्ली की आप-दा को समाप्त करने और विकास का आगाज करने मतदान करें
- प्रधानमंत्री जी देश के विकास में रिकॉर्ड स्थापित कर रहे, केजरीवाल झूठ बोलने में रिकॉर्ड बना रहे

भोपाल/नई दिल्ली (नप्र)। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने शनिवार को दिल्ली की त्रिनगर विधानसभा क्षेत्र के शकूर विलेज में पार्टी प्रत्याशी श्री तिलक राम गुप्ता के समर्थन में जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि पांच फरवरी को दिल्ली की आपदा को समाप्त करने और विकास की शुरूआत करने के लिए दिल्ली की जनता मतदान करे। यह चुनाव दिल्ली और दिल्ली की शान के लिए और यह चुनाव कमल के निशान के लिए है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द मोदी जी देश के विकास में कीर्तिमान स्थापित कर रहे हैं, वहीं आम आदमी पार्टी और केजरीवाल झूठ बोलने में रिकॉर्ड बना रहे हैं। प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में दिल्ली में भारतीय जनता पार्टी विधानसभा चुनाव में ऐतिहासिक बहुमत से सरकार बनाने जा रही है। आम आदमी पार्टी के मुखिया अरविंद केजरीवाल ने दिल्ली की भोली-भाली जनता से झूठ बोलकर सत्ता में आए और मुख्यमंत्री बनने के बाद उसी जनता को ठगने लगे। अरविंद केजवरीवाल और उनकी पार्टी के कई नेता, मंत्री, सांसद भ्रष्टाचार के आरोपों में जेल जा चुके हैं। दिल्ली की जनता आम आदमी पार्टी और अरविंद केजरीवाल को सबक सिखाने के लिए पांच फरवरी को मतदान करेगी। भाजपा प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में दिल्ली में सुशासन स्थापित करने और विकास के पथ पर आगे ले जाने का कार्य करेगी।

केंद्रीय बजट में हर वर्ग के कल्याण के लिए प्रावधान, दुनिया भारत की तरफ देख रही है: मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में आज शनिवार को केंद्रीय वित्त मंत्री श्रीमती निर्माला सीतारमण द्वारा पेश किए गए बजट में हर वर्ग के कल्याण के लिए प्रावधान किया गया है। केंद्रीय बजट में किसानों को किसान क्रेडिट कार्ड की सीमा बढ़ाने के साथ मछली पालन सहित कई कल्याणकारी घोषणाएं की गई हैं। युवाओं के लिए आईआईटी में इंफ्रास्ट्रक्चर बढ़ाने के साथ मेडिकल की सीटें पांच साल में 75 हजार बढ़ाने का निर्णय लिया गया है। महिलाओं को भी ऋण देने के लिए अलग से बजट में प्रावधान किया गया है। आज ही मैं जापान से आ रहा हूं। जापान सहित दुनिया भर के देश प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में भारत की ओर देख रहे हैं। प्रधानमंत्री जी भारत के मान-सम्मान को वैश्विक स्तर पर ऊंचा उठाने के लिए कार्य कर रहे हैं। यह चुनाव दिल्ली और दिल्ली की शान के लिए, यह चुनाव कमल के निशान के लिए है। रंगा सियार कभी शेर नहीं हो सकता है। केजरीवाल इतने झूठे हैं कि यहां से मध्यप्रदेश में महिलाओं के लिए चलाई जा रही लाड़ली बहना को लेकर भी झूठ बोल दिया। केजरीवाल ने कहा कि मध्यप्रदेश में भाजपा सरकार लाड़ली बहना योजना को बंद कर रही है। मैंने उन्हें सख्त चेतावनी दी और भोपाल में झूठ बोलकर भ्रम फैलाने की एफआईआर कराई है।

केजरीवाल ने आयुष्मान भारत योजना से जनता को वंचित कर विश्वासघात किया

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने आयुष्मान भारत योजना लागू करके देशभर के गरीबों को पांच लाख रूपए तक के मुफ्त इलाज की गारंटी दी है। इस योजना में अब 70 वर्ष से अधिक के बुजुर्गों को भी शामिल करने का ऐतिहासिक निर्णय लिया गया है। लेकिन दिल्ली के मुख्यमंत्री रहे आप पार्टी के मुखिया अरविंद केजरीवाल ने दिल्ली में आयुष्मान भारत योजना लागू नहीं होने दी। केजरीवाल और आप पार्टी की सरकार ने दिल्ली की 51 लाख जनता को आयुष्मान भारत योजना से वंचित रखकर जनता के साथ विश्वासघात किया है। इस तरह के व्यक्ति को भारतीय राजनति में कोई स्थान नहीं है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि केजरीवाल ने मोहल्ला क्लीनिक के नाम पर दवाइयों और फर्जी लैब टेस्ट में घोटाला कर मानवता को शर्मसार किया है।

भाजपा की सरकार बनाकर केजरीवाल के भ्रष्टाचार को समाप्त करे जनता

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि आप पार्टी और उसके मुखिया अरविंद केजरीवाल ने झूठ बोलकर दस वर्ष तक दिल्ली की जनता को छलने का कार्य किया है। दिल्ली की जनता के लिए आप पार्टी की सरकार किसी आपदा से कम नहीं है। फी का नारा देकर जनता को सड़क, पानी और स्वच्छ हवा के लिए अरविंद केजरीवाल ने तरसा दिया है। अब दिल्ली की जनता ने इस आपदा को हटाने का मन बना लिया है। दिल्ली की जनता आपदा को उखाड़ फेंके और प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व वाली भाजपा की विकास करने वाली सरकार बनाइए। भाजपा दिल्ली को विकास के रास्ते पर आगे ले जाने का कार्य करेगी। भाजपा की सरकार ही दिल्ली के रूके हुए विकास और अनवरत हो रहे घोटालों पर लगाम लगाने का कार्य करेगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि आप पार्टी और कांग्रेस दोनों एक ही हैं, दोनों बहुरूपिए हैं।

आप नेताओं की असली जगह जेल में, भ्रष्टाचार कर दिल्ली को खोखला कर दिया

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि आप पार्टी के मुखिया अरविंद केजरीवाल सहित उनकी पार्टी के आधा दर्जन बड़े नेता जेल जा चुके हैं। जेल से छूटने के बाद फिर षड्यंत्र में लग जाते हैं। आप पार्टी के इन भ्रष्टाचारी नेताओं की असली जगह जेल में है। जमानत पर बाहर घूम रहे नेताओं का असली चेहरा दिल्ली की जनता देख चुकी है। भ्रष्टाचार के खिलाफ आंदोलन कर सत्ता तक पहुंचने वाले केजरीवाल और उनकी पार्टी ने इतना भ्रष्टाचार किया कि दिल्ली को खोखला कर दिया। महिला सुरक्षा के लिए पैनिक बटन लगाने के नाम पर भी कई सौ करोड़ का फर्जीवाड़ा कर दिया। यमुना नदी को जहरीला बना दिया। दिल्ली की जनता को स्वच्छ पानी के लिए आप की सरकार तरसा रही है।

चुनाव जीतने के लिए रावण की तरह प्रपंच रचेंगे कांग्रेस और केजरीवाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने रविवार को दिल्ली की विकासपुरी, उत्तम नगर, नजफगढ़, एवं मालवीय नगर विधानसभाओं में जनसभा व प्रबुद्धजन सम्मेलन को संबोधित कर नांगलोई विधानसभा में रोड शो कर भाजपा प्रत्याशियों के लिए समर्थन मांगा। डॉ. मोहन यादव ने कहा कि चुनाव में अब लगभग 48 घंटों का समय बाकी है। लेकिन इस दौरान हमें सतर्क रहना है। रावण की तरह सोच रखने वाले लोग फिर नाटक करने आएंगे। ये सोने का मृग दिखाएंगे। इनकी नीयत खराब है। ये चुनाव जीतने के लिए कई तरह के प्रपंच रचेंगे। लेकिन ये कितने ही षड्यंत्र रच लें, आपको इनके झांसे में नहीं आना है। यहां मौजूद हर व्यक्ति ये संकल्प ले कि जब तक आखिरी वोट न पड़ जाए, कमल सिपाही बनकर तैनात रहना है। हर व्यक्ति अपने आपको नरेंद्र मोदी मानते हुए तब तक सक्रिय रहे, जब तक अंतिम वोट न डाल दिया जाए। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि हमारे बीच में दो देवता हुए हैं, भगवान श्री राम और भगवान श्री कृष्ण। इन दोनों ने ही अपने जीवन में अन्याय के खिलाफ संघर्ष किया। इनके खिलाफ आसुरी शक्तियों ने खूब झूठी माया फैलाई। एक के तो दस सिर थे, जो हर बार अलग मुंह से नया झूठ बोलता था। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि भगवान राम और भगवान कृष्ण के बीच लाखों सालों का अंतर था और वह समय हमने नहीं देखा है। आज फिर राक्षसी ताकतें वैसी ही माया फैला रही हैं। लेकिन हमें भगवान राम और कृष्ण के लिए, सत्य के लिए, मानवता के लिए, सबकी बेहतरी के लिए, सबको साथ लेकर चलने के लिए और देश को महान बनाने के लिए भारतीय जनता पार्टी को जिताना है।

लिटरेचर एंड आर्ट फेस्टिवल में कविता प्रतियोगिता

पद्मश्री आर्टिस्ट भूरी बाई की प्रदर्शनी रही आकर्षण का केंद्र, समापन कार्यक्रम में विजेता होंगे घोषित

भोपाल (नप्र)। भोपाल के भारत भवन में लिटरेचर एंड आर्ट फेस्टिवल के तीसरे और अंतिम दिन, रविवार को कविता प्रतियोगिता आयोजित की गई, जिसमें युवाओं ने बड़ी संख्या में भाग लिया। इस दौरान पैरा खिलाड़ियों, देश के प्रधानमंत्री और आरबीआई गवर्नर से जुड़े विषयों पर सत्र हुए। साथ ही, परिसर के अन्य सभागार में पद्मश्री ट्राइबल आर्टिस्ट भूरी बाई की मॉडर्न आर्ट प्रदर्शनी लगी और पेंटिंग प्रतियोगिता में प्रतिभागियों द्वारा बनाए गए चित्र भी प्रदर्शित किए गए।

सामाजिक मुद्दों पर गूंजी कविताएं: फेस्टिवल के अंतिम दिन युवाओं की कविता प्रतियोगिता आयोजित की गई, जिसमें प्रतिभागियों को सड़क सुरक्षा, नारी सशक्तिकरण जैसे विषय दिए गए। इस कविता प्रतियोगिता सहित अन्य आयोजित प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कार आज शाम के समापन समारोह में प्रदान किया जाएगा।

इन विषयों पर हुए सेशन: भोपाल

लिटरेचर एंड आर्ट फेस्टिवल में लेखिका और पूर्व पत्रकार नीरजा चौधरी ने अपनी किताब हाउ पीएम्स डिसाइड पर चर्चा की। उन्होंने बताया कि, यह किताब कोविड महामारी के दौरान लिखी गई और इसमें देश के छह पूर्व प्रधानमंत्रियों के छह बड़े फैसलों का विश्लेषण किया गया है। इसमें इंदिरा गांधी, राजीव गांधी, वीपी सिंह, नरसिम्हा राव, अटल बिहारी वाजपेयी और मनमोहन सिंह द्वारा लिए गए महत्वपूर्ण निर्णयों को शामिल किया गया है। किताब में इन नेताओं की विचारधारा, उनके निजी विश्वास और फैसलों को प्रभावित करने वाले विभिन्न पहलुओं पर प्रकाश डाला गया है।

आइकॉनिक ट्रीज ऑफ इंडिया - भारत के अनोखे पेड़ों पर चर्चा: फेस्टिवल के अंतिम दिन आइकॉनिक ट्रीज ऑफ इंडिया पर एक खास सत्र आयोजित किया गया। इस किताब के लेखक, प्रकृतिवादी और वनस्पति वैज्ञानिक एस नतेश ने बताया कि, उन्होंने 20 से अधिक राज्यों में भ्रमण कर 75 अनोखे पेड़ों को अपनी किताब में शामिल किया है। इस पुस्तक में पेड़ों की वैज्ञानिक जानकारी, उनका इतिहास और उनका महत्व बताया गया है। उन्होंने उत्तर प्रदेश के बाराबंकी जिले में स्थित 5000 साल पुराने पारिजात वृक्ष का भी उल्लेख किया।

जस्ट ए मर्सिनरी-पूर्व आरबीआई गवर्नर दुव्वुरी सुब्बाराव की यादें: पूर्व आरबीआई गवर्नर दुव्वुरी सुब्बाराव ने अपनी आत्मकथा जस्ट ए मर्सिनरी, मेमोयर्स ऑफ ए आरबीआई गवर्नर पर चर्चा की। उन्होंने बताया कि, यह किताब उनके जीवन और करियर पर आधारित है।

जहर खाने वाली कंपनी डायरेक्टर का बयान आया सामने

बोलीं- हमारा जीना मुश्किल कर दिया था, हमें न्याय दिलाएं, कहीं सुनवाई नहीं हो रही

भोपाल (नप्र)। मध्यप्रदेश में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के छापे के बाद जयश्री गायत्री फूड कंपनी की डायरेक्टर पायल मोदी ने शुक्रवार की रात को जहर खा लिया था। होश में आने के बाद पहली बार पायल का एक वीडियो सामने आया है। अस्पताल में भर्ती पायल के पति किशन मोदी ने वीडियो जारी किया है। इस वीडियो में पायल पुलिस से लेकर ईडी और पूर्व कर्मचारियों पर गंभीर आरोप लगाती दिख रही हैं।

पायल ने वीडियो में क्या कहा

पायल बोलीं, मैं क्या करती, कोई चारा ही नहीं बचा था। जब से 2023 में हमारे घर चोरी हुई, हमने जो भी कंपलेन की कोई एक्शन नहीं हुआ। हमें परेशान करना शुरू कर दिया। मैं परेशान हूं, चंद्रप्रकाश पांडे, वैध प्रकाश पांडे, कर रहे हैं। चंद्रप्रकाश पांडे केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान जी के जीजा हैं। चंद्र प्रकाश की पूरी टीम ने हमें परेशान कर रखा है। सुनील त्रिपाठी हमारे यहां से चारी कर भागा था, इसकी एफआईआर दर्ज कराई, तब से ही हमें परेशान किया जा रहा है।

नीतेश पंजाबी, बंटी शर्मा, भगवान सिंह राजपूत सभी लोगों ने हमें परेशान कर दिया है। सभी चिराग के पावर का यूज करते हैं, हमारी शिकायत पर इनके खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं हुई। इसके बाद से ही हमें परेशान किया जा रहा है। आए दिन परेशान करते हैं।

तीन छोटे बच्चे हैं, मुझे लगा मरने से सब ठीक हो जाएगा

40 दिन के लिए हमारी फैक्ट्री बंद करा दी। यह लोग हमारा पीछा करते हैं, धमकाते हैं। कहते हैं चाहे जो कर लो हमसे आगे नहीं निकल पाओगे। क्या करती मैं आखिर मुझे लगा मेरे नहीं होने से सब सुधर जाएगा।